पुस्तक का शीर्षक

Book Title

"Sub-Title"

By: Anubhavauthor

लेखक के बारे में

महत्वपूर्ण

Contents

Introduction

1. Yes, this will work for you 12

2. Proven 5 step persuasion formula 15

3. How to eliminate sales resistance by not selling18

4. How to use a free preview to sell without selling
35

5. How to reach millions of potential clients by tapping into other people's audience, connections, and influence
37

6. Be Grateful in Spite of Your Suffering 39

7. … 44

8. … 50

Conclusion

इंट्रोडक्शन

Introduction

पैसों का प्रबंधन केवल किफायती होने से अधिक है। यह इस बात को पहचानने के बारे में है कि हम वित्तीय निर्णयों पर भावनात्मक रूप से कैसे प्रतिक्रिया देते हैं, वित्तीय उत्पादों और बाजारों की मूल बातें समझते हैं, और एक ऐसा योजना बनाते हैं जो हमें हमारे जीवन के लक्ष्यों तक पहुंचने में मदद करे। यह कोर्स आपको उस आश्चर्यजनक रूप से दिलचस्प दुनिया के माध्यम से मार्गदर्शन करेगा, जिसमें हम अपने जीवनभर पैसे का प्रबंधन कैसे करते हैं। आप नए शोध का अन्वेषण करेंगे जो बताते हैं कि हमारी अंतर्दृष्टि हमें सामान्य गलतियों की ओर कैसे ले जाती है, वित्तीय उत्पादों और सिद्धांतों के बारे में सबसे महत्वपूर्ण जानकारी की समीक्षा करेंगे, और सीखेंगे कि एक वित्तीय योजना कैसे बनानी है—यहां तक कि अगर अतीत में आपको इस पर टिके रहना मुश्किल हुआ हो।

पहले व्याख्यान और पूरे पाठ्यक्रम के दौरान, आप जानेंगे कि हमारी भावनाएं अक्सर हमें गलत निर्णय लेने के लिए कैसे प्रेरित करती हैं। व्यवहारिक वित्त का उभरता हुआ क्षेत्र हमें दिखाता है कि हम जोखिम से निपटने में क्यों कठिनाई महसूस करते हैं, गलत निवेश क्यों चुनते हैं, गलत प्रकार की बीमा क्यों खरीदते हैं, और अपने लक्ष्यों को पूरा करने में क्यों असफल होते हैं। एक वित्तीय योजना बनाने का पहला कदम यह नहीं है कि हमें क्या करना चाहिए—यह हमारी सीमाओं को जानना है ताकि हम ऐसे रणनीतियों को लागू कर सकें जो काम करें।

पैसे के प्रबंधन को मार्गदर्शित करने वाला मौलिक सिद्धांत जीवन चक्र वित्त है। जब हम पैसे के निर्णय लेते हैं, तो उनके परिणाम हमारे जीवन में लहर की तरह फैलते हैं। आप जानेंगे कि हम इस ढांचे का उपयोग अपने सभी वित्तीय मामलों में बेहतर और अधिक सुसंगत विकल्प बनाने के लिए कैसे कर सकते हैं। आप यह भी जानेंगे कि कब और क्यों उधार लेना और बचत करना समझदारी है और निवेश जोखिम उठाना वास्तव में

क्या मतलब रखता है। जीवन चक्र ढांचा एक शक्तिशाली अवधारणा है जो आपके पैसे के प्रबंधन के तरीके को बदल देगा।

इस ढांचे के भीतर, आपको ऐसी जानकारी दी जाएगी जो आपको अपने जीवनभर बेहतर वित्तीय विकल्प बनाने के लिए जानने की आवश्यकता है। आधुनिक पोर्टफोलियो सिद्धांत और बाजार दक्षता सही निवेशों का चयन करना आश्चर्यजनक रूप से आसान बनाती है। आप 401(k) में म्यूचुअल फंड कैसे चुनें और विभिन्न खातों का प्रबंधन कैसे करें ताकि आप अपने द्वारा उठाए गए जोखिम के लिए उच्चतम संभव रिटर्न प्राप्त कर सकें, यह सीखेंगे।

जीवन चक्र योजना का पालन करने में समय के साथ उधार लेने और निवेश करने के लिए हमारे विकल्पों को समझना शामिल है। शिक्षा हमारे सबसे महत्वपूर्ण निवेशों में से एक है। आपको शैक्षिक खर्चों के लिए बचत करने के विकल्पों से परिचित कराया जाएगा, और आप यह तय करेंगे कि क्या कॉलेज के लिए भुगतान करने के लिए ऋण लेना समझदारी है। आप क्रेडिट और डेबिट कार्ड का प्रबंधन कैसे करें, क्रेडिट स्कोर कैसे प्राप्त करें और बनाए रखें, और क्रेडिट उद्योग कैसे काम करता है, यह सीखेंगे। आप घर खरीदने के फायदों और नुकसानों, बंधक के लिए अर्हता प्राप्त करने के तरीके, और किन प्रकार के बंधक सबसे समझदारी रखते हैं, के बारे में भी जानेंगे।

जोखिम प्रबंधन का विज्ञान बताता है कि हमें बड़े जोखिमों से बचाने वाले बीमा उत्पादों का चयन कैसे करना चाहिए जबकि कुछ लोकप्रिय उत्पादों की अनदेखी करनी चाहिए जो उतने मूल्यवान नहीं हैं। आपको संघीय कर प्रणाली के मूलभूत दर्शन से परिचित कराया जाएगा, साथ ही विभिन्न कटौतियों और छूटों के बारे में जो हम अपने कर बिल को कम करने के लिए उपयोग कर सकते हैं। आप संपत्ति की योजना बनाने के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानेंगे, जिसमें वसीयत के बाहर संपत्तियों के हस्तांतरण के विकल्प और कानूनी दस्तावेज शामिल हैं जिन्हें हर किसी को पूरा करना चाहिए ताकि हम और हमारे प्रियजन की देखभाल सुनिश्चित हो सके। सेवानिवृत्ति की योजना बनाने में यह अनुमान लगाना शामिल है कि हमें सेवानिवृत्ति के लिए कितनी बचत करनी होगी,

हमें कब सेवानिवृत्त होना चाहिए, और अपने सेवानिवृत्ति लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सबसे अच्छा निवेश कैसे करना है।

अपने वित्तीय मस्तिष्क को समझना

जब इतनी चीजें दांव पर लगी हों, तो हम अनिश्चित वित्तीय भविष्य के लिए खुद को कैसे तैयार करें? पैसे का प्रबंधन वित्तीय उत्पादों, निवेश और जोखिम सिद्धांत, और कर के नियमों के ज्ञान की आवश्यकता होती है। लेकिन यह इस बात की भी आवश्यकता है कि हम कैसे, असफल इंसान होने के नाते, गलतियाँ करते हैं। इस पाठ्यक्रम में, आप अपने वित्त का प्रबंधन करने के लिए आवश्यक सबसे महत्वपूर्ण जानकारी सीखेंगे। आप व्यक्तिगत वित्तीय निर्णय लेने की उभरती हुई विज्ञान से भी ज्ञान प्राप्त करेंगे ताकि आप अपनी भावनाओं को गलत दिशा में ले जाने से बच सकें।

वित्तीय निर्णय और मस्तिष्क

विशेष रूप से वित्तीय निर्णयों के मामले में, हमारा मस्तिष्क एक निरंतर संघर्ष में होता है। हमें पता है कि हमें क्या करना चाहिए, लेकिन हम अक्सर ऐसा नहीं करते। इसका कारण यह है कि हमारे पास केवल एक संज्ञानात्मक प्रणाली नहीं है; हमारे मस्तिष्क के दो प्रमुख हिस्से हैं जो यह निर्धारित करते हैं कि हम पैसे के प्रति कैसे प्रतिक्रिया करते हैं।

अधिकांश अमेरिकी मानते हैं कि उन्हें सेवानिवृत्ति के लिए अधिक बचत करनी चाहिए—लेकिन वास्तव में ऐसा करने के लिए पर्याप्त नहीं। जब हम भविष्य की योजना बनाते हैं, तो हम अपने मस्तिष्क के उस छोटे हिस्से का उपयोग करते हैं जो हमारी आंखों के ठीक पीछे होता है, जिसे प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स कहा जाता है। यह मस्तिष्क का हिस्सा यह सोचता है कि वह नियंत्रण में है। वास्तव में, जब इसे इस बात के सबूत मिलते हैं कि यह नियंत्रण में नहीं है, तो यह यह साबित करने के लिए बहुत प्रयास करता है कि हमने, उदाहरण के लिए, बाजार में गिरावट के बाद अपनी सभी शेयर क्यों बेचीं।

सच्चाई यह है कि प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स, जिसे हम सचेत निर्णय लेने में उपयोग करते हैं, वास्तव में नियंत्रण में नहीं है। इसे एक हाथी पर बैठे सवार के समान बताया गया है। सवार आमतौर पर हाथी को सही दिशा में मार्गदर्शन कर सकता है, जब तक कि हाथी यह तय न कर ले कि वह वास्तव में कहीं और जाना चाहता है।

हमारे मस्तिष्क का हाथी वाला हिस्सा लिम्बिक सिस्टम कहलाता है। यह मस्तिष्क का एक बहुत पुराना हिस्सा है और आपके सिर में अधिक स्थान घेरता है। यह भावनाओं, उत्तेजनाओं के प्रति स्वचालित प्रतिक्रियाओं, और स्मृति जैसी चीजों के लिए जिम्मेदार है। अपने प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स को सक्रिय बनाए रखने के लिए बहुत मेहनत करनी होती है। लिम्बिक सिस्टम बहुत तेज और कुशल होता है, और यह वह हिस्सा है जिसका हम अपने दैनिक कार्यों में सबसे अधिक उपयोग करते हैं।

सफल वित्तीय योजना का मतलब है कि

वित्तीय योजना तर्कसंगत मस्तिष्क और भावनात्मक मस्तिष्क के बीच संघर्ष पैदा करती है।

केवल यह जानना कि क्या करना है, बल्कि यह जानना कि एक ऐसा योजना कैसे बनाई जाए जो वास्तव में काम करे। इसका मतलब है कि हमें यह पहचानना होगा कि हम क्रेडिट कार्ड के जरिए आवेग में खर्च करने के लिए ललचाएंगे या कभी भी अपने 401(k) में पैसे नहीं डालेंगे, विशेषकर यदि हमें अतीत में ये समस्याएँ रही हैं। सबसे अच्छा योजना वह है जो हमारी भावनाओं को नियंत्रित रखे।

तर्कशील मस्तिष्क और भावनात्मक मस्तिष्क के बीच एक और संघर्ष को अर्थशास्त्री हाइपरबोलिक डिस्काउंटिंग कहते हैं। प्रयोगों से पता चलता है कि हम वर्तमान में निर्णय लेते समय बहुत अधीर होते हैं और भविष्य के बारे में निर्णय लेते समय बहुत अधिक धैर्य रखते हैं। अगर मस्तिष्क की स्कैनिंग की जाए, तो भविष्य की योजना बनाने पर प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स सक्रिय होता है, लेकिन अभी के निर्णय लेते समय लिम्बिक सिस्टम सक्रिय होता है।

अनुसंधान से पता चलता है कि जब CEOs के पास ज्यादा नकद होता है, तो वे इसे अन्य कंपनियों को खरीदने या संदिग्ध परियोजनाओं में निवेश करने में खर्च करने के लिए प्रवृत्त होते हैं। हम सभी के लिए प्रलोभन का विरोध करना कठिन होता है। प्रलोभन का विरोध करने का सबसे अच्छा तरीका है कि इसे अपने जीवन से हटा दें। बचत खाते एक बेहतरीन उदाहरण हैं, जिसे संकीर्ण फ्रेमिंग या बस फ्रेमिंग कहा जाता है, जिसे वित्तीय योजनाकार दशकों से अपने ग्राहकों को दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए उपयोग कर रहे हैं।

यदि आप अपने चेकिंग खाते में 10,000 डॉलर की सैलरी जमा करते हैं, तो यह खर्च हो जाएगा। एक बेहतर रणनीति यह होगी कि आप सैलरी को बचत खाते में जमा करें और जब आवश्यकता हो, तब चेकिंग खाते में पैसे स्थानांतरित करें। बचत खातों में अक्सर चेकिंग खाते में धन

स्थानांतरित करने से पहले कुछ दिनों की आवश्यकता होती है। चूंकि स्थानांतरण भविष्य में होता है, इसलिए आपको अपने तर्कशील मस्तिष्क का उपयोग करना होगा। यदि आप अपने तर्कशील मस्तिष्क को अपनी लिम्बिक मस्तिष्क को ललचाने से पहले हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर करते हैं, तो यह वार्षिक खर्च को हजारों में कम कर सकता है।

हानि का डर

हमारी भावनाएँ हानि को संभालने में कठिनाई महसूस करती हैं। हम हानियों पर क्यों ध्यान केंद्रित करते हैं? हमारा सबसे अच्छा अनुमान है कि हानि का डर हमारे पूर्वजों को जीवित रहने का बेहतर मौका देता था। यदि आप सर्दी के भोजन की कुछ मात्रा खोने पर चिंतित हो जाते हैं, तो आप अगली फसल तक जीवित रहने की संभावना अधिक रखते हैं। लेकिन यह भावनात्मक प्रतिक्रिया आधुनिक वित्तीय बाजारों में इतनी उपयोगी नहीं है। वास्तव में, यही कारण है कि कई लोग बाजार से कम प्रदर्शन करते हैं, गलत बीमा खरीदते हैं और समझदारी से जोखिम लेने से बचते हैं।

2008/2009 का शेयर बाजार गिरावट निवेशकों के लिए भयानक थी। कई वित्तीय सलाहकारों ने उन ग्राहकों की दर्जनों कॉल का सामना किया, जो भावनात्मक दर्द को रोकना चाहते थे और बाजार से बाहर निकलना चाहते थे। तर्कशक्ति से, हम जानते हैं कि शेयर की कीमतें चक्रों से गुजरती हैं और बेचना सबसे बुरा समय होता है जब कीमतें गिर जाती हैं।

लेकिन हमारे मस्तिष्क का तर्कशील भाग भावनात्मक भाग द्वारा अधिक शक्तिशाली होने के कारण हटा दिया जा सकता है। निवेशकों ने

2009 की शुरुआत में रिकॉर्ड मात्रा में पैसे शेयर फंड से निकाले जब बाजार ने तलहटी को छुआ। एक निवेशक जिसने 2009 की शुरुआत में 100 डॉलर के शेयर बेच दिए और उसे मनी-मार्केट खाते में निवेश किया, वह 2013 की गर्मियों में कुछ डॉलर कमा सकता था। धैर्यवान निवेशकों ने अपने शेयर निवेश को दोगुना से अधिक बढ़ते हुए देखा, जो लगभग 250 डॉलर तक पहुंच गया।

हानि का डर दिलचस्प है क्योंकि हम छोटे नुकसान को बड़े नुकसान की तुलना में ज्यादा महत्व देते हैं। यह तर्कशील नहीं है क्योंकि छोटे नुकसान जोखिम लेने का सामान्य हिस्सा होते हैं, और हमें जोखिम स्वीकार करने के लिए पुरस्कार मिलता है। लोग एक महंगा बीमा योजना खरीदते हैं ताकि 500 डॉलर के iPad के नुकसान से बच सकें, लेकिन वे अपनी कार बीमा योजना पर दायित्व सीमा नहीं बढ़ाते हैं ताकि खुद को एक बहुत बड़े नुकसान से बचा सकें।

हम एक संदर्भ बिंदु पर भी ध्यान केंद्रित करने की प्रवृत्ति रखते हैं। यदि आप एक नई निवेश योजना शुरू करते हैं, तो आप आमतौर पर उस मूल राशि पर ध्यान केंद्रित करेंगे जो आपने निवेश की है और अपने परिणामों की तुलना इसी संदर्भ बिंदु से करेंगे। कुछ निवेश सलाहकार अपने ग्राहकों के संदर्भ बिंदु को बदलने का प्रयास करते हैं, उदाहरण के लिए वार्षिक विवरण देकर, जो उतार-चढ़ाव वाले बाजार से नुकसान दिखाने की संभावना कम होती है, बजाय त्रैमासिक विवरण के।

हानि का डर यह भी दर्शाता है कि हम अपनी लाभों के प्रति पर्याप्त ध्यान नहीं देते। प्रयोगों से पता चलता है कि एक हानि से होने वाली असंतोष समान आकार के लाभ से होने वाली खुशी से अधिक होती है। लाभ से होने वाली खुशी एक ऐसे सिद्धांत से संबंधित है जिसे जोखिम सहिष्णुता कहा जाता है।

यदि आप जोखिम सहिष्णु हैं, या यदि आपका अनुभव और ज्ञान आपको अपनी भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करने की अनुमति देता है, तो आप समय के साथ औसतन अधिक कमाने के लिए पैसे खोने के लिए तैयार होंगे। आप हानियों को अपने दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए केवल एक अनिवार्य हिस्सा के रूप में स्वीकार करना शुरू कर देंगे। यदि आप अपनी संकीर्ण और हानि-डराने वाली प्रवृत्तियों को नियंत्रित कर सकते हैं, तो आप निवेश के जोखिम को स्वीकार करके दीर्घकालिक बोनस प्राप्त कर सकते हैं।

अन्य व्यवहारिक बाधाएँ

हानि के डर जैसी भावनाओं को नियंत्रित करने में कठिनाई के अलावा, प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स भी धीरे-धीरे काम करता है और बहुत अधिक निर्णय लेने पर जल्दी थक जाता है। एक सामान्य बिक्री तकनीक—उदाहरण के लिए कार बिक्री करने वालों के लिए—ग्राहक को जटिल जानकारी से अभिभूत करना है। जब हम जानकारी के अधिभार का सामना करते हैं, तो हम केवल एक निर्णय लेना चाहते हैं और घर जाना चाहते हैं क्योंकि हमारी भावनाएँ हमारे कमजोर तर्कशील मस्तिष्क को अभिभूत कर देती हैं।

मस्तिष्क की थकान तब बहुत खराब निर्णयों की ओर ले जा सकती है जब हमें एक घर पर प्रस्ताव देना हो, बंधक चुनना हो, या यहां तक कि एक विक्रेता से निवेश उत्पाद खरीदने पर सहमत होना हो। समाधान यह है कि कभी भी एक बड़ा, महत्वपूर्ण वित्तीय निर्णय बिना सोचे-समझे न लें। यह एक पारंपरिक ज्ञान का एक टुकड़ा है जिसे न्यूरोइकोनॉमिक्स द्वारा समझाया जा सकता है।

हमारे तर्कशील मस्तिष्क की एक और सीमा यह है कि यह अधिक आसानी से उपलब्ध जानकारी पर ध्यान केंद्रित करने की प्रवृत्ति रखता है। उदाहरण के लिए, यदि हाल ही में एक विमान दुर्घटना हुई है, तो हम

हवाई यात्रा करने के बारे में अधिक चिंतित होते हैं। लेकिन जब हम हाल के घटनाओं को अधिक महत्व देते हैं, तो हम इस घटना के होने की मौलिक संभावनाओं को नजरअंदाज कर रहे होते हैं।

हाल की घटनाओं पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करने की प्रवृत्ति हमारे अर्थव्यवस्था के प्रति सामान्य भावना को प्रभावित करती है। यह अच्छी तरह से जाना जाता है कि उपभोक्ता भावना व्यापार चक्रों के साथ घटती और बढ़ती है। जब आर्थिक विस्तार होता है, तो लोग भविष्य के प्रति बहुत आशावादी होते हैं। जब मंदी आती है, तो हम बहुत निराशावादी हो जाते हैं। जब हम निराश होते हैं, तो हम जोखिम भरे संपत्तियों जैसे शेयरों के प्रति अपनी रुचि खोने लगते हैं। जब हम आशावादी होते हैं, तो हम शेयर खरीदने में कभी संतुष्ट नहीं होते।

यह चक्रीय आशावाद और निराशावाद शेयरों पर अपेक्षित रिटर्न को भी प्रभावित करता है। जब भावना कम होती है और शेयर की कीमतें गिरती हैं, तो यह आपके पोर्टफोलियो को संतुलित करने का एक उत्कृष्ट समय हो सकता है, बांड बेचकर और अधिक शेयर खरीदकर—यह हमारे भावनाओं के विपरीत होता है। जब भावना उच्च होती है और शेयर की कीमतें बढ़ती हैं, तो यह बांड में संतुलन बनाने के लिए शेयर बेचने का अच्छा अवसर हो सकता है।

लेकिन यह बहुत कठिन भी होता है; इसका मतलब है कि हमारे तार्किक मस्तिष्क को हमारे भावनात्मक मस्तिष्क को दरकिनार करना होगा। अनुभवी निवेशक खुद को पिछले बाजार सुधारों की याद दिलाकर ऐसा कर सकते हैं। या आप ऐसे निवेश चुन सकते हैं जो अपने आप संतुलित हो जाते हैं और हाथी को पूरी तरह से टाल देते हैं।

स्वचालित उपकरणों का यह लाभ पिछले दशक में अकादमिक अध्ययनों से पाए गए सबसे आश्चर्यजनक और शक्तिशाली निष्कर्षों में से एक रहा है।

विशेष रूप से जब रिटायरमेंट के लिए बचत करने की बात आती है, तो सबसे अच्छी रणनीति यह है कि प्रक्रिया से हाथी को बाहर रखा जाए। यह प्रभाव इतना शक्तिशाली है कि इसने हमें रिटायरमेंट नीति के बारे में सोचने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। मनुष्य आमतौर पर कम प्रतिरोध के मार्ग का अनुसरण करते हैं, और हम अक्सर अपने भविष्य की आदतों को बदलने की इच्छा को अधिक मानते हैं। यह पहचानना कि हम शायद कल भी उतने ही आलसी होंगे जितने आज हैं, हमें उन रणनीतियों का चयन करने में मदद कर सकता है जो अधिक सफल होने की संभावना रखते हैं।

अधिकांश सलाहकार जानते हैं कि एक ग्राहक को रिटायरमेंट के लिए अधिक बचत करने के लिए सबसे अच्छा तरीका है कि वह अपने व्यक्तिगत कार्यालय से एक रिटायरमेंट फॉर्म लाए, बैठक के दौरान उसे भरे और फिर अपने नियोक्ता को वापस भेज दे। जब कोई कर्मचारी रिटायरमेंट के लिए अधिक बचत करना शुरू करता है, तो आमतौर पर वह अपने वेतन में कमी को कभी नहीं नोटिस करता। शोध से पता चलता है कि रिटायरमेंट की बचत अत्यधिक स्थायी होती है; एक बार जब आप एक प्रतिशत या मासिक बचत राशि चुन लेते हैं, तो लगभग सभी कर्मचारी उस राशि पर हमेशा बने रहते हैं।

ज्ञान हमेशा सफलता के बराबर नहीं होता। ज्ञान का उपयोग करने की क्षमता अधिक महत्वपूर्ण है ताकि आदतों को बदलने और अपने सवार को हाथी को steer करने से बचने के लिए कदम उठाने में मदद मिल सके। और यह मत सोचिए कि शैक्षणिक लोग हाथी को नियंत्रित करने की अपनी क्षमता में किसी भी रूप में कम आत्मविश्वासी हैं—वास्तव में, वे शायद और भी बुरे हैं।

अधिक आत्मविश्वास एक महत्वपूर्ण व्यवहारिक बाधा है जो साउंड वित्तीय निर्णय लेने में आती है। विशेष रूप से पुरुषों को ऐसा लगता है कि वे बाजार से बेहतर कर सकते हैं। दुर्भाग्य से, शोधकर्ताओं ने पाया है कि अधिक आत्मविश्वासी पुरुष अक्सर अधिक व्यापार करते हैं, और यह बार-बार व्यापार करने के कारण उनका निवेश प्रदर्शन महिलाओं के स्वामित्व वाले निवेश खातों की तुलना में कम होता है। यदि आप एक पुरुष हैं, तो अपने निवेश प्रदर्शन में सुधार करने का एक निश्चित तरीका है कि आप विनम्रता को स्वीकार करें और बाजार को मात देने की कोशिश करना बंद करें।

निवेश खाते के शोध से एक और महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि हम सभी अपने जीतने वाले शेयरों को बेचने और अपने हारने वाले शेयरों को रखने की प्रवृत्ति रखते हैं। यह हानि के प्रति संवेदनशीलता से भी संबंधित है। एक ऐसे शेयर को बेचकर हानि को लॉक करना दर्दनाक होगा जो मूल्य में गिर गया है, लेकिन यह हमें एक जीतने वाले शेयर से लाभ को लॉक करने पर अच्छा महसूस कराता है। निवेशक पूर्वानुमानित रूप से अपने विजेताओं को बेचेंगे और अपने हारे हुए को रखेंगे।

समस्या यह है कि शेयर की कीमतें आमतौर पर अल्पकालिक गति प्रदर्शित करती हैं: आज के विजेता शायद कल भी विजेता रहेंगे, और आज के हारने वाले शायद कल भी गिरते रहेंगे। इसलिए, सबसे अच्छी रणनीति या तो धैर्य रखना है या अपने हारने वालों को छोड़ना है। लेकिन इसका मतलब है हाथी से लड़ाई करना।

प्रस्तावित पठन

विचार करने के लिए प्रश्न

दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों पर हाथी और सवार के बीच संघर्ष का क्या प्रभाव पड़ता है, और सवार हाथी को कैसे चतुराई से मात दे सकता है?

यदि हमारी हानि के प्रति भावनात्मक प्रतिक्रिया इतनी शक्तिशाली है, तो हम जोखिम को स्वीकार करना कैसे सीख सकते हैं?

जीवन चक्र सिद्धांत के साथ धन प्रबंधन

अर्थशास्त्र में, वित्तीय निर्णय लेने के लिए जो ढांचा उपयोग किया जाता है, उसे जीवन चक्र सिद्धांत कहा जाता है। कई वैज्ञानिक सिद्धांतों की तुलना में, यह सिद्धांत समझने में काफी आसान है। लेकिन इसकी सरलता के बावजूद, जीवन चक्र सिद्धांत वित्तीय निर्णयों को समझने में हमारी मदद करने में अत्यंत शक्तिशाली है। जीवन चक्र वित्त का आधारभूत तर्क यह है कि आपको अपना पैसा तब खर्च करना चाहिए जब यह आपको सबसे अधिक खुशी देता है और प्रचुरता के समय में इसे बचाना चाहिए। इस व्याख्यान के अंत तक, आप अपने वित्तीय जीवन के बारे में एक पूरी तरह से अलग दृष्टिकोण रख सकते हैं।

जीवन चक्र सिद्धांत की धारणाएँ

यदि आप जीवन चक्र सिद्धांत को अपनाने जा रहे हैं, तो आपको इसकी कुछ धारणाओं को समझना होगा। इनमें से कोई भी धारणा कट्टर नहीं हैं; ये सभी समझ में आने वाली हैं। लेकिन इन समझने योग्य धारणाओं को एक ढांचे में मिलाकर, आप कुछ बहुत ही आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। आप यह पा सकते हैं कि जो व्यवहार आपको समझदारी लगते थे, वे जीवन चक्र सिद्धांत के तहत इतनी समझदारी नहीं हैं। और आप यह भी पा सकते हैं कि जो वित्तीय विकल्प असंगत लगते थे, वे वास्तव में तर्कसंगत हैं।

जीवन चक्र सिद्धांत की एक धारणा है जिसे अर्थशास्त्री "कम होती सीमांत उपयोगिता" कहते हैं, जहां "उपयोगिता" खुशी के लिए एक और शब्द है और "सीमांत" का अर्थ है प्रत्येक अतिरिक्त डॉलर खर्च करने से मिलने वाली खुशी की मात्रा। कम होती सीमांत उपयोगिता की धारणा कहती है कि हम प्रत्येक अतिरिक्त डॉलर खर्च करने से थोड़ी कम खुशी प्राप्त करते हैं।

यही जीवन चक्र वित्त का सार है। उधारी और बचत को बुरा या अच्छा समझने के बजाय, इसे उस रूप में समझें जो यह वास्तव में है—हमारे जीवनकाल के दौरान खर्च का स्थानांतरण। उधारी का मतलब है कि आप भविष्य में कम खर्च करते हैं ताकि आज अधिक खर्च कर सकें। बचत का मतलब है कि आप आज कम खर्च करते हैं ताकि भविष्य में अधिक खर्च कर सकें।

जीवन चक्र वित्त के अनुसार, आप सही कर रहे हैं यदि आपके जीवन चक्र के सभी काल—युवावस्था, मध्य उम्र, सेवानिवृत्ति—में खर्च करने से मिलने वाली खुशी की मात्रा समान है। इसका मतलब है कि आप जीवन भर में अधिकतम खुशी प्राप्त कर रहे हैं, क्योंकि आप एक जीवन चक्र चरण में विलासिता में नहीं जी रहे हैं जबकि दूसरे में गरीबी में हैं। यदि आप खर्च करने की कम होती सीमांत उपयोगिता के विचार से सहमत हैं, तो इसका मतलब है कि आपको यह भी सहमत होना होगा कि अपने जीवन के हर वर्ष में लगभग समान राशि खर्च करना ही आपको सबसे ज्यादा खुश करेगा।

आप देख सकते हैं कि जीवन चक्र वित्त कुछ पारंपरिक वित्तीय ज्ञान से कैसे अलग है। जीवन चक्र सिद्धांत कहता है कि आपको एक उधारकर्ता और एक ऋणदाता दोनों होना चाहिए। जब आप युवा होते हैं और शिक्षा में निवेश कर रहे होते हैं, तो आपको उधारकर्ता होना चाहिए, और जब आप मध्य उम्र के चरम कमाई के वर्षों में होते हैं, तो आपको एक ऋणदाता होना चाहिए। आप बस अपने आप से उधार ले रहे हैं और अपने आप को उधार दे रहे हैं—जैसे चेकिंग खाते, बंधक, छात्र ऋण, और म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय उपकरणों का उपयोग करके।

पारंपरिक ज्ञान यह सुझाव देता है कि आपको हमेशा पैसे बचाने चाहिए। आपने सुना होगा कि अपनी आय का 10 प्रतिशत बचाना एक अच्छा विचार है और जितना जल्दी आप बचत करेंगे, उतना ही धनवान आप बाद में होंगे। यह निस्संदेह सही है: यदि हम हमेशा बचत कर रहे हैं, तो हम हमेशा अमीर हो रहे होंगे। लेकिन क्या अमीर होना ही लक्ष्य है?

आम तौर पर, जिन लोगों के पास अधिक पैसे होते हैं, वे अधिक खुश दिखाई देते हैं। लेकिन इस बात का कोई मजबूत प्रमाण नहीं है कि जो लोग एक वर्ष में 200,000 डॉलर खर्च करते हैं, वे उन लोगों की तुलना में बहुत अधिक खुश होते हैं जो एक वर्ष में 100,000 डॉलर खर्च करते हैं। वास्तव में, बहुत अधिक पैसे होना एक बोझ बन सकता है। इसलिए, जीवन को एक खेल के रूप में सोचने के बजाय जहां लक्ष्य पैसे का सबसे बड़ा ढेर बनाना है, इसे एक खेल के रूप में सोचें जहां लक्ष्य आपके पास मौजूद पैसे से जीवन का अधिकतम आनंद लेना है।

जीवन चक्र योजना का एक और महत्वपूर्ण सिद्धांत यह है कि हमारी आय हमारे जीवनकाल में एक पूर्वानुमानित पैटर्न का पालन करती है। जब हम 20 साल के होते हैं, तो अक्सर हमारी आय बहुत कम होती है, लेकिन शिक्षा एक निवेश है। इसमें आपको पैसे खर्च करने होते हैं, लेकिन अधिक शिक्षा का मतलब है अधिक आय का मार्ग।

हम अक्सर अपने शिक्षा में एक निवेश कर रहे होते हैं। और शिक्षा जीवन चक्र योजना पर बड़ा प्रभाव डालती है।

यदि आपके पास कॉलेज की शिक्षा है, तो आपकी आय बहुत कम से शुरू होगी—वास्तव में, आप कॉलेज के दौरान कुछ भी नहीं कमा सकते हैं और गहरे कर्ज में जा सकते हैं। लेकिन आपके जीवनकाल में आपकी आय का मार्ग उस व्यक्ति के आय के मार्ग से बहुत अलग होगा जिसने कभी कॉलेज नहीं किया। अधिक शिक्षा का मतलब है अधिक आय का मार्ग। दूसरे शब्दों में, आपकी आय कम से शुरू होती है, लेकिन मध्य आयु में, यदि आपके पास कॉलेज की डिग्री है तो आप बहुत अधिक कमा रहे होंगे।

तो, क्या 25 वर्षीय व्यक्ति को जो प्रति वर्ष 40,000 डॉलर कमा रहा है, उसे सेवानिवृत्ति के लिए बचत करनी चाहिए? जीवन चक्र मॉडल कहता है कि उसे नहीं करनी चाहिए। 25 वर्षीय व्यक्ति वही राशि कमा रहा है जिसे अर्थशास्त्रियों द्वारा स्थायी आय कहा जाता है। यदि आप एक श्रमिक की अपेक्षित आय को उनके जीवनकाल में जोड़ते हैं और उसे उनके जीवन प्रत्याशा से विभाजित करते हैं, तो आपको स्थायी आय मिलती है, या वह

राशि जो आपको आदर्श रूप से हर वर्ष खर्च करनी चाहिए यदि आप खर्च को समतल करने का प्रयास कर रहे हैं।

25 वर्षीय व्यक्ति अपने जीवनकाल की खुशी को अधिकतम करेगा यदि वह उस वर्ष कमाए गए 40,000 डॉलर के हर पैसे को खर्च करता है। इसका मतलब यह भी है कि यदि 25 वर्षीय व्यक्ति इस राशि से अधिक कमाता है, तो उसे बचत करनी चाहिए। यदि 25 वर्षीय व्यक्ति कम कमाता है, तो उसे उधार लेना चाहिए। जैसे-जैसे 25 वर्षीय व्यक्ति को भविष्य में वेतन वृद्धि और पदोन्नति मिलती है, उसे अपनी बचत दर बढ़ानी चाहिए।

जीवन चक्र सिद्धांत आपको बचत के मामले में छूट नहीं देता; यह सिर्फ यह कहता है कि जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, आपको अपने वेतन का एक बड़ा प्रतिशत बचाना चाहिए। यदि कोई युवा व्यक्ति अपनी स्थायी आय से काफी कम कमा रहा है—उदाहरण के लिए, जब वह कॉलेज में है—तो जीवन चक्र मॉडल कहता है कि उसे उधार लेना चाहिए और बचत नहीं करनी चाहिए। कर्ज में जाना तब समझ में आता है जब आज हमारी आय भविष्य में होने वाली आय से बहुत कम हो।

जीवन चक्र मॉडल के अनुसार, सबसे समझ में आने वाली बचत योजना यह है कि जीवन के प्रारंभ में कम बचत करें, और फिर मध्य आयु में अपनी बचत दर बढ़ाएं। वास्तव में, यह समझ में आ सकता है कि आप अपनी आय का 10 प्रतिशत से अधिक बचाएं जब आप 50 के दशक में हों और 20 के दशक में अपनी आय का कोई हिस्सा न बचाएं। यदि आप इसे सही तरीके से करते हैं, तो जब आप सेवानिवृत्त होंगे, तो आप हर वर्ष महंगाई के बाद भी 40,000 डॉलर खर्च कर सकेंगे। यह जीवन चक्र में खर्च को समतल करता है।

बचत और निवेश

जब हम युवा होते हैं, हम ऐसे चीजों पर पैसे खर्च कर सकते हैं जिनका आनंद हम रिटायरमेंट में भी लेना जारी रखेंगे। हम जीवन चक्र के प्रारंभिक चरण में "स्थायी वस्तुओं" पर बहुत अधिक खर्च

करते हैं, जिनमें सबसे बड़ा एक घर होता है। जीवन चक्र के प्रारंभ में, संभावना है कि हम अपनी आय का एक बड़ा हिस्सा बंधक पर खर्च करेंगे। इस भुगतान का कुछ हिस्सा ऋण पर ब्याज के लिए जाता है, लेकिन बाकी का हिस्सा 15 से 30 वर्षों में बंधक चुकाने के लिए जाता है। आप बंधक भुगतान को बचत के एक रूप के रूप में सोच सकते हैं।

निवेश केवल एक शेयर या बांड नहीं है; यह कुछ भी हो सकता है जो हम वर्तमान में अपने खर्च को कम करने के लिए करते हैं ताकि भविष्य में खर्च बढ़ सके। शिक्षा प्राप्त करना एक निवेश है क्योंकि हम वर्तमान में समय और पैसे खर्च करते हैं ताकि भविष्य में हमारी आय में वृद्धि हो सके। इसी तरह, बंधक भी एक निवेश है क्योंकि हम बंधक चुकाने के बाद भी कई वर्षों तक अपने घर का आनंद लेते रहेंगे। प्रत्येक भुगतान आंशिक रूप से एक निवेश होता है।

जीवन चक्र योजना यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि हम अपने पैसे का अधिकतम लाभ उठाएं; यह 40 की उम्र में करोड़पति बनने के बारे में नहीं है। यह इस बात को पहचानने के बारे में है कि हमारे पास इस ग्रह पर सीमित संख्या में वर्ष हैं और हमें हर एक का अधिकतम लाभ उठाना है। अक्सर, सबसे धनी सेवानिवृत्त व्यक्तियों को समय के साथ बनाए गए सभी पैसे को खर्च करने में बहुत कठिनाई होती है। और यह सभी पैसा एक समझौता दर्शाता है: धनी सेवानिवृत्त व्यक्ति के पास अब बैंक में इतना पैसा है क्योंकि उसने जब वह युवा था, तब उसे खर्च नहीं किया।

खर्च के सीमांत उपयोगिता के संदर्भ में सोचना एक बड़े तराजू का उपयोग करने के समान है। आप अपना पैसा अभी खर्च कर सकते हैं, या भविष्य में खर्च कर सकते हैं। बच्चों का होना या शिक्षा में निवेश करना वर्तमान में खर्च की ओर तराजू को झुकाते हैं। सेवानिवृत्ति के बाद खर्च में बड़ी गिरावट भविष्य में खर्च के पक्ष में तराजू को झुका देती है।

वित्तीय जोखिम

पैसे की सीमांत उपयोगिता का विचार वित्तीय अनिश्चितता से बुद्धिमानी से निपटने के लिए आवश्यक है। जोखिम का अर्थ है हानि की

संभावना। और हानि का मतलब है कि हमारे पास खर्च करने के लिए अपेक्षा से कम पैसे होंगे। हमारी स्थायी आय एक अनुमान है जो इस पर आधारित है कि हम भविष्य में कितना पैसा होने की उम्मीद करते हैं। अगर चीजें ठीक नहीं होती हैं, तो हमें कम खर्च करना पड़ सकता है; अगर हानि वास्तव में गंभीर है, तो हमें अपने खर्च को बहुत कम करना पड़ सकता है।

जीवन का एक महत्वपूर्ण दैनिक जोखिम यह है कि आप अपेक्षा से पहले मर सकते हैं, और जो पीछे रह जाते हैं—आपके जीवनसाथी और बच्चे—आपकी आय तक पहुंच नहीं पाएंगे। इससे आपके परिवार के लिए जीवन स्तर में बड़ी कमी हो सकती है। जीवन चक्र सिद्धांत के अनुसार, एक तेज खर्च में गिरावट हमेशा ऐसी चीज है जिसे आप टालना चाहते हैं, इसके अलावा यह भावनात्मक रूप से आघातकारी भी हो सकता है।

कोई भी कभी नहीं जानता कि जीवन कैसे होगा, लेकिन हमारी सर्वोत्तम रणनीति यह है कि हम अपनी बचत और खर्च की योजना सबसे अच्छी जानकारी के आधार पर करें जो हमारे पास भविष्य के बारे में है। एक बार जब हमने यह पता लगा लिया कि हम अपने जीवन चक्र में कितना कमाने की उम्मीद करते हैं, तो हम अपनी स्थायी आय का अनुमान लगा सकते हैं और हर साल लगभग उसी राशि का खर्च करने की कोशिश कर सकते हैं।

एक वित्तीय जोखिम का मतलब है कि यदि कुछ बुरा होता है, जैसे कि परिवार के कमाने वाले की मृत्यु, तो हमारे खर्च में तेजी से कमी आने की संभावना है। यदि बीमा खरीदने से एक अप्रत्याशित हानि से खर्च में बड़ी गिरावट को रोका जा सकता है, तो क्यों न हम अभी थोड़ी बहुत खर्च में कटौती करें?

सुझाए गए पठन

ब्राउनिंग और क्रॉसले, "खपत और बचत का जीवन चक्र मॉडल।" इब्बोटसन, मिलेव्स्की, चेन, और झू, "जीवनकाल वित्तीय सलाह।"

विचार करने के लिए प्रश्न

व्याख्या करें कि जीवन चक्र मॉडल के साथ 10% आय की बचत करने की पारंपरिक बुद्धि क्यों संगत नहीं है। एक युवा परिवार को बचत करने की सिफारिश क्यों की जा सकती है?

क्या हम वास्तव में कभी अपनी स्थायी आय को जान सकते हैं, और यदि हम नहीं जानते कि भविष्य में हमारी आय क्या होगी, तो हमें बचत करने का निर्णय क्या लेना चाहिए?

बुनियादी निवेश—इसे सरल रखें

सही प्रकार के वित्तीय संपत्ति का चयन करना—जैसे कि स्टॉक्स, बांड, या मनी मार्केट म्यूचुअल फंड के शेयर—स्मार्ट निवेश का मूल है। इस व्याख्यान में, आपको निवेशों की बुनियादी विशेषताओं से परिचित कराया जाएगा ताकि आप यह तय कर सकें कि कौन से निवेश आपके वित्तीय लक्ष्यों के लिए उचित हैं। विभिन्न निवेशों के नाम और उनकी बुनियादी विशेषताओं को सीखने के अलावा, आपको एक ऐसा दृष्टिकोण भी मिलेगा जो जीवन चक्र ढांचे के भीतर निवेश पर विचार करने का है।

तरलता

वित्तीय संपत्तियों की एक बुनियादी विशेषता तरलता है। एक तरल संपत्ति को जल्दी नकद में बदला जा सकता है। आपके पास एक चेकिंग खाता है ताकि आप चेक लिख सकें और तुरंत अपनी वित्तीय संपत्ति को नकद में बदल सकें। तरल संपत्तियाँ अच्छी होती हैं क्योंकि वे स्वास्थ्य आपातकाल, बेरोजगारी के दौरान खर्च, या अप्रत्याशित घरेलू मरम्मत के लिए तुरंत संसाधन प्रदान कर सकती हैं।

तरल संपत्तियों का एक नकारात्मक पहलू यह है कि उनका रिटर्न बहुत कम या अस्तित्वहीन होता है। क्योंकि इनकी कीमत बाजार में उतार-चढ़ाव के आधार पर नहीं बदलती, तरल संपत्तियाँ बहुत सुरक्षित होती हैं। सुरक्षित संपत्तियों का रिटर्न जोखिम भरी संपत्तियों की तुलना में

कम होता है। इसलिए, आपके चेकिंग खाते में पैसे रखने की एक लागत यह है कि यह समय के साथ निवेश जोखिम उठाने से बढ़ेगा नहीं।

दूसरा नुकसान भी रिटर्न की दर से संबंधित है। क्योंकि निवेशकों को अपने पैसे को लॉक करने के लिए मुआवजा मिलने की आवश्यकता होती है, नकद में परिवर्तित करने में आसान निवेशों का रिटर्न कम होता है। इसका एक उदाहरण जमा प्रमाण पत्र (सीडी) है, जो चेकिंग खाते की तुलना में कम तरल होती है क्योंकि यदि आप इसे जल्दी नकद करते हैं तो आपको दंड लगाया जाता है। सीडी उन निवेशकों के लिए कम आकर्षक होती है जिन्हें आपातकाल के लिए नकद की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए, सीडी का रिटर्न चेकिंग खाते की तुलना में अधिक होगा।

तरल संपत्तियों का तीसरा नुकसान यह है कि वे ललक उत्पन्न करती हैं। जब हमारे पास हाथ में नकद नहीं होता, तो हम छुट्टी या नए कपड़ों पर पैसे खर्च करने के लिए ललचाते नहीं हैं। लेकिन जब एक बार हमारे चेकिंग खाते में पैसे जमा होने लगते हैं, तो उन चीजों को न कह पाना कठिन हो जाता है जिन्हें हम अब खरीद सकते हैं। इसका मतलब है कि तरलता में वह व्यापारिक लागत होती है जिसे अर्थशास्त्री कहते हैं। नकद तक आसान पहुंच अच्छी होती है, लेकिन हमें उच्च रिटर्न और ललक की लागत के बीच समझौता करना पड़ता है। अन्य संपत्तियों में भी व्यापारिक लागत होती है, और इनमें से कई लागतें जोखिम से संबंधित होती हैं।

जोखिम

वित्तीय संपत्ति की दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता निवेश के भविष्य में मूल्य के बारे में अनिश्चितता है। तरलता के विपरीत, जोखिम कुछ ऐसा है जिसे अधिकांश निवेशक पसंद नहीं करते। जब हम आज स्टॉक या बांड जैसी संपत्ति खरीदते हैं, तो हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में इसका मूल्य अधिक होगा—यानी इसका एक भुगतान होगा जो निवेश की कीमत और भविष्य में इसके मूल्य के बीच का अंतर दर्शाता है। यह भुगतान उस संपत्ति पर रिटर्न है। जोखिम तब होता है जब हम नहीं जानते कि भुगतान क्या होगा, और भुगतान में अधिक उतार-चढ़ाव का मतलब अधिक जोखिम है।

ज्यादातर लोग जोखिम की अनिश्चितता को पसंद नहीं करते। इसी कारण स्टॉक निवेशकों को ऐतिहासिक रूप से उनके निवेश पर उच्च रिटर्न मिला है। उनका भुगतान अधिक परिवर्तनशील होता है, जिसका मतलब है कि जब वे अपने निवेश किए गए पैसे को खर्च करने जाते हैं, तो यह बहुत कम या बहुत अधिक हो सकता है। याद रखें कि हमें हर साल एक समान खर्च करने से सबसे अधिक खुशी मिलती है; अनिश्चितता इस संभावना को खोलती है कि हमें कम खर्च करना पड़ सकता है।

यदि आप एक बांड निवेशक हैं जिसके पास खर्च करने के लिए 5,000 डॉलर हैं, तो यदि आपके पास केवल 2,500 डॉलर खर्च करने के लिए हों, तो आप कितने कम खुश होंगे? यदि आपके पास 20,000 डॉलर हों, तो आप कितने अधिक खुश होंगे? क्या आप कम राशि या अधिक राशि खर्च करने पर 50/50 दांव लगाने के लिए तैयार हैं? यही एक अवधारणा के जोखिम सहिष्णुता का सार है।

एक जोखिम सहिष्णु निवेशक कम खर्च करने या अधिक खर्च करने के 50/50 मौके को स्वीकार करने के लिए तैयार होता है। जबकि एक जोखिम-averse निवेशक निश्चित 5,000 डॉलर को स्वीकार करता है। यही जोखिम का व्यापार है। जोखिम भरे निवेश सभी के लिए नहीं होते; यदि आप निवेश जोखिम लेने जा रहे हैं, तो आपको उतार-चढ़ाव को स्वीकार करने में सक्षम होना चाहिए।

कल्पना कीजिए कि आप 40 साल की उम्र में एक सरकारी बांड में 1,000 डॉलर का निवेश करते हैं, और आप 100 प्रतिशत निश्चित हैं कि यह 30 वर्षों में 5,000 डॉलर में बदल जाएगा। जब आप 70 साल के होंगे, तो आपने अपने निवेश पर पांच-आधे प्रतिशत की आय अर्जित की है। यह जोखिम-रहित रिटर्न की दर है। इसके बजाय, कल्पना कीजिए कि आप शेयरों में निवेश करते हैं, और 50/50 संभावना है कि आपको या तो 2,500 डॉलर या 20,000 डॉलर मिल सकते हैं। औसतन, आपको 11,250 डॉलर मिलेंगे। यह 30 वर्षों के अवधि में आठ-आधे प्रतिशत रिटर्न के बराबर है।

सरकारी बांड में निवेश से मिलने वाले पांच-आधे प्रतिशत रिटर्न और शेयरों में निवेश से मिलने वाले आठ-आधे प्रतिशत रिटर्न के बीच का अंतर जोखिम प्रीमियम है—यह इस बारे में है कि निवेशक औसतन अधिक बदलाव को स्वीकार करने के लिए कितनी अतिरिक्त रिटर्न प्राप्त करते हैं।

20वीं सदी में, इक्विटी जोखिम प्रीमियम, या अमेरिका के शेयरों में निवेश से मिलने वाली अतिरिक्त रिटर्न, लगभग पांच प्रतिशत के करीब था। इसका मतलब है कि औसत निवेशक बहुत जोखिम-averse होना चाहिए क्योंकि उसे शेयरों को खरीदने के लिए इतनी उच्च रिटर्न की आवश्यकता थी, या इसका मतलब है कि शेयर निवेशक अमेरिका में बस भाग्यशाली हो गए। या यह दोनों का थोड़ा सा है।

दीर्घकालिक दृष्टिकोण वाले निवेशक एक मिश्रित निवेश पोर्टफोलियो में बेहतर स्थिति में होंगे जिसमें शेयरों का एक बड़ा हिस्सा शामिल है, भले ही वे बहुत जोखिम-averse हों। इसका कारण यह है कि भले ही कुछ वर्षों में शेयर खराब प्रदर्शन करें, वे सामान्यतः वापस उभरते हैं, जिससे शेयरों में दीर्घकालिक निवेश को अल्पकालिक निवेश की तुलना में कम अस्थिरता मिलती है। इसका कारण यह है कि शेयर कुछ महीनों की अवधि में बहुत ऊपर या नीचे जा सकते हैं, लेकिन यदि आप समय अवधि को बढ़ाते हैं, तो ऐतिहासिक रूप से वे कम जोखिम वाले होते हैं।

कई कम-सूझ वाले निवेशक जब शेयरों में निवेश करते हैं, तो अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार लेते हैं, जिससे वे औसतन शेयर बाजार से काफी पीछे रह जाते हैं। पहला, वे इस तथ्य को सहन नहीं कर सकते कि शेयरों से पैसा खो जाएगा। धन बनाने की सबसे अच्छी रणनीतियों में से एक यह है कि जब जोखिम लेना समझ में आता है, तो एक बार में नुकसान को स्वीकार करना। और अधिकांश दीर्घकालिक निवेशकों के लिए, आपके पोर्टफोलियो में स्वस्थ प्रतिशत शेयरों को बनाए रखना समझ में आता है।

दूसरा कारण जो कई लोगों को उनके निवेशों पर पैसे खोने का कारण बनता है, वह एक अवधारणा से संबंधित है जिसे डंब मनी इफेक्ट कहते

हैं। लोग उन निवेशों पर पैसे फेंकने की प्रवृत्ति रखते हैं जिनकी कीमत में स्वस्थ वृद्धि हुई है। यदि आप अभी एक गर्म शेयर या एक गर्म क्षेत्र का चयन करते हैं, तो संभावना है कि भविष्य में यह अच्छा प्रदर्शन नहीं करेगा। एक बहुत बेहतर रणनीति यह है कि आप समग्र बाजार में निवेश करें।

विविधीकरण

यह एक वित्तीय संपत्ति की तीसरी महत्वपूर्ण विशेषता की ओर ले जाता है: विविधीकरण। सामान्यतः, आप अपने पोर्टफोलियो में एक ऐसा मिश्रण रखना चाहते हैं जो अच्छी तरह से विविधीकृत हो। संपत्तियों को मिलाकर, आप अपने निवेश पोर्टफोलियो की कुल अस्थिरता को कम कर सकते हैं।

व्यक्तिगत शेयर आमतौर पर बहुत अस्थिर होते हैं। एक शेयर एक वर्ष में 50 प्रतिशत तक बढ़ सकता है जबकि दूसरा 50 प्रतिशत गिर सकता है। लेकिन यदि आपके पास प्रत्येक शेयर में आधा पैसा होता, तो आपका पोर्टफोलियो बिल्कुल भी नहीं बदला होता।

लेकिन यदि आपके पास एक अच्छी तरह से विविधीकृत पोर्टफोलियो है, तो भी आप शेयर बाजार की चढ़ाव-उतार के कारण उत्पन्न होने वाली एक निश्चित मात्रा की अस्थिरता को समाप्त नहीं कर सकते। जब बाजार बढ़ते हैं, तो अधिकांश शेयरों का मूल्य बढ़ने की प्रवृत्ति होती है। जब शेयर बाजार गिरता है, तो अधिकांश शेयर नकारात्मक रिटर्न दिखाते हैं।

कोई भी मात्रा की विविधीकरण समग्र बाजार में जोखिम को समाप्त नहीं कर सकती। इस प्रकार का बाजार जोखिम प्रणालीगत जोखिम के रूप में जाना जाता है। इसे ऐसे जोखिम के रूप में सोचें जो तब शामिल होता है जब आप समग्र आर्थिक प्रणाली में निवेश करते हैं। क्योंकि अर्थव्यवस्था मंदी और विस्तार के बीच झूलती रहती है, आप प्रणालीगत जोखिम को समाप्त नहीं कर सकते।
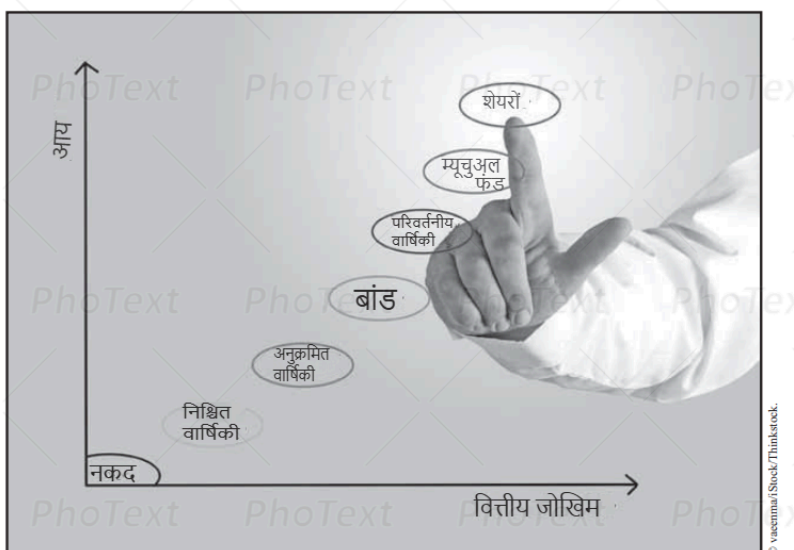
शेयर जोखिम भरे वित्तीय परिसंपत्तियां हैं, लेकिन इनमें पैसे कमाने की भी क्षमता होती है।

आधुनिक पोर्टफोलियो सिद्धांत मानता है कि जोखिम के दो बुनियादी प्रकार होते हैं। पहला प्रकार है प्रणालीगत जोखिम, जिसे आप समाप्त नहीं कर सकते। दूसरा प्रकार है वह जोखिम जो एकल शेयर में निवेश करने से उत्पन्न होता है, बजाय इसके कि आप विभिन्न शेयरों में निवेश करें। इसे असंरचनात्मक जोखिम कहा जाता है।

व्यक्तिगत शेयरों में बहुत अधिक असंरचनात्मक जोखिम होता है क्योंकि उनके व्यवसाय में कुछ भी हो सकता है जो समग्र अर्थव्यवस्था को प्रभावित नहीं करता। हर कंपनी को प्रभावित करने वाला असंरचनात्मक जोखिम को फर्म-विशिष्ट जोखिम भी कहा जाता है। और एक निवेशक के रूप में, आपको वास्तव में इस बात की परवाह नहीं करनी चाहिए कि किसी कंपनी में कितना फर्म-विशिष्ट जोखिम है (जब तक, बेशक, आप उस कंपनी में काम नहीं करते)। इसका कारण यह है

कि यदि आप दर्जनों या सैकड़ों विभिन्न कंपनियों में निवेश करते हैं, तो यह फर्म-विशिष्ट जोखिम समाप्त हो जाता है।

यदि आपके पास एक विविधीकृत पोर्टफोलियो है, तो केवल प्रणालीगत जोखिम मायने रखता है, क्योंकि यही वह जोखिम है जिसे आप समाप्त नहीं कर सकते। आधुनिक पोर्टफोलियो सिद्धांत कहता है कि आपके पोर्टफोलियो का जोखिम सीधे उस प्रणालीगत जोखिम की मात्रा से संबंधित है जो आप अपने पास रखते हैं। और चूंकि निवेशकों को जोखिम पसंद नहीं है, यदि आपके पोर्टफोलियो में अधिक प्रणालीगत जोखिम है, तो आपको उच्च अपेक्षित प्रतिफल प्राप्त करना चाहिए।

निवेशक अधिक प्रणालीगत जोखिम लेने के लिए उच्च अपेक्षित प्रतिफल से पुरस्कृत होते हैं, और उन्हें असंरचनात्मक जोखिम उठाने के लिए कोई अतिरिक्त प्रतिफल नहीं मिलता। इसका कारण यह है कि कोई भी विविधीकरण के माध्यम से असंरचनात्मक जोखिम समाप्त कर सकता है। यदि इसे समाप्त करना आसान है, तो आप केवल दो या तीन शेयरों में निवेश करके अधिक असंरचनात्मक जोखिम लेने के लिए उच्च अपेक्षित प्रतिफल नहीं प्राप्त करेंगे, बजाय एक विविधीकृत म्यूचुअल फंड में निवेश करने के।

आपके लिए सबसे विविधीकृत पोर्टफोलियो वह है जो हर प्रकार की जोखिम भरी संपत्ति में निवेश करता है, जिसमें अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय शेयर, बांड, रियल एस्टेट और यहां तक कि वस्त्र भी शामिल हैं। इसे बाजार पोर्टफोलियो कहा जाता है। यह जितना संभव हो उतना व्यापक होता है। और चूंकि निवेशक केवल प्रणालीगत जोखिम लेने पर पुरस्कृत होते हैं, जितनी अधिक संपत्तियां आप मिलाते हैं, आपका निवेश उतना ही प्रभावी होता है, क्योंकि आप सभी जोखिम को समाप्त कर रहे हैं जिसे आप निःशुल्क समाप्त कर सकते हैं।

आधुनिक पोर्टफोलियो सिद्धांत कहता है कि पांच या छह विभिन्न म्यूचुअल फंडों के बजाय, आपके लिए एक अच्छे से विविधीकृत, जोखिम भरे म्यूचुअल फंड और एक जोखिम-मुक्त म्यूचुअल फंड रखना बेहतर होता है। आपके पोर्टफोलियो का वह प्रतिशत जो आप जोखिम-मुक्त और

जोखिम वाले म्यूचुअल फंडों में निवेश करते हैं, आपकी जोखिम सहिष्णुता और आपके निवेश लक्ष्य की समय सीमा पर निर्भर करता है।

सरल रखें

आपको एक जटिल निवेश पोर्टफोलियो की आवश्यकता नहीं है। बहुत से बुद्धिमान और मेहनती लोग होते हैं जो बाजार को मात देने की कोशिश करते हैं, लेकिन ऐसा नहीं किया जा सकता। सभी जानकारियाँ शेयरों की कीमतों में शामिल होती हैं, और सभी शेयर उनके प्रणालीगत जोखिम के आधार पर उचित रूप से मूल्यांकित होते हैं। इसे बाजार की दक्षता कहा जाता है।

बाजार को मात देने में असमर्थता शायद निराशाजनक लग सकती है, लेकिन यह वास्तव में एक अच्छी बात है। इसका मतलब है कि जो कोई भी शेयर बाजार के बारे में कुछ नहीं जानता, वह अधिकांश पेशेवर म्यूचुअल फंड प्रबंधकों के समान या उससे बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। इसलिए इतने सारे विशेषज्ञ कहते हैं कि सबसे अच्छी म्यूचुअल फंड रणनीति उन तथाकथित इंडेक्स फंडों का उपयोग करना है जो बाजार को मात देने की कोशिश नहीं करते। वे आपको एक अच्छे से विविधीकृत स्टॉक्स का मिश्रण देते हैं जो प्रणालीगत जोखिम और पुरस्कार को पकड़ता है।

वित्त में अनुसंधान यह दर्शाता है कि साधारण रणनीतियाँ समय के साथ जटिल रणनीतियों से बेहतर प्रदर्शन करती हैं। बहुत सारे निवेश विकल्पों से भयभीत होना आसान है। लेकिन आपको भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। थोड़ा जोखिम लें, अपने निवेशों को तब तक न छेड़ें जब तक आप अपने लक्ष्य को न पा लें, और सरल, सस्ते, अच्छे से विविधीकृत फंड चुनें।

सुझाई गई पठन सामग्री

बोगल, द लिटिल बुक ऑफ कॉमन सेंस इन्वेस्टिंग। ग्राहम, ज़्वेग, और बफेट, द इंटेलिजेंट इन्वेस्टर।

विचार करने के लिए प्रश्न

यदि भविष्य में अधिक निवेशक शेयरों को बांड की तुलना में प्राथमिकता देते हैं, तो जोखिम प्रीमियम का क्या होगा?

क्या आपको लगता है कि 401(k) जिनमें अधिक म्यूचुअल फंड विकल्प होते हैं, वे कर्मचारियों द्वारा बेहतर निवेश विकल्पों का परिणाम देते हैं?

मुख्य वित्तीय उपकरण

वित्तीय उपकरण वे उत्पाद हैं जिन्हें हम बाजार में बचत के उपकरणों के रूप में खरीदते हैं। इस व्याख्यान में, आप सीखेंगे कि स्टॉक्स और बांड्स के पैसिव निवेश का एक सरल रणनीति न केवल आपको लंबे समय में बेहतर स्थिति में रखती है, बल्कि आपको निवेशों के बारे में चिंता करने

से भी रोकती है। वित्तीय प्रबंधन का लक्ष्य बाजार को मात देना नहीं है—यह जीवन से अधिकतम लाभ प्राप्त करना है। निवेश को सरल रखना आपके पैसे का सबसे बेहतर उपयोग करने की रणनीति है।

तरल संपत्तियाँ

तरल संपत्तियाँ वे होती हैं जिन्हें हम तत्काल बिल चुकाने के लिए उपयोग करते हैं। नकद आमतौर पर सबसे अधिक तरल संपत्ति मानी जाती है, हालांकि आप बिजली का बिल नकद एकत्र करके नहीं चुकाएंगे। इस कारण से, नकद का मुख्य उद्देश्य व्यक्तियों के बीच सीधी लेन-देन करना है। कई लोग मानते हैं कि वे किसी व्यक्ति या व्यवसाय को नकद में भुगतान करके बेहतर सौदा कर सकते हैं।

अधिकतर तरल लेन-देन के लिए, सबसे उपयोगी तरल खाते चेकिंग खाते, मनी-मार्केट खाते और मनी-मार्केट म्यूचुअल फंड होते हैं। इन्हें उस ब्याज के अनुसार सूचीबद्ध किया गया है जो आप प्रत्येक से प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें चेकिंग खाते आमतौर पर सबसे कम (यदि वे कोई ब्याज देते हैं) और मनी-मार्केट फंड्स सबसे अधिक ब्याज देते हैं।

चेकिंग खाते अनलिमिटेड मासिक लेन-देन की अनुमति देते हैं। यदि ये ऐसे बैंक से निकाले जाते हैं जो फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन (FDIC) का सदस्य है, तो ये बैंक की दिवालियापन से 250,000 डॉलर प्रति बैंक तक की सुरक्षा भी प्रदान करते हैं। आप चेकिंग खाते में पैसे तक पहुँच सकते हैं कागज़ के चेक लिखकर, डेबिट कार्ड का उपयोग करके, एटीएम के माध्यम से नकद निकालकर, या इलेक्ट्रॉनिक एक्सचेंज करके।

मनी-मार्केट खाते प्रति माह लेन-देन की संख्या को सीमित करते हैं लेकिन आमतौर पर थोड़ा अधिक ब्याज दर प्रदान करते हैं। नए ऑनलाइन उच्च-ब्याज बचत खाते उन लोगों के लिए सबसे अच्छा सौदा हो सकते हैं जो नकद तक आसान पहुँच चाहते हैं और ऑनलाइन बचत और चेकिंग खातों के बीच पैसे ट्रांसफर करने में कोई हिचक नहीं रखते।

दोनों मनी-मार्केट और बचत खाते FDIC द्वारा प्रति खाते 250,000 डॉलर तक सुरक्षित होते हैं।

म्यूचुअल फंड्स प्रतिभूतियों जैसे स्टॉक्स और बांड्स में निवेश करते हैं। एक प्रकार का म्यूचुअल फंड तरल खाते के रूप में उपयोग किया जा सकता है, और इसे मनी-मार्केट म्यूचुअल फंड कहा जाता है। मनी-मार्केट फंड्स मनी-मार्केट खातों से मुख्य रूप से इस कारण से भिन्न होते हैं कि ये FDIC द्वारा बीमित नहीं होते। लेकिन ये सुरक्षित, अल्पकालिक बांड्स जैसे यू.एस. ट्रेजरी में निवेश करते हैं, इसलिए ये वास्तव में इतना जोखिम भरा नहीं होते।

इन सभी तरल निधियों पर पूरी तरह से कर लगाया जाता है। इसका मतलब है कि आपको ब्याज पर आयकर चुकाना होगा। यह सोचें कि बेहतर सौदा पाने के लिए कितना समय बिताना चाहिए। यदि ब्याज दरें बढ़ती हैं, तो यह सुनिश्चित करना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि आप तरल निधियों को उच्च-उपज वाले खाते में निवेश कर रहे हैं।

तरल निधियों के लिए एक अच्छा योजना यह है कि किसी भी अल्पकालिक खर्च को कवर करने के लिए चेकिंग खाते में पर्याप्त धन रखें। बाकी तरल संपत्तियों को एक उच्च-उपज बचत खाते में रखें, जिसे आप कभी भी अपने चेकिंग खाते में वापस ट्रांसफर कर सकते हैं। एक ही संस्थान में दोनों रखने से आमतौर पर आसानी से ट्रांसफर होते हैं। अपने FDIC सीमाओं से ऊपर न जाएं, और आपके पास आपात स्थितियों को कवर करने के लिए एक तरल संपत्ति योजना है।

जब आप निवेश संपत्तियों को खरीद रहे हैं, तो आपको सीधे स्टॉक्स और बांड नहीं खरीदने चाहिए। अधिकांश व्यक्तियों को स्टॉक्स चुनने में बहुत खराब प्रदर्शन होता है। इसलिए, सबसे अच्छा सलाह है कि आप एक म्यूचुअल फंड या एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड के माध्यम से पहले से विविधीकृत स्टॉक्स और बांड का मिश्रण खरीदें।

म्यूचुअल फंड

छोटे निवेशकों के लिए स्टॉक्स खरीदने का सबसे लोकप्रिय तरीका म्यूचुअल फंड के माध्यम से है। म्यूचुअल फंड कंपनियां मूल रूप से केवल कागजी कार्य करती हैं। फंड बाजार में स्टॉक्स और बांड खरीदता है, और फिर वह निवेशकों को म्यूचुअल फंड के शेयर बेचता है। यह शेयर म्यूचुअल फंड में स्टॉक्स और बांड के कुल मिश्रण का आपका हिस्सा दर्शाता है। फंड कंपनी यह ट्रैक करती है कि किसके पास उनके पोर्टफोलियो में स्टॉक्स और बांड का कौन सा प्रतिशत है।

स्टॉक्स

धन एकत्र करता है और इन कंपनियों में स्टॉक्स खरीदता है। चूंकि इनमें से कुछ शेयर की कीमत सैकड़ों डॉलर हो सकती है, इसलिए अपने पैसे को फंड कंपनी को भेजना समझदारी है बजाय इसके कि आप खुद शेयर खरीदने की कोशिश करें।

एक कॉर्पोरेशन को बढ़ने के लिए पैसे की आवश्यकता होती है - आपूर्ति और भवन खरीदने और उत्पाद बनाने के लिए अनुसंधान और विकास के लिए भुगतान करने के लिए। एक छोटी निजी कंपनी बैंक या यहां तक कि मालिक की अपनी बचत पर निर्भर हो सकती है। कॉर्पोरेशन पूंजी बाजार का उपयोग करके स्टॉक्स और बांड जैसी प्रतिभूतियाँ बेच सकते हैं।

यह एक बेहतरीन प्रणाली है। इसका मतलब है कि कंपनियाँ बड़े बैंकों की मोहताज नहीं हैं, जो केवल उन फर्मों को पैसे उधार दे सकते हैं जिनका लाभदायक होने का ट्रैक रिकॉर्ड है। अच्छे विचार वाली कॉर्पोरेशन जो काम कर सकती हैं या नहीं भी कर सकती, वे निवेशकों को स्टॉक्स के शेयर जारी कर सकती हैं। निवेशक इन कंपनियों को पूंजी प्रदान करने में सक्षम होते हैं। इनमें से कुछ सफल होती हैं और लाभदायक बनती हैं। कुछ दिवालिया हो जाती हैं। लेकिन यह ठीक है, क्योंकि समझदार निवेशक अपने स्टॉक स्वामित्व को विविधीकृत करते हैं।

स्टॉक मार्केट के बारे में सोचने का एक और तरीका यह है कि यह एक प्रणाली है जहाँ आप एक कॉर्पोरेशन को पैसे उधार देते हैं, जो उस पैसे का उपयोग प्रबंधकों और श्रमिकों को नियुक्त करने, उत्पाद बनाने के लिए

करता है, और फिर उत्पाद को आपको बेचता है और लाभ का एक हिस्सा आपको—निवेशक—को चुकाता है। यही एक अच्छे ढंग से काम करने वाली पूंजीवादी प्रणाली का कार्य करने का तरीका है। नागरिक वह पूंजी प्रदान करते हैं जो फिर सबसे कुशल उपयोग में जाती है ताकि वे उत्पाद बन सकें जिनकी लोगों को आवश्यकता होती है।

शेयर और बांड वे उपकरण हैं जिनका हम एक निगम को पूंजी प्रदान करने के लिए उपयोग करते हैं। एक शेयर हमें उस कंपनी का एक सिद्धांतिक स्वामित्व का हिस्सा देता है। वास्तव में, यह हमें ज्यादा नहीं देता, लेकिन यदि आपके पास पर्याप्त शेयर हैं, तो आप निदेशक मंडल में वोट कर सकते हैं, और प्रत्येक शेयर के लिए, आपको लाभांश मिलता है जो उस फर्म द्वारा अर्जित लाभ का एक प्रतिशत होता है। छोटे निवेशकों के पास उस कंपनी के मूल्य का एक छोटा हिस्सा होता है।

किसी कंपनी का मूल्य इस बात पर निर्भर करता है कि बाजार को उम्मीद है कि कंपनी भविष्य में कितना लाभ कमाएगी। कुछ कंपनियां अभी कोई लाभ नहीं कमा रही हैं। इसलिए, बाजार को यह अनुमान लगाना होता है कि कंपनी भविष्य में कितनी सफल होगी। जिन शेयरों के लाभ भविष्य में बढ़ने की उम्मीद होती है, उन्हें विकास शेयर कहा जाता है।

वहीं, मूल्य शेयर आमतौर पर पुराने, लाभांश देने वाले, लाभदायक कंपनियों के होते हैं जिनकी आय भविष्य में बढ़ने की उम्मीद नहीं होती। और सच कहें तो, उनमें से कई बोरिंग होते हैं। इस वजह से, मूल्य शेयरों की कीमतें उचित होती हैं, और वे समय के साथ बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

शेयरों में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका या तो म्यूचुअल फंड के माध्यम से या एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड के माध्यम से है, जो अवधारणा में म्यूचुअल फंड के समान होता है लेकिन बाजार पर व्यापार करता है, बजाय इसके कि फंड के माध्यम से शेयर जारी और भुनाए जाएं।

म्यूचुअल फंड के दो प्रकार होते हैं। सक्रिय रूप से प्रबंधित फंड एक फंड प्रबंधक को नियुक्त करते हैं जो यह तय करता है कि कौन से शेयर खरीदने हैं और कब खरीदने या बेचने हैं। लगभग 80 प्रतिशत सभी म्यूचुअल फंड सक्रिय रूप से प्रबंधित होते हैं।

यह तथ्य बहुत समझ में नहीं आता, क्योंकि सक्रिय रूप से प्रबंधित फंड लगातार पैसिवली प्रबंधित फंड की तुलना में कम प्रदर्शन करते हैं।

सक्रिय रूप से प्रबंधित फंड के कम प्रदर्शन करने का सबसे बड़ा कारण यह है कि उन्हें फंड प्रबंधक को भुगतान करना पड़ता है। इसका मतलब है कि फंड को एस एंड पी 500 जैसे इंडेक्स को उस अतिरिक्त राशि से बेहतर प्रदर्शन करना होगा जो आप फंड प्रबंधक के लिए भुगतान करते हैं। दुर्भाग्य से फंड प्रबंधक के लिए, उसे उन सही शेयरों का चयन करना होता है जो पहले से ही हर इंडेक्स में हैं और गलत शेयरों से बचना होता है। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि कोई भी फंड प्रबंधक लगातार सही शेयरों का चयन कर सकता है जो समय के साथ एक पैसिव इंडेक्स को मात दे सके।

एक शेयर म्यूचुअल फंड चुनना आसान है। आपको बस एक अच्छा विविधीकरण वाला पैसिव इंडेक्स फंड खोजना है और इसे समय के साथ रखना है। आप अन्य फंड निवेशकों से बेहतर करेंगे, जो इसे जटिल बनाने की कोशिश करते हैं। अतिरिक्त विविधीकरण लाभ प्राप्त करने का एक तरीका यह है कि आप एक पैसिव फंड में निवेश करें जिसमें अमेरिकी शेयर और अन्य देशों के शेयर शामिल हों। ऐसा करने का आसान तरीका एक वैश्विक इंडेक्स फंड के माध्यम से है, जो आपके पैसे को दुनिया भर में फैलाता है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका भी शामिल है। आपका सबसे अच्छा विकल्प एक ऐसे वैश्विक इंडेक्स फंड में निवेश करना है जिसका व्यय अनुपात कम हो।

बांड

यदि आपने कभी डिपॉजिट सर्टिफिकेट (सीडी) में निवेश किया है, तो आप पहले से ही जानते हैं कि बांड जैसा निवेश रखना कैसा होता है। आप आज

सीडी के लिए भुगतान करते हैं और फिर कुछ वर्षों तक इंतजार करते हैं और आपको आपकी मूल राशि के साथ ब्याज मिलता है। बांड थोड़ा अलग है, क्योंकि अधिकांश हर छह महीने में ब्याज भुगतान करते हैं, जिसे कूपन कहा जाता है।

एक बांड की परिपक्वता तिथि वह समय है जब आपके और कंपनी के बीच का समझौता समाप्त होता है और वे आपको आपकी प्रारंभिक निवेश राशि वापस करते हैं। यह मानते हुए कि कंपनी अभी भी व्यवसाय में है—जो आपके बांड निवेशों को विविधित करने का एक कारण है।

बांड के मूल्य दो कारणों से बढ़ते और घटते हैं। यदि अगले वर्ष ब्याज दरें बढ़ती हैं, तो बांड का मूल्य गिर जाएगा, खासकर यदि यह कई वर्षों के लिए परिपक्व नहीं होता है। सामान्यतः, बांड आपको तरल निवेशों की तुलना में उच्च ब्याज दर देंगे, इसलिए जब आपने अपनी आपातकालीन बचत खाता भर लिया है, तो उच्च रिटर्न कमाने के लिए बांड और शेयरों में निवेश करने के बारे में सोचना शुरू करें।

इसके अलावा, बांड कूपन भुगतान को साधारण आय कर दर पर कर लगाया जाता है। अन्य प्रकार के निवेश, जैसे शेयर या एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड, लाभांश देंगे, या मूल्य में वृद्धि करेंगे। इनमें से दोनों ऐतिहासिक रूप से कम दरों पर कर लगाए जाते हैं, इसलिए इन्हें कर लाभप्रद निवेश कहा जाता है। बांड कर हानिकारक निवेश होते हैं।

बॉड निवेश के बारे में याद रखने के लिए दो महत्वपूर्ण बातें हैं। पहली यह है कि आपको अपने कुल निवेश पोर्टफोलियो को कर योग्य खातों और कर-शेल्टर खातों, जैसे कि 401(k) के संयोजन के रूप में सोचना चाहिए। यदि आप अपने पोर्टफोलियो का 50 प्रतिशत बॉड में और 50 प्रतिशत स्टॉक्स में निवेश करना चाहते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपके दोनों कर योग्य निवेश खाते और आपके IRA/401(k) खाते स्टॉक और बॉड फंड का 50/50 मिश्रण होना चाहिए। समझदार निवेशक अपने कर-हानिकारक बॉड फंड को 401(k) में रखेंगे और अपने स्टॉक्स को कर योग्य खाते में।

याद रखने की दूसरी बात यह है कि यदि आप एक बॉन्ड फंड में निवेश करते हैं, तो उस फंड की अवधि यह निर्धारित करेगी कि जब ब्याज दरें बदलती हैं तो फंड की मूल्य में कितनी वृद्धि या गिरावट होगी। सामान्यतः, दीर्घकालिक बॉन्ड ब्याज दरों में बदलाव के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं। हालांकि, दीर्घकालिक बॉन्ड फंड औसतन समय के साथ अल्पकालिक बॉन्ड फंड की तुलना में उच्च रिटर्न प्रदान करते हैं।

बॉन्ड फंड के बारे में एक और विशेषता जिस पर आपको विचार करना चाहिए, वह यह है कि क्या वे सरकारी बॉन्ड में निवेश करते हैं या कॉर्पोरेट बॉन्ड में। इस पर ध्यान देने का सबसे महत्वपूर्ण कारण यह है कि सरकारी बॉन्ड कर लाभकारी हो सकते हैं, इस स्थिति में आपको उन्हें कर योग्य खाते में रखना चाहिए। कॉर्पोरेट बॉन्ड सबसे अधिक कर-हानिकारक निवेश होते हैं; इन्हें IRA या 401(k) में रखना चाहिए।

स्टॉक्स और बॉन्ड में निवेश

स्टॉक्स और बॉन्ड में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका पैसिव, अच्छी तरह विविधीकृत, कम खर्च अनुपात वाले एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड और म्यूचुअल फंड के माध्यम से है। एक उच्च गुणवत्ता वाला, अपेक्षाकृत कर-कुशल निवेश पोर्टफोलियो प्राप्त करने के लिए, आपको एक ही फंड की आवश्यकता हो सकती है जो दुनिया भर में स्टॉक्स और बॉन्ड में निवेश करता है। इसे वैश्विक संतुलित इंडेक्स फंड कहा जाता है। लेकिन ये फंड काफी दुर्लभ होते हैं, इसलिए आपका सबसे अच्छा विकल्प एक अमेरिकी संतुलित इंडेक्स फंड या S&P 500 फंड और कॉर्पोरेट बॉन्ड इंडेक्स का 50/50 मिश्रण हो सकता है।

एक और आसान रणनीति यह है कि आप अपने कर-शेल्टर खाते में एक वैश्विक बॉन्ड इंडेक्स फंड और अपने कर योग्य खाते में एक वैश्विक इक्विटी एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड में निवेश करें। यदि आपके अधिकांश निवेश IRA में हैं, तो पहले एक उपयुक्त संपत्ति आवंटन के साथ शुरू करें—उदाहरण के लिए, 50 प्रतिशत स्टॉक्स और 50 प्रतिशत बॉन्ड।

स्टॉक्स समय के साथ बहुत हिलते-डुलते हैं। जब स्टॉक्स की मूल्य गिरती या बढ़ती है, तो अपने पोर्टफोलियो को फिर से संतुलित करें ताकि आपके पास अभी भी 50 प्रतिशत स्टॉक्स और 50 प्रतिशत बॉंड हों। पुनर्संतुलन आपको उस स्थिति में अधिक स्टॉक्स खरीदने के लिए मजबूर करता है जब उनकी कीमत गिरती है और उन्हें बेचने के लिए जब उनकी कीमत बढ़ती है।

विचार करने के लिए प्रश्न

आपको वास्तव में कितने बड़े आपातकालीन फंड की आवश्यकता है? तरलता, रिटायरमेंट खातों के अंदर और बाहर निवेश, और करों के बारे में आपको क्या विचार करना चाहिए?

आपके अनुसार, यदि अधिकांश निवेशकों के लिए कम शुल्क वाले इंडेक्स फंड में निवेश करना बेहतर होता है, तो इतनी सारी म्यूचुअल फंड क्यों हैं?

क्रेडिट का सही तरीके से उपयोग कैसे करें

क्रेडिट हमें खर्च करने की लचीलापन और सुविधा प्रदान करता है। लेकिन यह एक ऐसा प्रलोभन भी हो सकता है जो हमें हमारे दीर्घकालिक लक्ष्यों तक पहुँचने से रोकता है। क्रेडिट का अधिकतम लाभ उठाने का मतलब है कि उपभोक्ता क्रेडिट सिस्टम को समझना, लेकिन इसका मतलब यह भी है कि हमें अपनी सीमाओं के प्रति जागरूक रहना चाहिए। इस व्याख्यान में, आप उन रणनीतियों के बारे में जानेंगे जिनका उपयोग वे लोग कर सकते हैं जिन्हें क्रेडिट के साथ समस्या होती है, साथ ही यह भी कि क्रेडिट कार्ड और उपभोक्ता ऋण जैसे उधारी के उपकरणों का अधिकतम लाभ कैसे उठाया जाए।

क्रेडिट कार्ड

क्रेडिट कार्ड एक बैंक द्वारा जारी किए जाते हैं। बैंक आपके क्रेडिट कार्ड के ऋण के शेष राशि पर ब्याज चार्ज करके, देर से भुगतान जैसे चीजों के लिए शुल्क लेकर, और एक इंटरचेंज शुल्क से पैसा कमाता है। इंटरचेंज शुल्क हर लेनदेन का लगभग दो प्रतिशत होता है, और इसे व्यापारी द्वारा बैंक को भुगतान किया जाता है। बैंक इस शुल्क का एक भाग क्रेडिट कार्ड कंपनी को भी लौटाता है। अमेरिकी लगभग एक डॉलर प्रति दिन इंटरचेंज शुल्क पर खर्च करते हैं, और यह पैसा व्यवसायों में थोड़ी उच्च कीमतों के रूप में दिखाई देता है।

बैंकों के बीच इन शुल्कों को कम करने के लिए प्रतिस्पर्धा है। लगभग आधे शुल्कों को उपभोक्ताओं को रिवॉर्ड कार्ड के माध्यम से वापस किया

जाता है। इनमें प्रत्येक लेनदेन का एक प्रतिशत नकद के रूप में वर्ष के अंत में आपको वापस दिया जाता है या उपहार कार्ड, होटलों, या एयरलाइन यात्रा के लिए अंक मिलते हैं। इन शुल्कों को वापस करने का दूसरा तरीका क्रेडिट कार्ड के लिए साइन अप करने के लिए प्रोत्साहनों के माध्यम से होता है।

क्रेडिट कार्ड का ऋण रखना महंगा होता है, और यह आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों को बाधित कर सकता है। हम क्रेडिट कार्ड का ऋण क्यों रखते हैं? कई लोग संकीर्ण दायरे से पीड़ित होते हैं। हम अपने निवेश खातों को एक ऐसे संसार में देखते हैं जो हमारे क्रेडिट कार्ड से अलग है, लेकिन यह सच नहीं है।

सामान्य वस्तुओं को खरीदने के लिए क्रेडिट कार्ड स्वाइप करना निश्चित रूप से आसान है, लेकिन यदि आप अपने पैसे का प्रबंधन करने में अच्छे नहीं हैं तो आप क्रेडिट कार्ड के ऋण में फंस सकते हैं।

वित्तीय आदतें बहुत शक्तिशाली हो सकती हैं। यदि हम क्रेडिट कार्ड बैलेंस रखने की आदत में हैं, तो हम अक्सर सोचते हैं कि निकट भविष्य में हम अधिक जिम्मेदार बन जाएंगे और इसे चुका देंगे। फिर, जब भविष्य आता है, तो हम उसी चीजों से प्रलोभित होते हैं जो हमें कल प्रलोभित कर चुकी थीं और उसी खर्च करने की आदतों में गिर जाते हैं। अपनी आदतों को समझना हमें उन्हें तोड़ने के लिए उपकरण विकसित करने में मदद कर सकता है।

यदि आपके पास अपने क्रेडिट कार्ड के ऋण को चुकाने के लिए पर्याप्त तरल और निवेश संपत्तियाँ हैं, तो ऐसा करें। लेकिन समझें कि यदि आप अपनी आदतें नहीं बदलते हैं तो आप भविष्य में फिर से उन ऋणों को जमा कर सकते हैं। एक आसान समाधान यह है कि आप अपनी क्रेडिट उपलब्धता को कम करें। अपने आपको एक या दो क्रेडिट कार्ड तक सीमित करें, और अपने बैंक से प्रत्येक पर खर्च सीमा को कम करने के लिए कहें। अपने अन्य कार्ड समाप्त कर दें।

अन्यथा खर्च को कम करने का एक तरीका यह है कि प्रत्येक खर्च को अधिक स्पष्ट बनाएं। क्रेडिट कार्ड खर्च करने का एक मनोवैज्ञानिक समस्या यह है कि यह आपको उस वित्तीय व्यापार से बचाता है जो आप कोई चीज खरीदते समय करते हैं। प्रयोगात्मक अध्ययन दिखाते हैं कि नकद में भुगतान करने वाले खरीदार अधिक कीमत चुकाने के लिए उतने इच्छुक नहीं होते हैं और वे बेहतर तरीके से सोच सकते हैं कि वे उस पैसे से और क्या खरीद सकते थे।

क्रेडिट के दुरुपयोग से संबंधित एक शक्तिशाली व्यक्तित्व गुण आवेगशीलता है। यदि आप सोचते हैं कि आप आवेगशील हो सकते हैं और आपको अपनी पसंद से अधिक क्रेडिट कार्ड का ऋण है, तो आप निश्चित रूप से अपनी आवेगशील प्रवृत्तियों के चारों ओर काम करके ऋण के गड्ढे से बाहर निकलने की अधिक संभावना रखते हैं। उपलब्ध क्रेडिट कार्ड बैलेंस को कम करना, नकद में भुगतान करना, एक बड़ी खरीद पर सोचना, और प्रलोभक शॉपिंग मॉल या इंटरनेट से बचना सभी आपको आवेग पर खर्च करने से बचने में मदद करते हैं।

यदि आपके पास अपने क्रेडिट कार्ड के कर्ज को चुकाने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं, तो हर महीने कर्ज कम करने के लिए एक योजना बनाएं। क्रेडिट उपलब्धता को कम करें और आवेग का खर्चा करने से बचें। एक समस्या यह है कि अक्सर हमारे बजट में इस महीने भुगतान करने के लिए जगह नहीं होती है, जिससे हम अगले महीने चेक लिखने का लालच महसूस करते हैं। एक अच्छा उपाय यह है कि हर महीने अपने चेकिंग खाते से बैंक में स्वचालित भुगतान सेट करें।

डेबिट कार्ड

डेबिट कार्ड की लोकप्रियता एक रहस्य की तरह लग सकती है, क्योंकि इनमें क्रेडिट कार्ड के कई महत्वपूर्ण लाभ नहीं होते: कोई पुरस्कार नहीं, आप पैसे खर्च करने और उसे चुकाने के बीच मुफ्त समय नहीं पाते, और यदि कोई आपका कार्ड चुरा लेता है, तो आपका चेकिंग खाता का बैलेंस गायब हो सकता है। यदि आप अभी शुरुआत कर रहे हैं, तो डेबिट कार्ड का

उपयोग करने से आपकी क्रेडिट इतिहास स्थापित करने में मदद नहीं मिलेगी।

डेबिट कार्ड के बारे में अच्छी बात यह है कि आपको क्रेडिट कार्ड बैलेंस पर उच्च ब्याज खर्च नहीं करना पड़ता। डेबिट कार्ड तुरंत आपके बैंक खाते से पैसे निकालते हैं; आप जितना पैसा नहीं है, उससे ज्यादा नहीं खर्च कर सकते। इसलिए, डेबिट कार्ड कुछ ऐसे व्यवहारिक pitfalls से बचाता है जिनका सामना कई क्रेडिट कार्ड उपयोगकर्ता करते हैं। लेकिन डेबिट कार्ड के उपयोग में वृद्धि का सबसे बड़ा कारण उन लोगों के बीच इसकी लोकप्रियता है जिनका क्रेडिट खराब है या जिनके पास क्रेडिट कार्ड नहीं है। आज, कार्ड से भुगतान करना नकद से कहीं अधिक सुविधाजनक है।

यदि आप हर महीने अपना बैलेंस चुकाते हैं, तो क्रेडिट कार्ड डेबिट कार्ड से बेहतर हैं। ये आपको पुरस्कार देते हैं और आपको एक महीने तक का मुफ्त लोन देते हैं जब तक कि आप अपने क्रेडिट कार्ड का बिल नहीं चुकाते। लेकिन वे उन लोगों के लिए भी एक साधन प्रदान करते हैं जिनके पास आत्म-नियंत्रण की समस्याएँ हैं, जो उन्हें क्रेडिट गड्ढे में धकेल सकती हैं। यदि आप हर महीने क्रेडिट कार्ड बैलेंस का पूरा भुगतान करने की आदत नहीं बना सकते, तो एक डेबिट कार्ड आपको सुविधा देता है बिना किसी लालच के।

कार लोन

उपभोक्ता कर्ज के सबसे महत्वपूर्ण स्रोत छात्र ऋण और बंधक होते हैं। क्रेडिट कार्ड के अलावा, उपभोक्ता कर्ज का अगला सबसे बड़ा स्रोत कार ऋण है। कार लोन के दो मूल प्रकार हैं। एक मानक कार लोन एक सामान्य अमोरटाइज्ड लोन है जहां आपकी भुगतान राशि ब्याज और मूलधन से मिलकर बनती है। मूलधन बस वह राशि है जो आप उधार लेते हैं, और आप इसे समय के साथ अपनी कार की भुगतान राशि के साथ चुकाते हैं जबकि उधार लेने की सुविधा के लिए ब्याज चुकाते हैं।

इक्विटी कार के वर्तमान बाजार मूल्य और लोन पर शेष मूलधन के बीच का अंतर है। आप इक्विटी को अपनी कार में हिस्सेदारी के रूप में सोच

सकते हैं, या कार का वह प्रतिशत जो आपका है। नई कारें पहले वर्ष के स्वामित्व में तेजी से मूल्य घटाती हैं—इस मूल्य की गिरावट को मूल्यह्रास कहा जाता है।

लोन की शुरुआत में, आपके भुगतान का ब्याज भाग उच्च होगा क्योंकि आप अभी भी बहुत सारा पैसा बकाया रखते हैं। इसका मतलब है कि एक वर्ष के स्वामित्व के बाद, आपके पास बहुत कम या कोई इक्विटी नहीं हो सकती है। नकारात्मक इक्विटी को अंडरवाटर कहा जाता है। जब आप अपनी कार को ट्रेड-इन करने की कोशिश करते हैं, तो इसका मूल्य नए कार के लिए नकारात्मक हो जाता है। लोन के अंत के करीब इक्विटी सकारात्मक हो जाती है।

कार लोन के लिए खरीदारी करना हमेशा एक अच्छा विचार है। अपने स्थानीय बैंक या क्रेडिट यूनियन से शुरुआत करें। आपकी ब्याज दर आपकी क्रेडिट रेटिंग और आप नई या पुरानी कार खरीद रहे हैं, इस पर निर्भर करेगी। आप डीलरशिप पर भी अपनी कार का वित्तपोषण कर सकते हैं, लेकिन डीलरशिप पर वित्तपोषण दरें प्रतिस्पर्धी नहीं हो सकती हैं और अक्सर कार डीलर के लिए लाभ का स्रोत होती हैं।

कभी-कभी, आपको एक बहुत कम दर मिल सकती है जो निर्माता द्वारा धीमी बिक्री वाली कार को बेचने में मदद के लिए सब्सिडी दी जाती है, लेकिन आपको इस कम दर की तुलना अन्य संभावित मूल्य छूटों से करनी होगी। मूल्य छूट लेना और अपने बैंक के माध्यम से वित्तपोषण करना बेहतर सौदा हो सकता है।

आपको यह भी तय करना होगा कि कार लोन कितने समय तक चलेगा। आप अक्सर तीन साल में कार चुकाने पर कम ब्याज दर प्राप्त कर सकते हैं बजाय पांच साल के। सामान्यतः, कार लोन पर ब्याज दरें तरल बचत पर मिलने वाली ब्याज दरों से अधिक होती हैं, इसलिए आप लोन चुकाने में बेहतर स्थिति में होते हैं बजाय कि पैसे को चेकिंग खाते में रखने के।

कार खरीदने में सबसे बड़ी गलती लोग आवेगपूर्ण होना है। वे अक्सर एक ही कार डीलरशिप पर समाप्त होते हैं और उसी दिन कार खरीदते और वित्तपोषण करते हैं। इसका मतलब है कि जो कीमत वे चुकाते हैं वह अक्सर उस कीमत से अधिक होती है जो वे खरीदारी करके प्राप्त कर सकते थे, और लोन की शर्तें कम आकर्षक होती हैं। सबसे अच्छी कीमत और सबसे अच्छे लोन की शर्तों के लिए खरीदारी में विधिपूर्वक होना बड़ा लाभ दे सकता है।

लोगों द्वारा की जाने वाली दूसरी गलती केवल कार की भुगतान राशि पर ध्यान केंद्रित करना है और यह नहीं देखना कि वे कार के लिए कितना भुगतान कर रहे हैं और वे किस ब्याज दर पर भुगतान कर रहे हैं। बिना यह जाने कार डीलरशिप पर न जाएँ कि आप बैंक से कौन सी लोन की शर्तें प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें डाउन पेमेंट, ब्याज दर और लोन की अवधि शामिल हैं।

कार के लिए पैसे उधार लेने का दूसरा तरीका लीज है। लीज के साथ, ऋण समाप्त होने के बाद आप कार के मालिक नहीं होते। लीज आपको एक कम भुगतान करने की अनुमति देती है जो केवल कार के मूल्यह्रास की अपेक्षित लागत को कवर करता है। लीज प्राप्त करना संभव है या तो कार डीलर से या डीलरशिप या कार निर्माता से असंबंधित ऋणदाता से।

लीज़िंग के बारे में याद रखने वाली सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप उस कार के स्वामित्व के सबसे महंगे वर्षों के लिए भुगतान कर रहे होंगे। एक कार पहले वर्ष में सबसे अधिक मूल्यह्रास करती है और उसके बाद हर साल थोड़ा कम। कई लोग एक गलती करते हैं कि वे हर कुछ वर्षों में एक नई कार खरीदते हैं और अधिकांश मूल्यह्रास का सामना करते हैं, और फिर कार को एक दूसरे मालिक को सौंप देते हैं, जो उसे चलाने के लिए हर साल बहुत कम भुगतान करता है।

लगातार कारें लीज़ पर लेना महंगा होता है। संभावित अपवाद तब होता है जब कार कंपनियाँ धीमी बिक्री वाली कारों को कृत्रिम रूप से कम लीज़

भुगतान के माध्यम से निपटाने की कोशिश करती हैं। हालाँकि, यह कार खरीदने का एक आकर्षक विकल्प हो सकता है, यदि आप इस रास्ते पर जाते हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप लीज़ में निर्दिष्ट किलोमीटर सीमा के भीतर रहें, और लीज़ समाप्त होने पर कार न खरीदें।

क्रेडिट स्कोर

आपको कार लोन या क्रेडिट कार्ड पर प्रतिस्पर्धात्मक ब्याज दर प्राप्त करने में सक्षम होने के लिए सबसे महत्वपूर्ण निर्धारक आपका क्रेडिट स्कोर है। एक क्रेडिट स्कोर यह भी प्रभावित कर सकता है कि आप कार बीमा के लिए कितना भुगतान करते हैं और यहां तक कि क्या आपको नौकरी मिलती है। एक अच्छे क्रेडिट स्कोर में निवेश जीवन भर में हजारों डॉलर की लोन और बीमा भुगतान को कम करके लाभकारी हो सकता है।

क्रेडिट स्कोर और क्रेडिट रिपोर्ट एक ही चीज़ नहीं हैं। क्रेडिट रिपोर्ट आपके पिछले क्रेडिट अनुभवों की विस्तृत सूची है, जिसमें यह भी शामिल है कि आपने कौन-कौन से क्रेडिट कार्ड रखे हैं, वर्तमान बैलेंस क्या है, और क्या आपने उन्हें समय पर चुकता किया है। यदि आपने हाल ही में अपनी क्रेडिट रिपोर्ट नहीं देखी है, तो आप इसे साल में तीन बार मुफ्त में प्राप्त कर सकते हैं। www.annualcreditreport.com पर जाएं।

अपनी क्रेडिट रिपोर्ट की सटीकता की जांच करें। आप तीन मुफ्त क्रेडिट रिपोर्ट इसलिए प्राप्त करते हैं क्योंकि तीन प्रमुख क्रेडिट-रिपोर्टिंग ब्यूरो हैं जो उधारदाताओं को जानकारी प्रदान करते हैं: एक्सपीरियन, एक्विफैक्स, और ट्रांसयूनियन। प्रत्येक से एक रिपोर्ट प्राप्त करें। रिपोर्टों में कुछ असंगतताएँ हो सकती हैं क्योंकि जानकारी गलत हो सकती है, इसलिए तुलना करना सुनिश्चित करें। यदि आप किसी समस्या का पता लगाते हैं, तो आप डेटा को चुनौती दे सकते हैं, और क्रेडिट ब्यूरो को 30 दिनों के भीतर जवाब देना होगा।

जब आप लोन के लिए आवेदन करते हैं, तो उधारदाता आपकी क्रेडिट रिपोर्ट पर नहीं देखते; वे आपकी क्रेडिट रिपोर्ट में जो कुछ है, उससे एक संख्या का उपयोग करते हैं—आपका क्रेडिट स्कोर। क्रेडिट स्कोर का

उद्देश्य यह दर्शाना है कि आप लोन पर डिफ़ॉल्ट होने की कितनी संभावना रखते हैं। शैक्षणिक अध्ययन बताते हैं कि क्रेडिट स्कोर डिफ़ॉल्ट का सही पूर्वानुमान लगाने में अच्छा काम करते हैं।

क्रेडिट स्कोर को एफआईसीओ स्कोर भी कहा जाता है, जो फेयर आइजैक कॉर्पोरेशन के लिए है। एफआईसीओ स्कोर मुफ्त नहीं हैं। www.myfico.com के माध्यम से अपना एफआईसीओ स्कोर प्राप्त करने के लिए तीनों क्रेडिट-रिपोर्टिंग कंपनियों के लिए 20 डॉलर का खर्च आता है। यह शायद यह देखने के लिए जांचने के लायक है कि क्या आप कार या घर खरीदने से पहले लोन पर सबसे कम ब्याज दरों के लिए पात्र हैं।

क्रेडिट स्कोर पांच कारकों से मिलकर बना है। सबसे महत्वपूर्ण है भुगतान इतिहास। दूसरा सबसे महत्वपूर्ण आपकी ऋण है। ये दोनों कारक आपके क्रेडिट स्कोर का दो-तिहाई बनाते हैं। बाकी स्कोर का निर्माण करने वाले तीन अन्य विशेषताएँ हैं। पहली है आपके क्रेडिट इतिहास की लंबाई। दूसरी है आपके पास कितने विभिन्न प्रकार का क्रेडिट है। अंतिम है हाल ही में उधारदाता द्वारा आपके स्कोर की कितनी बार जांच की गई है।

सुझाए गए पठन

अमेरिकन बार एसोसिएशन। पारिवारिक कानूनी मार्गदर्शिका। अध्याय 8: उपभोक्ता दिवालियापन। संघीय व्यापार आयोग। उपभोक्ता जानकारी: क्रेडिट और लोन।

सवालों पर विचार करें

जीवन चक्र ढांचे के भीतर क्रेडिट का सबसे अच्छा उपयोग कैसे करें। कब उधारी लेना समझ में आता है?

क्रेडिट स्कोर जीवन चक्र उधारी को कैसे प्रभावित करता है? समझाएं कि एक कम क्रेडिट स्कोर वाले उधारकर्ता एक उच्च क्रेडिट स्कोर वाले उधारकर्ता की तुलना में किस प्रकार बुरा स्थिति में होता है।

शिक्षा में निवेश करना

ज्ञान के लिए भुगतान करना किसी भी निवेश की तरह लागत और लाभ शामिल करता है। कई छात्र कॉलेज जाते हैं बिना यह पूरी तरह समझे कि डिग्री के क्या लागत और लाभ हैं। अधिकांश लोग सोचते हैं कि आज की कार्य शक्ति में कॉलेज अधिकतर एक आवश्यकता है। लेकिन कई छात्र गलत स्कूल, गलत विषय और गलत वित्तीय स्रोत चुनते हैं, और कुछ को शायद कॉलेज जाना ही नहीं चाहिए था। जबकि शिक्षा जटिल है, यह शायद लोगों द्वारा अपने जीवन में किया गया सबसे महत्वपूर्ण निवेश है। और, जैसा कि आप इस व्याख्यान में सीखेंगे, सही विकल्प बनाना आय और जीवन संतोष दोनों को प्रभावित करता है।

शिक्षा का लाभ

शिक्षा पर अध्ययन दिखाते हैं कि आपका विषय आपके कॉलेज के स्थान की तुलना में भविष्य की आय की भविष्यवाणी में और भी अधिक

महत्वपूर्ण है। कॉलेज के विषय और पेशे के बीच एक बढ़ती हुई सहसंबंध भी है, जिसका अर्थ है कि आप अधिक विशिष्ट विषय से उस पेशे में नौकरी पाने की संभावना रखते हैं।

एक जीवनकाल में, उस विषय में निवेश का भुगतान अधिक होगा जो अधिक विशिष्ट कौशल की मांग करता है, जहां श्रमिकों की उच्च मांग होती है। अपने पेशे का आनंद लेना भी महत्वपूर्ण है; सामान्यतः, जीवन संतोष आमदनी के साथ लगभग 80,000 डॉलर के बाद काफी नहीं बढ़ता। अपनी पेशेवर जानकारी को वेतन और नौकरी संतोष की जांच करके जानना यह सुनिश्चित करने का एक अच्छा तरीका है कि आप सही निवेश कर रहे हैं।

नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री गैरी बेकर ने अनुमान लगाया है कि शिक्षा हमें आलोचनात्मक सोचने और संतोष में देरी करने के लिए प्रशिक्षित करती है। ये दोनों कौशल न केवल हमारे कार्य उत्पादकता में मदद करते हैं, बल्कि हमारे व्यक्तिगत जीवन में भी। इन गैर-आर्थिक लाभों को भी शिक्षा में निवेश के लाभों के रूप में विचारित करने की आवश्यकता है।

एक चर जिसे अक्सर कॉलेज और हाई स्कूल स्नातकों की कमाई की तुलना करने वाले अध्ययनों में छोड़ दिया जाता है, वह है स्वाभाविक क्षमता में भिन्नता। कुछ छात्र जटिल जानकारी सीखने और समय पर उच्च गुणवत्ता का लिखित कार्य पूरा करने में बेहतर होते हैं। ये प्रकार के कौशल बाजार में पुरस्कार प्राप्त करने की संभावना रखते हैं, चाहे आपके डिप्लोमा पर क्या लिखा हो। सामान्यतः, अधिक कुशल छात्र अधिक प्रतिष्ठित कॉलेजों में प्रवेश लेते हैं और उच्च भुगतान वाले विषयों में जाते हैं।

कॉलेज जाने के लिए पैसे उधार लेना एक जोखिम है। और यदि आप स्नातक होने की संभावना कम रखते हैं तो यह एक बहुत बड़ा जोखिम है। कॉलेज से ड्रॉपआउट अक्सर अधिक सीमांत छात्र होते हैं और वे भी कम सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं उन छात्रों की तुलना में जो कॉलेज से स्नातक होते हैं। इसलिए, शिक्षा से प्राप्त लाभ अधिक

प्रतिभाशाली छात्रों के लिए अधिक होगा, और शायद यह एक सीमांत छात्र को कॉलेज जाने के लिए भारी उधारी लेने के लिए प्रोत्साहित करना अच्छा विचार नहीं है।

शिक्षा के लिए योजना बनाना और बचत करना

शिक्षा की योजना बनाने के लिए भविष्य की लागतों का अनुमान लगाना आवश्यक है, जिसमें ट्यूशन, किताबें, आपूर्ति और जीवन व्यय शामिल हैं। श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार, ट्यूशन पर महंगाई की दर अमेरिका में समग्र महंगाई की दर के लगभग दोगुनी रही है। यदि ये प्रवृत्तियाँ जारी रहती हैं, तो एक नए माता-पिता को अपने बच्चे के लिए कॉलेज शिक्षा की वर्तमान लागत का तीन से चार गुना बचत करने की आवश्यकता हो सकती है।

कई माता-पिता और दादा-दादी महसूस करते हैं कि यह युवा वयस्कों की शिक्षा में मदद करने की जिम्मेदारी है। लेकिन याद रखें कि किसी और की शिक्षा में निवेश करने का अर्थ है कि आप अपनी खुद की खर्च को कम करने का चुनाव कर रहे हैं ताकि आप उस व्यक्ति को संसाधन हस्तांतरित कर सकें जो स्नातक होने के बाद आपकी उदारता के कारण बिना या कम छात्र ऋण के शिक्षा के लाभ प्राप्त करेगा। आप ऐसा या तो जिम्मेदारी की भावना से करते हैं या क्योंकि उस व्यक्ति की भविष्य की भलाई आपकी अपनी संतोष को बढ़ाती है। यही अर्थशास्त्री परोपकारिता को देखते हैं।

सरकार लोगों को शिक्षा के लिए बचत करने के लिए कई कर प्रोत्साहन प्रदान करती है। सबसे सामान्य 529 योजना है, जिसका नाम संघीय कर कोड के एक भाग के नाम पर रखा गया है। 529 योजना में, आप जो भी धन निवेश करते हैं, उसे योग्य शैक्षिक खर्चों के लिए उपयोग करने पर कर-मुक्त निकाला जा सकता है, जैसे कॉलेज की ट्यूशन, शुल्क, छात्रावास और अन्य स्कूल के खर्चे।

401(k) के विपरीत, आप 529 में किए गए निवेश को अपने कर योग्य आय से घटा नहीं सकते। आपको जो एकमात्र लाभ मिलता है वह यह है कि आप 529 में किए गए निवेश पर संघीय करों से बच सकते हैं। किसी भी अन्य सुरक्षित बचत योजना की तरह, इसका लाभ लंबे समय में बहुत बड़ा होता है। कुछ राज्यों अतिरिक्त बोनस देते हैं जिससे आप योगदान की राशि के बराबर अपने कर योग्य आय को घटा सकते हैं। यह बड़ा लाभ नहीं है, लेकिन यह कुछ वर्षों में जोड़ सकता है।

केवल एक राज्य 529 योजना स्थापित कर सकता है। राज्य योजना को स्थापित करता है, लेकिन वे पैसे का प्रबंधन नहीं करते। विभिन्न राज्यों में विभिन्न निवेश विकल्प और शुल्क होते हैं। लेकिन आपको अपने राज्य के साथ ही नहीं जाना है। यदि आप किसी अन्य राज्य से 529 का उपयोग करते हैं, तो आपका राज्य आपके राज्य कर कटौती को सीमित कर सकता है, इसलिए आपको बेहतर निवेश विकल्पों से होने वाली बचत की तुलना अपने कर बचत से करनी होगी।

कई राज्यों में कम शुल्क वाले, निष्क्रिय निवेश विकल्प होते हैं। और कई 529 योजनाएं आयु-आधारित निवेश प्रदान करती हैं, जो आपके बच्चे की उम्र 18 वर्ष के करीब आने पर आपके जोखिम के स्तर को कम करने के लिए स्टॉक आवंटन को कम करेंगी, जब आप स्कूल के लिए धन निकालेंगे।

सरकार एक अतिरिक्त प्रोत्साहन प्रदान करती है जब माता-पिता कॉलेज की ट्यूशन में योगदान करते हैं। अमेरिकी अवसर क्रेडिट मूल रूप से आपको प्रति छात्र 2,000 डॉलर का मुफ्त लाभ प्रदान करता है: आप इसे पहले ही भुगतान करते हैं, लेकिन यदि आपकी आय लगभग 180,000 डॉलर से कम है तो आप इसे अपने कर देनदारी के खिलाफ डॉलर के लिए डॉलर की तरह क्रेडिट कर सकते हैं। फिर, आप अगले 2,000 डॉलर में से 25 प्रतिशत (या अधिकतम 500 डॉलर) को अपने करों से घटा सकते हैं। इस राशि के ऊपर, स्कूल खर्चों के लिए 529 से भुगतान करना समझदारी है। इसके अलावा, आप अमेरिकी अवसर क्रेडिट के पैसे का उपयोग कमरे और भोजन के लिए नहीं कर सकते, लेकिन आप 529 का उपयोग कर सकते हैं।

जब आपने एक छात्र की कॉलेज शिक्षा के पहले चार वर्षों के लिए अमेरिकी अवसर क्रेडिट का उपयोग कर लिया है, तो आप जीवनकाल अध्ययन क्रेडिट का लाभ उठा सकते हैं। यह आपको 10,000 डॉलर के खर्चों पर 20 प्रतिशत का कर क्रेडिट देता है, इसलिए आपका अधिकतम क्रेडिट 2,000 डॉलर है। इसके अलावा, आप जीवनकाल अध्ययन क्रेडिट का उपयोग स्नातक शिक्षा या नौकरी के कौशल को सुधारने के लिए कर सकते हैं, और आपको पूर्णकालिक छात्र होने की आवश्यकता नहीं है। एक आय सीमा है, इसलिए उच्च आय वाले लोग पात्र नहीं होंगे।

जीवनकाल अध्ययन क्रेडिट का उपयोग केवल ट्यूशन और शुल्क के लिए किया जा सकता है। उच्च आय वाले माता-पिता के लिए ट्यूशन और शुल्क कटौती का उपयोग करना बेहतर हो सकता है, जो आपकी कर योग्य आय को कम करता है। ट्यूशन और शुल्क कटौती आपको अपनी आय को 4,000 डॉलर तक घटाने की अनुमति देती है। जीवनकाल अध्ययन क्रेडिट और ट्यूशन और शुल्क कटौती दोनों पर कर रिटर्न के अनुसार सीमा होती है, जबकि अमेरिकी अवसर क्रेडिट प्रति छात्र पर सीमित होता है।

कवरडेल शिक्षा बचत खाता प्रति छात्र प्रति वर्ष 2,000 डॉलर का एक छोटा वार्षिक योगदान करने की अनुमति देता है। 529 योजनाओं के विपरीत, उच्च आय वाले माता-पिता कवरडेल के लिए पात्र नहीं हो सकते। कवरडेल का मुख्य लाभ यह है कि आप पैसे का उपयोग निजी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के लिए कर सकते हैं, जबकि 529 केवल कॉलेज के लिए है।

कवरडेल के साथ राज्य आय कर पर बचत करने की कोई क्षमता नहीं है, इसलिए इसका एकमात्र कर लाभ खाता के भीतर किसी भी निवेश आय पर संघीय करों से बचना है। क्योंकि कवरडेल खातों का मुख्य लाभ प्री-कॉलेज शिक्षा के लिए है, और एकमात्र कर लाभ समय के साथ निवेश करों से सुरक्षा है, ये उन माता-पिता के लिए समझ में आते हैं जो निजी स्कूलों के लिए जल्दी बचत कर रहे हैं। लेकिन कवरडेल खातों का उपयोग कॉलेज के लिए भी किया जा सकता है।

एक प्रकार का व्यक्तिगत रिटायरमेंट खाता, जिसे रोथ IRA कहा जाता है, का उपयोग कॉलेज की बचत के उपकरण के रूप में भी किया जा सकता है। यह 529 के समान है, लेकिन आप धन का उपयोग कॉलेज की शिक्षा, पहली बार घर खरीदने के लिए 10,000 डॉलर तक, या रिटायरमेंट के लिए कर सकते हैं। लेकिन कमाई पर कर लगाया जाता है, 529 के विपरीत, और यदि आप कॉलेज के लिए रोथ धन का उपयोग करते हैं, तो आप केवल जल्दी निकासी से 10 प्रतिशत की पेनल्टी से बचते हैं। यह एक अच्छा विकल्प नहीं है, क्योंकि आप एक बहुत आकर्षक रिटायरमेंट बचत उपकरण को छोड़ रहे हैं और छात्रों के लिए बेहतर हो सकता है कि वे बस पैसे उधार लें।

संघीय छात्र ऋण

संघीय सरकार छात्रों को ऋण प्रदान करती है, लेकिन इन ऋणों में से कुछ प्राप्त करने की आपकी क्षमता फ्री एप्लिकेशन फॉर फेडरल स्टूडेंट एड (FAFSA) द्वारा निर्धारित की जाती है। FAFSA ग्रांट्स के लिए पात्रता भी निर्धारित करता है, जैसे कि पेल ग्रांट्स, लेकिन ये मुख्यतः बहुत कम आय वाले छात्रों के लिए होते हैं, जिनके माता-पिता कॉलेज खर्चों में मदद करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकते। संस्था भी लागत कम करने के लिए ग्रांट्स प्रदान कर सकती है। कॉलेजों के पास FAFSA भरने के लिए अपनी खुद की समय सीमाएँ होती हैं।

FAFSA को माता-पिता और छात्रों से कर रिटर्न की आय की जानकारी की आवश्यकता होती है, साथ ही सेवानिवृत्ति खातों के बाहर की संपत्तियों की जानकारी भी। ऋण पात्रता को अधिकतम करने के लिए कुछ रणनीतियाँ होती हैं, इसलिए यह सलाहकार या सलाहकार से मिलने के लिए फायदेमंद हो सकता है ताकि आप वित्तीय सहायता को अधिकतम कर सकें।

529 योजना का एक नुकसान यह है कि जब इसे किसी ऐसे खाते से निकाला जाता है जो माता-पिता के अलावा किसी और का है, तो यह FAFSA के उद्देश्यों के लिए छात्र की आय के रूप में गिना जाता है। दूसरे शब्दों में, 529 द्वारा प्रदान किए गए लाभ कुछ हद तक कम छात्र सहायता उपलब्धता से प्रभावित हो सकते हैं।

संघीय छात्र ऋणों के दो मूल प्रकार होते हैं। सब्सिडाइज्ड ऋणों के साथ, सरकार छात्र के स्कूल में रहते हुए सभी ब्याज खर्चों का भुगतान करती है। जब छात्र स्नातक होता है, ब्याज शुरू होता है। सरकार अनसब्सिडाइज्ड छात्र ऋण भी प्रदान करती है; स्कूल के दौरान, ऋण संतुलन पर ब्याज जमा होता है।

अंडरग्रेजुएट ऋण के लिए ब्याज दरें थोड़ी कम होती हैं और स्नातक शिक्षा के लिए अधिक होती हैं। सब्सिडाइज्ड ऋणों के लिए आपकी पात्रता FAFSA द्वारा निर्धारित होती है, और सामान्यतः केवल निम्न आय वाले परिवारों के छात्र ही सब्सिडाइज्ड ऋण के लिए पात्र होते हैं।

संघीय अनसब्सिडाइज्ड छात्र ऋण छोटे ऋण होते हैं, जो प्रति वर्ष लगभग 6,000 से 10,000 डॉलर के बीच होते हैं, जो इस बात पर निर्भर करता है कि आप पहले वर्ष में आश्रित छात्र हैं या स्वतंत्र छात्र। ये राशि बाद के वर्षों के छात्रों के लिए कुछ हजार डॉलर बढ़ती है। समग्र ऋण सीमा थोड़ी सी 30,000 डॉलर से अधिक होती है।

सरकारी ऋणों की पुनर्भुगतान के मामले में निजी छात्र ऋणों की तुलना में अधिक लचीलापन होता है। मानक अवधि 10 वर्ष होती है, और आप हर महीने एक निश्चित राशि का भुगतान करेंगे जो उस ब्याज दर पर आधारित होगी जिस पर आपने पैसे उधार लिए थे।

विस्तारित पुनर्भुगतान योजनाएँ आपको 25 वर्षों तक की अवधि बढ़ाने की अनुमति देती हैं यदि आपके पास संघीकृत सार्वजनिक ऋण ऋण में 30,000 डॉलर से अधिक हैं। ऐसे ग्रेजुएटेड पेमेंट ऋण भी हैं जो कम राशि से शुरू होते हैं और हर दो वर्षों में बढ़ते हैं, उन छात्रों के लिए जिनकी आय समय के साथ बढ़ने की संभावना है। आय-आधारित ऋण आपको अपनी मासिक विवेकाधीन आय के 20 प्रतिशत से अधिक का भुगतान नहीं करने देंगे। आप इन योजनाओं के बीच भी स्विच कर सकते हैं।

यदि आप वित्तीय कठिनाई का अनुभव करते हैं तो भुगतान को स्थगित किया जा सकता है। यदि आप सरकारी या गैर-लाभकारी नौकरी करते हैं और छात्र ऋण पर 10 या यहां तक कि 25 वर्षों तक भुगतान करते हैं, तो आपको ऋण माफी भी मिल सकती है। ऋण भुगतान को स्थगित करने का नुकसान यह है कि आपको अपने ऋण चुकाने में अधिक समय लगेगा। जीवन चक्र के दृष्टिकोण से, बढ़ते ऋण पुनर्भुगतान कार्यक्रम का होना समझदारी हो सकता है क्योंकि कॉलेज स्नातकों की आय अन्य श्रमिकों की तुलना में अधिक दर पर बढ़ती है।

छात्र बैंकों या क्रेडिट यूनियनों के माध्यम से निजी ऋणों के लिए भी पात्र हो सकते हैं। ये सामान्यतः कम आकर्षक होते हैं क्योंकि ब्याज दरें अधिक होती हैं, और कई में ऐसे ब्याज दरें होती हैं जो भविष्य में छात्र ऋण भुगतानों को बढ़ा सकती हैं। ऋण की शर्तें मानकीकृत नहीं होती हैं, और विस्तारित पुनर्भुगतान कार्यक्रम के साथ ऋण प्राप्त करना कठिन हो सकता है।

छात्र ऋणों का एक नुकसान यह है कि आप इनसे दिवालियापन के माध्यम से छुटकारा नहीं पा सकते। इसके अलावा, यदि आप मर जाते हैं, तो आपके सार्वजनिक ऋण माफ कर दिए जाते हैं, लेकिन निजी ऋण नहीं। यदि आप विकलांग हो जाते हैं, तो आपका सार्वजनिक ऋण ऋण समाप्त हो जाएगा, लेकिन निजी ऋण नहीं होंगे। उच्च ब्याज दरों के अलावा निजी ऋणों के कुछ नुकसान भी हैं। सामान्यतः, यह अच्छा होता है कि आप निजी ऋण लेने से पहले सार्वजनिक छात्र ऋण को अधिकतम करें।

विचार करने के लिए प्रश्न

समझाएं कि शिक्षा निवेश की तरह क्यों होती है। निवेश की लागत क्या है, लाभ क्या हैं, और जोखिम क्या है?

एक बच्चे की शिक्षा को वित्तीय सहायता देने के जीवन चक्र के निहितार्थ क्या हैं, माता-पिता और बच्चों के लिए?

घर के स्वामित्व की अर्थशास्त्र

अमेरिकियों के पास लगभग 10 ट्रिलियन डॉलर की होम इक्विटी है—जो किसी भी अन्य एकल संपत्ति के स्रोत से बड़ी है। अधिकांश अमेरिकियों के लिए, एक घर हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है, और हमारा बंधक हमारी सबसे महत्वपूर्ण देनदारी है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि घर हमेशा

एक अच्छा निवेश होता है। घरों को बनाए रखना और रखरखाव करना महंगा होता है, इन्हें बेचना भी महंगा है, और हम एक जीवनकाल में विशाल ब्याज भुगतान करते हैं। इस व्याख्यान में, आप आवास के मूलभूत सिद्धांतों के बारे में जानेंगे, जिसमें बंधक प्राप्त करना और उसे समझना, घर के लिए खरीदारी करना, संपत्ति कर देना, और यह क्यों homeowners किरायेदारों की तुलना में अधिक धनवान होते हैं।

घर खरीदना

आपको कब घर खरीदने के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए? एक अच्छा नियम यह है कि यदि आप किसी स्थान पर कम से कम पांच या छह साल रहने वाले हैं, तो घर खरीदने पर विचार करें। यदि आप अभी हाल ही में स्नातक हुए हैं और एक प्रारंभिक स्तर की नौकरी कर रहे हैं, तो संभावना है कि आप अपेक्षाकृत कम समय में स्थानांतरित होंगे। या यदि आप किसी ऐसे उद्योग में हैं जो आपको हर दो या तीन साल में विभिन्न स्थानों पर ले जाता है, तो खरीदना सबसे अच्छा विकल्प नहीं हो सकता। इसका कारण यह है कि घर खरीदने और बेचने की लागत अधिक होती है। यदि आप बार-बार स्थानांतरित होते हैं, तो सामान्यतः किराए पर लेना सस्ता होता है।

आपको यह कैसे पता चलेगा कि कौन सा घर चुनना है? यह पता चलता है कि कई चीजें जिन्हें हम नए घर में देखना चाहते हैं, जैसे कि फायरप्लेस या जेटेड बाथटब, आवासीय संतोष पर कोई प्रभाव नहीं डालती हैं। वर्ग फुटेज का प्रभाव सकारात्मक होता है, लेकिन सामान्यतः उस वर्ग फुटेज में क्या है, यह अधिक महत्वपूर्ण लगता है।

लेकिन अधिक खर्च करना सामान्यतः अधिक खुशी लाता है; महंगे घर अक्सर बड़े होते हैं लेकिन इनमें अधिक और बेहतर सुविधाएं भी होती हैं। ये आमतौर पर ऐसे क्षेत्रों में होते हैं जहां अपराध दर कम होती है, स्कूल बेहतर होते हैं, शोर कम होता है, और अन्य सकारात्मक पड़ोसी विशेषताएं होती हैं।

दो सबसे महत्वपूर्ण कारक जिन्हें आप कम आंक सकते हैं, वे हैं बाथरूम की संख्या और एक बालकनी या बरामदा होना। अलग-अलग स्थान होने से आपके नियंत्रण की भावना बढ़ती है, और यदि आपको लगता है कि आप अपने वातावरण पर नियंत्रण में हैं—जिसे नियंत्रण के क्षेत्र के रूप में जाना जाता है—तो आप अधिक खुश रहते हैं।

घर के मालिक होने के साथ आने वाली अतिरिक्त लागतों को कम आंकने की सामान्य प्रवृत्ति होती है। बंधक, संपत्ति कर और गृहस्वामी बीमा के अलावा, घर किरायेदार इकाइयों की तुलना में कम ऊर्जा कुशल होते हैं और नियमित और महंगी रखरखाव की आवश्यकता होती है। चूंकि घर के खर्च अप्रत्याशित होते हैं, सुनिश्चित करें कि आपके पास इन लागतों को कवर करने के लिए पर्याप्त तरल नकद हो। अन्य सभी समान होने पर, एक गृहस्वामी को एक किरायेदार की तुलना में तरल खाते में अधिक धन की आवश्यकता होगी।

होम फाइनेंसिंग

बंधक बाजार वित्तीय अनुपातों का उपयोग करता है यह निर्धारित करने के लिए कि आप कितने लोन के लिए योग्य हैं। ये अनुपात आपकी आय और ऋण भुगतान पर आधारित होते हैं। उच्च आय और कम ऋण का मतलब है कि आप बड़े लोन के लिए योग्य होंगे।

पहली बार घर खरीदने के लिए अपने क्रेडिट स्कोर को अधिकतम करने के लिए क्रेडिट इतिहास स्थापित करने और बनाए रखने का अभ्यास बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। आपका क्रेडिट इतिहास यह निर्धारित कर सकता है कि आपको बंधक पर कौन सा ब्याज दर मिलती है, और उच्च ब्याज दर यह प्रभावित करेगी कि आप कितना उधार ले सकते हैं।

लेंडर्स दो वित्तीय अनुपातों पर विचार करते हैं जब यह तय करते हैं कि आप कितना खर्च कर सकते हैं। सबसे पहले, वे फ्रंट-एंड अनुपात पर देखते हैं। भुगतान आपकी कुल आय के एक निश्चित प्रतिशत के तहत होना चाहिए—उदाहरण के लिए, 31 प्रतिशत। इसलिए, यदि आपकी आय 5,000 डॉलर प्रति माह है, तो आप उस पर 31 प्रतिशत, या 1,550

डॉलर, आवास के लिए खर्च कर सकते हैं। इसमें कुल आवास खर्च शामिल हैं, जिसमें संपत्ति कर और गृहस्वामी बीमा के साथ-साथ अन्य खर्च, जैसे कि कोंडो या सामुदायिक शुल्क शामिल हैं। दूसरे, वे आपके कुल ऋण भुगतान को देखते हैं ताकि यह पता चल सके कि आपके बजट में पर्याप्त जगह है या नहीं।

घर खरीदने के लिए, आपको एक डाउन पेमेंट की भी आवश्यकता होगी। सामान्यतः, लेंडर्स घर की कीमत का कम से कम 5 या 10 प्रतिशत की आवश्यकता रखते हैं। हालांकि, यदि आप 20 प्रतिशत से कम जमा करते हैं, तो आपको निजी बंधक बीमा का भुगतान करना होगा, जो कि हर 100,000 डॉलर के लिए लगभग 50 डॉलर प्रति माह खर्च हो सकता है। और यह लेंडर को डिफ़ॉल्ट से बचाता है; यह आपको सुरक्षित नहीं करता।

आप घर खरीदने के लिए अपने परिवार से पैसे उधार लेने की कोशिश भी कर सकते हैं। कुछ मामलों में, एक माता-पिता या रिश्तेदार से पैसे उधार लेना एक अच्छा विचार हो सकता है। एक बच्चे को घर पर 20 प्रतिशत डाउन पेमेंट बनाने में मदद करना—जिसे बंधक दर पर आपकी तनख्वाह से नियमित, स्वचालित निकासी करके चुकाया जाता है—पहली बार घर खरीदने वाले के लिए लागत को कम करने का एक शानदार तरीका हो सकता है।

फ्रंट-एंड अनुपात केवल आपकी आय और आवास खर्चों पर विचार करता है। बैक-एंड अनुपात आपके अन्य ऋण भुगतानों से प्रभावित होता है। चूंकि ये ऋण भुगतान बंधक भुगतान में जोड़े जाते हैं, बैक-एंड अनुपात की सीमा फ्रंट-एंड अनुपात सीमा से अधिक होती है।

अधिक वित्तीय रूप से जागरूक घर खरीदने वाले कम ब्याज दर पर बंधक लेने में सफल होते हैं, मुख्यतः क्योंकि वे प्रणाली को समझते हैं और विभिन्न विकल्पों की तुलना करते हैं। जब आप यह जान जाएं कि आप कितनी राशि वहन कर सकते हैं, तो एक ऑनलाइन साइट पर जाएं जो विभिन्न बंधक कंपनियों से प्रस्ताव इकट्ठा करती है ताकि आप अपने बंधक के आकार के आधार पर कौन सी दर प्राप्त कर सकते हैं, यह देख

सकें। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि बंधक दरें सबसे सस्ती से लेकर सबसे महंगी उधारदाताओं तक कितनी भिन्न होती हैं।

वार्षिक प्रतिशत दर (APR) उधार के वित्तीय लागतों की सभी जानकारी को एक ही आसान तुलना करने योग्य संख्या में समाहित करती है। सभी शुल्क और खर्च और वास्तविक मासिक ब्याज दर को एकल उधारी दर में समाहित किया जाता है। इसलिए, जब आप ऑनलाइन बंधक दरें देखते हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप APR के आधार पर छंटनी और तुलना करें।

अन्य बंधक उत्पाद भी हैं, और उनमें से कुछ—विशेष रूप से जो अधिक जटिल हैं—उतने प्रभावी नहीं होते। समायोज्य दर वाले बंधक बहुत सामान्य हैं, और इनमें से कई बहुत प्रभावी होते हैं और कई उधारकर्ताओं के लिए विचार करने लायक होते हैं। ये आमतौर पर बंधकों का लगभग एक चौथाई हिस्सा होते हैं।

फिक्स्ड-रेट बंधक में एक ऐसा बंधक भुगतान होता है जो ऋण की अवधि के दौरान नहीं बदलता, जबकि समायोज्य दर वाले बंधक समय के साथ ऊपर या नीचे जा सकते हैं। यदि आपके पास पहले दशक में या तो स्थानांतरित होने या बंधक चुकाने का अच्छा मौका है, तो समायोज्य दर वाले बंधक पर विचार करना समझदारी है। बेशक, समायोज्य दर वाले बंधक बढ़ सकते हैं; कुछ परिवारों के पास बजट में अधिक लचीलापन होता है, और उनके लिए यह जोखिम लेना समझदारी हो सकती है।

आप बंधक पर अंक भी खरीद सकते हैं। अंक ऋण मूल्य का एक प्रतिशत होते हैं जो आप पहले से भुगतान करते हैं ताकि ऋण भुगतान को कम किया जा सके। ये आपके ऋण संतुलन को घटाते नहीं हैं जैसे कि एक बड़ा डाउन पेमेंट करता है; अंक का भुगतान बस ऋण पर ब्याज दर को कम करता है। समायोज्य दर वाले बंधकों के विपरीत, अंक अधिक समझदारी से काम करते हैं यदि आप सोचते हैं कि आप लंबे समय तक अपने बंधक को बनाए रखेंगे। इसका कारण यह है कि आप पहले से कुछ पैसे का भुगतान कर रहे हैं ताकि समय के साथ बंधक भुगतान को कम किया जा सके।

घर खरीदने का सही समय कब है? यदि आप मरम्मत के लिए पैसे अलग नहीं रख सकते हैं, तो घर न खरीदें। इसके अलावा, कुछ समय के लिए किराए पर रहना आपको अधिक गतिशील बनाए रखता है और लेन-देन की लागत में हजारों डॉलर बचाता है।

जब आप घर खरीदते हैं, तो आपको किराए और स्वामित्व की लागतों के बारे में सोचना चाहिए। इनमें से एक लागत संपत्ति कर है। संपत्ति कर एक घर के मूल्यांकनित मूल्य का एक प्रतिशत होता है। अमेरिका में अधिकांश संपत्ति कर की दरें लगभग एक प्रतिशत के आसपास होती हैं। संपत्ति कर एक ऐसा खर्च है, जो एक तरह से, घर मालिकों के लिए किराए के भुगतान के समान है—यह बस पैसा है जिसे आप कभी वापस नहीं देखते हैं, एक घर में रहने के विशेषाधिकार के लिए।

घर मालिकों का बीमा भी एक महत्वपूर्ण लागत है। किराएदार किराएदारों का बीमा लेते हैं, लेकिन यह केवल उनके सामान को कवर करता है और आमतौर पर बहुत सस्ता होता है—अधिकतर सालाना लगभग 100 डॉलर। एक घर का बीमा करना बहुत महंगा होता है क्योंकि आपको बहुत कुछ बीमा कराना होता है, जिसमें घर, उसकी सामग्री, और यहां तक कि कुछ देयता संरक्षण भी शामिल है। अधिकांश घर मालिकों का बीमा लगभग 100 डॉलर प्रति माह होता है।

जब आप बंधक का उपयोग करके पैसे उधार लेते हैं, तो आप धीरे-धीरे समय के साथ उस बंधक का संतुलन चुकाते हैं। बंधक के प्रारंभ में, संतुलन बहुत बड़ा होगा, और आपको इस बहुत बड़े राशि पर ब्याज देना होगा।

फिर भी, आप सभी लागतों के बावजूद घर क्यों खरीद सकते हैं? इसके लिए दो बहुत अच्छे कारण और एक काफी अच्छा कारण है। पहला अच्छा कारण यह है कि आप अपने स्थान पर नियंत्रण रखना पसंद करते हैं। शोध दर्शाता है कि मालिकों में किराएदारों की तुलना में जीवन संतोष

अधिक होता है, कम से कम जब तक कि वे अपने 70 के दशक में नहीं पहुंच जाते।

दूसरा अच्छा कारण यह है कि घर एक शक्तिशाली बचत उपकरण है, क्योंकि जब हम बंधक भुगतान करते हैं, तो थोड़ा सा हमारे ऋण संतुलन, या मुख्यधारा का भुगतान करने की ओर जाता है। इसका मतलब है कि हर बार जब हम भुगतान करते हैं, तो हम घर का थोड़ा और हिस्सा अपने नाम कर लेते हैं। लेकिन यह बचत जैसा नहीं लगता; हम बस हर महीने बंधक का भुगतान कर रहे हैं। क्योंकि यह बैंक खाते में नहीं दिखता, हमें इसे खर्च करने का प्रलोभन नहीं होता।

घर के मालिक होने का एक काफी अच्छा कारण यह है कि सरकार चाहती है कि हम मालिक बनें, इसलिए वे कुछ प्रोत्साहन प्रदान करते हैं जो किराएदारों को नहीं मिलते। हम संभवतः अपने कर योग्य आय से कुछ बंधक ब्याज की कटौती कर सकते हैं। हालांकि, ये बचत अक्सर अधिक बेची जाती हैं, विशेषकर औसत आय वाले घर मालिकों के लिए जिनका बंधक बड़ा नहीं होता। बंधक ब्याज कर कटौती मुख्य रूप से उच्च आय वाले लोगों को लाभ पहुंचाती है जिनके महंगे घर होते हैं।

बंधक चुकाने से जो घर की इक्विटी बनती है, वह परिवार की नेट वर्थ में जोड़ती है। यह घर की इक्विटी बैलेंस शीट पर बाजार मूल्य और बंधक के आकार के बीच का अंतर दिखाती है। यह मूल्य केवल सिद्धांत नहीं है—आप इसे कई तरीकों से प्राप्त कर सकते हैं। सबसे पहले, आप बस एक नया बंधक ले सकते हैं। आप इसी उद्देश्य के लिए एक घर की इक्विटी ऋण भी ले सकते हैं। किसी भी तरह, आपको पहले से अधिक बंधक भुगतान करना होगा, और आपको नए ऋणों का समय के साथ चुकाना होगा। लेकिन एक घर की इक्विटी ऋण का एक फायदा यह है कि ब्याज कर कटौती योग्य हो सकता है।

घर की इक्विटी तक पहुँचने का एक और तरीका एक घर की इक्विटी क्रेडिट लाइन है, जो एक खुली क्रेडिट लाइन है जो घर की इक्विटी द्वारा सुरक्षित होती है, इसलिए ब्याज दरें कम होती हैं। घर की इक्विटी क्रेडिट लाइन स्थापित करने में आपकी कुछ प्रारंभिक लागत होगी, लेकिन यह

आपको तब घर की इक्विटी का उपयोग करने की अनुमति देगा जब आपके पास कोई बड़ा अप्रत्याशित खर्च हो। वास्तव में, घर की इक्विटी पर एक क्रेडिट लाइन एक बड़े आपातकालीन फंड रखने के लिए एक मूल्यवान विकल्प हो सकती है।

अपने घर का उपयोग एक गुल्लक के रूप में करना आपको मुश्किल में डाल सकता है। वित्तीय उत्पाद जो उपभोक्ताओं को घर की इक्विटी तक पहुँच प्रदान करते हैं, वे बहुत सारे कम ब्याज वाले उधारी को अनलॉक कर सकते हैं, लेकिन वे अधिकांश अमेरिकी परिवारों के लिए आपातकालीन धन का एक बड़ा स्रोत भी खाली कर सकते हैं।

यदि आपके खर्चों को नियंत्रित करने या ऋण चुकाने का खराब इतिहास है, तो घर की इक्विटी के खिलाफ उधार लेना शुरू न करें। आप अपने पास जितना उधार ले सकते हैं, उससे अधिक ऋण में समाप्त हो सकते हैं—और यह एक मालिक को उसके घर को फोरक्लोजर के रास्ते पर ले जा सकता है।

विचार करने के लिए प्रश्न

स्वामित्व लगातार घरेलू धन का एक मजबूत भविष्यवक्ता है, भले ही आय और शिक्षा को नियंत्रित किया जाए। आपको क्यों लगता है कि घर मालिक किराएदारों की तुलना में अधिक धनी होते हैं?

कई अमेरिकियों ने मध्य 2000 के दशक में बहुत अधिक उधार लिया, विशेष रूप से परिवर्ती दर वाले बंधक उत्पादों में। आपको क्यों लगता है कि इतने सारे लोग इतनी तेजी से बढ़ती कीमतों के बाद घर खरीदने का जोखिम उठाने को तैयार थे, और इतने सारे ने अपने घरों के लिए ARMs का उपयोग क्यों किया?

बीमा के साथ जोखिम प्रबंधन

जोखिम उस संभावना को दर्शाता है कि हमारे पास जो कुछ मूल्यवान है, वह अचानक बहुत कम मूल्य का हो सकता है। हमारी सबसे मूल्यवान संपत्ति खुद हमारी है और हमारी आय अर्जित करने की क्षमता है। यदि हम अपनी आय अर्जित करने की क्षमता खो देते हैं, तो हम एक विनाशकारी नुकसान का सामना करते हैं। अन्य मूल्यवान संपत्तियों में हमारा घर, बचत, कार, और अन्य विभिन्न सामान जैसे नाव, कला या यहां तक कि सोना शामिल हैं। यदि कुछ बुरा होता है, तो इन सभी चीजों का मूल्य खो सकता है। इस व्याख्यान में, आप बीमा और जोखिम प्रबंधन के बारे में सीखेंगे।

बीमा

बीमा के बारे में आपको जो पहला पाठ सीखना है, वह बुरे घटनाओं या खतरों की संभावना को स्वीकार करना है। बीमा अधिवक्ता यह अनुमान लगाते हैं कि आप इनमें से किसी भी खतरे का सामना करने की कितनी संभावना रखते हैं। वे आपसे प्रश्न पूछते हैं और फिर यह निर्धारित करते हैं कि आप नुकसान का सामना करने की कितनी संभावना रखते हैं। धूम्रपान करने वाले जल्दी मरने की अधिक संभावना रखते हैं, और एक किशोर पुरुष की कार दुर्घटना में शामिल होने की संभावना सबसे अधिक होती है। आपके बीमा प्रीमियम का निर्धारण इन प्रकार की संभावनाओं पर आधारित होगा।

हम में से अधिकांश लोग सोचते हैं कि बुरा कुछ हमारे साथ नहीं होगा। हम जोखिमों के प्रति अपनी संवेदनशीलता को लेकर अधिक आत्मविश्वास हो जाते हैं। लेकिन दुनिया ऐसा नहीं चलती।

सांख्यिकीविद जानते हैं कि खतरे नियमित रूप से और यादृच्छिक रूप से होते हैं; दुनिया यादृच्छिकता द्वारा शासित है, और हमें यह स्वीकार करना होगा।

हम उन जोखिमों का भी अधिक अनुमान लगाते हैं जो हाल ही में हुए हैं। इसे उपलब्धता पूर्वाग्रह कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि यदि हमनें हाल ही में भूकंप का अनुभव किया है या समाचार पर किसी आपदा को देखा है, तो हम यह सोचने की अधिक संभावना रखते हैं कि हम संवेदनशील हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि इनमें से कई घटनाएँ पूरी तरह से यादृच्छिक हैं और हाल ही में हुई आपदा के बाद हमारे नुकसान का सामना करने की संभावना पहले जैसी ही रहती है।

दूसरा पूर्वाग्रह जो बहुत से खराब जोखिम-प्रबंधन निर्णयों का कारण बनता है, वह है हानि से परहेज। हम पैसे खोने से नफरत करते हैं, इसलिए हम किसी प्रकार के नुकसान को रोकने के लिए बीमा उत्पाद खरीदने के लिए ललचाते हैं। यदि आप एक नुकसान के बाद अपनी भावनाओं को नियंत्रित कर सकते हैं, तो समय के साथ आप अधिक धनवान होंगे। इसका कारण यह है कि बीमा महंगा होता है। जब भी आप बीमा खरीदते हैं, तो आप अपनी अपेक्षित संपत्ति को कम करते हैं। यह स्वीकार करना कि बीमा कभी भी धन अधिकतम नहीं करता, अच्छे बीमा निर्णय लेने का पहला कदम है।

हम बीमा क्यों खरीदते हैं? यदि हम समय के साथ अपने खर्च को संतुलित करने में सक्षम होते हैं, तो हम खुश रहते हैं। यदि आप विकलांग हो जाते हैं या अपना घर खो देते हैं, तो इसका आपके खुश रहने पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा क्योंकि आपके खर्च में गिरावट आएगी। इस खर्च में कमी को हम बीमा खरीदकर रोकने की कोशिश कर रहे हैं। आप एक अप्रत्याशित खतरे से बड़े नुकसान से बचने के लिए बीमा प्रीमियम के माध्यम से एक छोटे नुकसान को स्वीकार करते हैं।

अवधि-व्यवसायिक नुकसान के बारे में चिंता न करें। यदि आप हर बार जब नया उत्पाद खरीदते हैं बीमा खरीदते हैं, तो लंबे समय में आपके पास उस जोखिम को बनाए रखने की तुलना में बहुत कम धन होगा। जोखिम

बनाए रखना का मतलब है कि आप जानते हैं कि एक जोखिम मौजूद है, लेकिन आप तर्कसंगत रूप से निर्णय लेते हैं कि आप उस जोखिम के खिलाफ खुद को बीमा करने के लिए कोई वित्तीय उत्पाद नहीं खरीदेंगे।

बीमा कब खरीदें

जब नुकसान की संभावना कम हो और नुकसान का आकार बड़ा हो, तब बीमा खरीदने पर विचार करना तर्कसंगत होता है। एक अच्छा रणनीति है जोखिम बनाए रखने की सीमा बनाना, जो एक डॉलर की राशि है जिसके नीचे आप सभी जोखिमों को बनाए रखेंगे। यह एक अच्छी रणनीति है कि आप छोटे जोखिमों को जाने दें ताकि आप बड़े नुकसान को बीमा करने पर ध्यान केंद्रित कर सकें। यह सीमा आपकी संपत्ति और यदि नुकसान होता है तो उसे कवर करने की आपकी क्षमता पर आधारित होनी चाहिए। इसका मतलब यह हो सकता है कि आप कुछ अधिक धन तरल बचत खाते में रखें, बस मामले में।

अधिकांश बीमा की औसत लागत प्रीमियम और बीमा कंपनी द्वारा औसतन दावों में दी गई राशि के बीच का अंतर है। यदि आप कार बीमा के लिए 1,000 डॉलर का भुगतान करते हैं, तो आप औसतन लगभग 600 डॉलर दावों में वापस पाने की उम्मीद कर सकते हैं। इसलिए,

यदि बीमा एक निवेश होता, तो आपको अपने प्रीमियम निवेश पर −40 प्रतिशत की दर से वापसी मिलती। उस जोखिम को बनाए रखकर, यह औसतन 40 प्रतिशत की वापसी प्राप्त करने के समान है। आप किसी निवेश पोर्टफोलियो में ऐसी वापसी नहीं प्राप्त करेंगे; यही वह तरीका है जिससे आप समय के साथ धन का निर्माण करते हैं।

बीमा कटौती वह राशि है जो बीमा कंपनी आपके दावे से घटाती है जब नुकसान होता है। कटौती का कारण यह सुनिश्चित करना है कि आपके पास नुकसान से बचने के लिए कुछ प्रेरणा हो। चूंकि दावों की प्रक्रिया महंगी होती है, बीमा कंपनी कई छोटे दावों के साथ निपटने से बचना चाहती है। कटौती दावों की आवृत्ति को कम करती है।

इसके अलावा, कटौती उस चीज़ को कम करती है जिसे नैतिक जोखिम कहा जाता है, जो तब होता है जब लोग बीमित होने पर थोड़ा अधिक लापरवाह व्यवहार करते हैं। यदि आपके पास बड़ा बीमा कटौती है, तो आप बर्फीले दिन काम पर जाने के लिए ड्राइव करने का विकल्प नहीं चुनेंगे, लेकिन यदि आपके पास एक छोटा है, तो आप जोखिम लेंगे। बीमा कंपनियाँ यह सुनिश्चित करके कि ग्राहकों के पास कटौती के माध्यम से कुछ दांव है, नैतिक जोखिम की लागत को कम कर सकती हैं। यह आपके लिए भी काम करता है, क्योंकि आप एक उच्च कटौती चुनकर अपने बीमा प्रीमियम पर काफी बचत कर सकते हैं।

जीवन बीमा

सबसे महत्वपूर्ण बीमा का प्रकार आपके मानव पूंजी, या पैसे कमाने की आपकी क्षमता की सुरक्षा करता है। जीवन बीमा आपको समय से पहले मृत्यु के कारण पैसे कमाने की क्षमता के नुकसान से बचाता है। इसलिए, आपको केवल उन घरों में पैसे कमाने वालों के लिए जीवन बीमा खरीदना चाहिए—क्योंकि इसका उद्देश्य उनकी आय कमाने की क्षमता को बदलना है।

टर्म लाइफ इंश्योरेंस, या जीवन बीमा जो एक निर्दिष्ट संख्या के वर्षों के लिए कवरेज प्रदान करता है, शायद आज बाजार में सबसे आकर्षक बीमा उत्पाद है। टर्म लाइफ इंश्योरेंस के लिए कीमतें इंटरनेट पर मूल्य प्रतिस्पर्धा के कारण काफी कम हो गई हैं, इसलिए यह सस्ता है। और यह युवा परिवारों के लिए सबसे सस्ता है, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है। टर्म लाइफ इंश्योरेंस अन्य बीमा उत्पादों की तुलना में एक अच्छा निवेश है।

कई कर्मचारियों को अपने नियोक्ता के माध्यम से समूह टर्म लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियों को खरीदने का विकल्प होता है। ये एक अच्छा सौदा हो सकते हैं, लेकिन पहले बाजार में खोजें। आप यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आपके पास पर्याप्त कवरेज हो। साधारण नियम कहते हैं कि श्रमिकों को टर्म लाइफ इंश्योरेंस में अपनी आय का 10 गुना होना चाहिए।

लेकिन यह संख्या जीवन चक्र के बाद में कम होगी अगर उत्तरजीवियों की जरूरतें कम हैं। और यह जीवन चक्र के प्रारंभ में अधिक हो सकती है।

एक रणनीति यह है कि शैक्षिक खर्चों को पूरी तरह से वित्तपोषित करने, एक बंधक चुकाने, और 15 वर्षों के बाद के करों के घरेलू खर्चों का भुगतान करने के लिए आवश्यक राशि का अनुमान लगाया जाए। युवा परिवारों के लिए, एक बड़ा गुणांक का उपयोग करें, और पुराने घरों के लिए, आय का कम गुणांक का उपयोग करें।

पूर्ण जीवन बीमा आपके पूरे जीवन के लिए कवरेज प्रदान करने के लिए होता है। क्योंकि जीवन के बाद के चरण में कवरेज की लागत पहले की तुलना में अधिक होती है, इसलिए समान कवरेज के लिए आपके प्रीमियम काफी अधिक होंगे। जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, टर्म बीमा और पूर्ण जीवन बीमा दोनों महंगे होते जाते हैं क्योंकि आपकी मृत्यु का जोखिम हर वर्ष बढ़ता है।

जब आप बूढ़े होते हैं और आपके पास कोई आश्रित नहीं होता है, तो आपको वास्तव में जीवन बीमा की आवश्यकता नहीं होती। इसलिए, जब आप युवा होते हैं, तो इसके लिए भुगतान करना कोई समझदारी नहीं है। पूर्ण जीवन उत्पादों पर कमीशन अधिक होते हैं, इसलिए यदि आप किसी बीमा एजेंट से मिलते हैं, तो आप पाएंगे कि आपको किसी प्रकार के पूर्ण जीवन उत्पाद को बेचा जा रहा है—इनके लिए कई अलग-अलग नाम हैं। अधिकांश घरों के लिए, इन्हें भुला दें और टर्म खरीदें।

अक्षमता बीमा

मानव पूंजी की सुरक्षा के लिए दूसरा बीमा प्रकार अक्षमता बीमा है। अक्षमता बीमा का एक बड़ा मुद्दा यह है कि कई लोग जो सोचते हैं कि वे अक्षम हो सकते हैं, उत्पाद खरीदते हैं और फिर दावा करते हैं। इसे प्रतिकूल चयन कहा जाता है: यदि बीमा खरीदार अपने वास्तविक जोखिम के बारे में बीमा कंपनी से अधिक जानता है, तो उच्चतम जोखिम वाले खरीदार अधिक बीमा खरीदेंगे। इससे लागत बढ़ती है और निजी बाजार में अक्षमता बहुत महंगी हो जाती है।

अक्षमता खरीदने का सबसे अच्छा तरीका अपने नियोक्ता के माध्यम से समूह नीति में है। आपको समूह अक्षमता के लिए साइन अप करने के लिए अपने कर्मचारी लाभ कार्यालय से जांच करनी होगी, लेकिन यदि आपके पास विकल्प है, तो आपको निश्चित रूप से अपने वेतन से अक्षमता प्रीमियम कटवाने चाहिए ताकि अक्षमता कवरेज मिल सके। अक्षमता से होने वाले नुकसान को समय से पहले मृत्यु से होने वाले नुकसान के बराबर मानें, सिवाय इसके कि श्रमिक अभी भी जीवित है। इसलिए, अक्षमता की जरूरतें जीवन बीमा की जरूरतों के समान महत्वपूर्ण हैं।

सरकार विकलांगता बीमा सामाजिक सुरक्षा के माध्यम से प्रदान करती है। जिस राशि का भुगतान किया जाता है, वह बहुत छोटी होती है, और विकलांगता की परिभाषा बहुत कठोर होती है, इसलिए अधिकांश श्रमिकों को पूरी तरह से सामाजिक सुरक्षा विकलांगता पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। योग्य होने के लिए आपको पूरी तरह से विकलांग होना चाहिए—इसका मतलब है कि आप किसी भी काम करने में असमर्थ हैं।

विकलांगता जैसे बीमा उत्पाद जो समय के साथ नियमित भुगतान प्रदान करते हैं, में एक कटौती योग्य विशेषता होती है जिसे समाप्ति अवधि कहा जाता है, जो यह है कि आपको पहले भुगतान से पहले कितनी देर इंतजार करना होगा। एक लंबी समाप्ति अवधि का अर्थ होगा कम बीमा प्रीमियम, जैसे कि एक कटौती योग्य। अपने जोखिम को बनाए रखने की क्षमता के बारे में सोचें और उस उच्चतम समाप्ति अवधि का चुनाव करें जिसे आप वहन कर सकते हैं।

गृहस्वामी बीमा

आपका घर आपका दूसरा सबसे मूल्यवान संपत्ति है। अच्छी खबर यह है कि, टर्म लाइफ बीमा के बाद, गृहस्वामी बीमा शायद दूसरा सबसे कुशल बीमा उत्पाद है। वास्तव में, एक गृहस्वामी बीमा नीति एक अत्यंत महत्वपूर्ण बीमा उत्पाद में विकसित हो गई है जो न केवल आपके घर के मूल्य को कवर करती है बल्कि आपके घर के अंदर और बाहर की संपत्ति और मुकदमे से सुरक्षा भी प्रदान करती है।

अधिकांश गृहस्वामियों के लिए, बेसिक गृहस्वामी पॉलिसी, जिसे HO-3 पॉलिसी के रूप में भी जाना जाता है, पर टिके रहना समझदारी है। एक गृहस्वामी पॉलिसी के तीन बुनियादी भाग होते हैं: निवास का कवरेज, सामग्री का कवरेज, और देयता सुरक्षा।

गृहस्वामी पॉलिसी को एक ओपन-परिल पॉलिसी के रूप में जाना जाता है, जिसका मतलब है कि यह उन कारणों से होने वाले नुकसान को कवर करती है जो विशेष रूप से बाहर रखे गए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बाहर रखे गए खतरों में बाढ़ और भूकंप शामिल हैं। यदि आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां ये खतरे मौजूद हैं, तो आपको कवरेज प्रदान करने के लिए एक अलग पॉलिसी जिसे एन्डोर्समेंट कहा जाता है, प्राप्त करनी होगी।

आपका निवास कवर किया गया है, जैसे कि एक गैर-संलग्न भवन, जैसे कि गैरेज, जो घर के मूल्य का 10 प्रतिशत तक हो सकता है। यदि आप किसी घटना के बाद घर में रहने में असमर्थ हैं, तो रहने के खर्च का कवरेज घर के मूल्य का 20 प्रतिशत तक होता है।

आपकी वस्तुएं, या व्यक्तिगत संपत्ति, घर के मूल्य का 70 प्रतिशत तक कवर की जाती हैं। यह काफी है, लेकिन अधिकांश नीतियां केवल संपत्ति के वास्तविक नकद मूल्य को कवर करती हैं। इसलिए, आप अपनी पुरानी इलेक्ट्रॉनिक्स और फर्नीचर के मूल्य में कमी को कवर कर रहे हैं, न कि जब वे नए थे तब उनके मूल्य को। आप प्रतिस्थापन मूल्य बीमा भी ले सकते हैं, जो नए आइटम खरीदने की लागत को कवर करेगा। सुनिश्चित करें कि आप अपने घर की सभी वस्तुओं का वीडियो बनाएं ताकि आप आपदा के मामले में अपने घर की सामग्री का सबूत रख सकें।

आपका गृहस्वामी बीमा व्यक्तिगत देयता के लिए 100,000 डॉलर तक का कवरेज प्रदान करता है। लेकिन यह शायद पर्याप्त नहीं है। आपको अतिरिक्त देयता सुरक्षा प्रदान करने के लिए जिसे छाता बीमा कहा जाता है, की आवश्यकता है। छाता बीमा बड़ा होता है—एक मिलियन डॉलर या उससे अधिक—और यह सस्ता होता है। मुकदमा होना एक बड़ा जोखिम

है, इसलिए आपको निश्चित रूप से छाता बीमा की आवश्यकता है। एक अच्छी रणनीति यह है कि आप कटौतियों को बढ़ाएं और प्राप्त राशि का उपयोग छाता बीमा खरीदने के लिए करें।

कार बीमा

कार बीमा गृहस्वामी बीमा के समान महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन इसका कारण यह नहीं है कि यह आपके वाहन के मूल्य की रक्षा करता है। ड्राइविंग सबसे सामान्य देयता जोखिम का सामना करती है। अधिकांश राज्यों में न्यूनतम देयता सुरक्षा की आवश्यकता होती है, लेकिन ये न्यूनतम आवश्यकताएँ किसी भी व्यक्ति के लिए जो संपत्ति की रक्षा करना चाहता है, के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

जब आप छाता बीमा खरीदते हैं, तो आपका बीमाकर्ता आपको अपनी ऑटो पॉलिसी पर बहुत उच्च देयता सीमाएँ प्राप्त करने के लिए मजबूर करेगा—आमतौर पर आधा मिलियन डॉलर। इससे आपके कार बीमा की दरें बढ़ सकती हैं, लेकिन यह आवश्यक है।

अपने स्वयं के कार पर कवरेज वास्तव में कम आवश्यक है। टकराव बीमा किसी भी टकराव से होने वाले नुकसान को कवर करता है, चाहे गलती किसकी हो। व्यापक बीमा उन नुकसानों को कवर करता है जो किसी टकराव के बाहर आपकी कार को नुकसान पहुंचाने वाली घटनाओं से होते हैं, जैसे कि ओलों से नुकसान या बाढ़।

अन्य प्रकार के संपत्ति बीमा के साथ, कवरेज खरीदने पर निर्णय लेते समय अपने जोखिम बनाए रखने की सीमा का उपयोग करें और अपनी कटौती को अधिकतम करें। अधिकांश लोगों को अधिक देयता सुरक्षा की आवश्यकता होती है जिसे वे उच्च कटौतियों के साथ और पुरानी कारों पर टकराव और व्यापक को छोड़कर भुगतान कर सकते हैं।

विचार करने के लिए प्रश्न

एक व्यक्ति के लिए जोखिम प्रबंधन का लक्ष्य क्या है, और घरेलू जोखिम का प्रबंधन करना एक निगम के जोखिम प्रबंधन से कैसे भिन्न है?

लोग सबसे आवश्यक बीमा क्यों नहीं खरीदते, और वे जीवन चक्र ढांचे के अनुसार सबसे कम मूल्यवान बीमा की ओर क्यों आकर्षित हो सकते हैं?

न्याय का सिद्धांत

इस व्याख्यान का उद्देश्य आपको यह समझाने में मदद करना है कि अमेरिका का कर प्रणाली कैसे काम करती है। आपको कर प्रणाली की बुनियादी बातें समझने के लिए एक लेखा परीक्षक होने की आवश्यकता नहीं है। अधिकांश लोगों के लिए, सबसे महत्वपूर्ण कर नियम इतने कठिन नहीं हैं अगर आप कुछ बुनियादी सिद्धांतों को समझते हैं। यह व्याख्यान संघीय आयकर प्रणाली पर केंद्रित होगा, क्योंकि यह सभी संघीय राजस्व का लगभग आधा हिस्सा बनाता है और इसका उपयोग राज्य आयकरों की गणना के लिए किया जाता है। पेरोल टैक्स सरकार के राजस्व का एक तिहाई हिस्सा बनाते हैं, लेकिन उन्हें कर योजना के माध्यम से कम करना इतना आसान नहीं है।

संघीय कर

संयुक्त राज्य अमेरिका में, औसत परिवार अपनी आय का लगभग 12 प्रतिशत संघीय कर के रूप में चुकाता है। यहां तक कि सबसे ऊंचे एक प्रतिशत परिवार भी केवल लगभग 25 प्रतिशत का भुगतान करते हैं। हमारे पास अन्य कर भी हैं, जैसे बिक्री कर, सामाजिक सुरक्षा जैसे पेरोल कर, और संपत्ति कर, साथ ही राज्य आयकर—इसलिए कर अधिकांश परिवारों के लिए अभी भी एक महत्वपूर्ण खर्च हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका में कर प्रणाली प्रगतिशील है। इसका मतलब है कि, करोड़पतियों के लिए भी, हम पहले डॉलर पर बहुत कम कर दर का भुगतान करते हैं जो हम कमाते हैं, जो कि एक कर श्रेणी के रूप में जाना जाता है, और फिर अगली कर श्रेणी के लिए थोड़ी अधिक कर दर, और इसी तरह। अधिकांश करदाता उच्चतम कर श्रेणी (39.6 प्रतिशत) के करीब भी नहीं पहुंचेंगे।

प्रगतिशील कराधान का मतलब है कि उच्च आय वाले नागरिक अपनी आय का एक उच्च प्रतिशत कर के रूप में चुकाते हैं। चूंकि वे अधिक पैसा कमाते हैं, इसका मतलब है कि उच्च आय वाले अमेरिकियों ने संघीय सरकार को आयकर प्रणाली के माध्यम से प्राप्त होने वाले अधिकांश करों का भुगतान किया। शीर्ष 10 प्रतिशत कमाने वाले 70 प्रतिशत से अधिक करों का भुगतान करते हैं। इसका मतलब यह भी है कि शीर्ष कमाने वालों के पास अपनी कर योग्य आय को कम करके सबसे अधिक लाभ उठाने का अवसर होता है।

सकल आय सामान्यतः वह पैसा होता है जो आपके पास एक प्रवाह के रूप में आता है, और यह अर्जित या अनर्जित हो सकता है। अर्जित आय में वेतन, वेतन, परामर्श के रूप में आपने जो पैसा कमाया है, टिप्स, या आपके समय के लिए प्राप्त कोई अन्य मुआवजा शामिल है। अनर्जित आय में बचत खाते पर अर्जित ब्याज, निवेश संपत्ति से रेंट, या पेंशन जैसी चीजें शामिल होती हैं।

सरकार छोटे-छोटे अर्जित धन की रिपोर्टिंग के लिए बहुत सख्त हो गई है, इसलिए आपको वर्ष के शुरू में अधिक कर फॉर्म मिल सकते हैं। इसके अलावा, यदि आप अपना व्यवसाय चलाते हैं, तो आपको एक विशेष फॉर्म भरना होगा जिसे शेड्यूल C कहा जाता है, जहां आप अपने राजस्व और

व्यावसायिक खर्चों को सूचीबद्ध करते हैं। यदि आपके पास कोई शौक या ऑनलाइन साइड बिजनेस है जो आय उत्पन्न करता है, तो आपको शेड्यूल C फॉर्म भरना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप अपने सभी खर्चों और बिक्री का रिकॉर्ड रखें।

कटौतियाँ

एक कटौती उस आय की राशि को कम करती है जिसका उपयोग हम अपने करों की गणना करने के लिए करते हैं। ऊपर की लाइन की कटौतियाँ उस आय की राशि से पहले ली जाती हैं जिसका उपयोग हम संघीय आयकरों की गणना और अन्य प्रकार की कटौतियों के लिए पात्रता का अनुमान लगाने के लिए करते हैं—जिसे समायोजित सकल आय के रूप में भी जाना जाता है। सरकार उच्च आय वाले परिवारों के लिए कटौतियों और छूटों को धीरे-धीरे समाप्त करने लगी है, इसलिए आपकी समायोजित सकल आय को कम करना भविष्य में और भी महत्वपूर्ण होने वाला है।

सबसे सामान्य "एबव-दी-लाइन" कटौती वह राशि है जो आप एक रिटायरमेंट खाते जैसे 401(k) या IRA में बचाते हैं। एक कर-शेल्टर्ड रिटायरमेंट खाते में बचत करके, आप आज अपनी आय को उस राशि से कम कर सकते हैं जो आपने बचाई है। यह ध्यान में रखें कि जब आप रिटायर होने के बाद इसे वापस निकालते हैं, तो आपकी रिटायरमेंट बचत पर आय के रूप में कर लगाया जाएगा, इसलिए इन खातों का मुख्य लाभ यह है कि आप अपने कामकाजी वर्षों के दौरान, जब आप संभवतः उच्च कर श्रेणी में होते हैं, उन्हें करों से सुरक्षित रख सकते हैं।

अन्य "एबव-दी-लाइन" कटौतियों में छात्र ऋण पर व्याज, स्थानांतरण खर्च, भरण-पोषण, स्वास्थ्य बीमा, और व्यवसाय मालिकों के लिए आत्म-नियोजित कर शामिल हैं। आपकी कुल आय में से ये कटौतियाँ घटाने के बाद जो राशि बचती है, उसे आपके समायोजित सकल आय कहा जाता है। अब आप "बिलो-दी-लाइन" कटौतियों की ओर बढ़ सकते हैं।

सरकार वास्तव में आपसे केवल उस राशि पर कर लगाना चाहती है जो आप सबसे बुनियादी जीवन व्यय के ऊपर कमाते हैं, इसलिए यह आपको इस राशि से अपनी आय को कम करने की अनुमति देती है। हर किसी को एक मानक कटौती मिलती है, जो एकल व्यक्ति के लिए लगभग 6,000 डॉलर और विवाहित जोड़े के लिए 12,000 डॉलर है। फिर, आपको एक छूट मिलती है—जो वास्तव में एक अतिरिक्त कटौती के लिए एक अलग शब्द है—प्रत्येक करदाता और प्रत्येक आश्रित के लिए लगभग 4,000 डॉलर।

मानक कटौती लेने के बजाय, 30 प्रतिशत अमेरिकियों को अपनी कटौती का आइटमाइजेशन करके और भी अधिक कर-मुक्त आय मिलती है—यानी, यदि कुल मानक कटौती से अधिक है तो वे अपनी कटौती योग्य खर्चों को आइटम के रूप में रिपोर्ट करते हैं। सबसे बड़ी आइटमाइज्ड कटौतियाँ आपकी राज्य और स्थानीय आय कर, आपके बंधक ब्याज की कटौती, संपत्ति कर और चैरिटेबल दान हैं।

यदि आपके पास घर नहीं है और आपकी आय मामूली है, तो आपको मानक कटौती लेना बेहतर हो सकता है। लेकिन इतनी सारी अमेरिकियों को करों में बहुत अधिक पैसा चुकाने का कारण यह है कि वे उस समय आइटमाइज नहीं करते जब उन्हें करना चाहिए।

यदि आपकी आय 100,000 डॉलर से कम है और आपके पास कोई आश्रित नहीं है, तो आप एक विशेष कर फॉर्म भर सकते हैं जो केवल मानक कटौती का उपयोग करता है। इसे 1040EZ कहा जाता है, और इसे भरना वास्तव में आसान है—कर तैयारी करने वाले के पास जाने की आवश्यकता नहीं है। वास्तव में, सबसे बड़े कर सॉफ़्टवेयर कंपनियों के पास 1040EZ के मुफ्त संस्करण हैं जिन्हें आप ऑनलाइन दाखिल कर सकते हैं। यदि आपकी आय 58,000 डॉलर से कम है, तो आप सीधे IRS फ्री फाइल ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से जा सकते हैं, कुछ नंबर टाइप कर सकते हैं, और लगभग एक सप्ताह के भीतर अपने रिफंड को सीधे जमा करवा सकते हैं।

1040A भी एक काफी सरल दो-पृष्ठ का कर फॉर्म है। 1040A उन करदाताओं के लिए है जो 100,000 डॉलर से कम कमाते हैं और जो आइटमाइज नहीं करते, लेकिन आपके पास आश्रित हो सकते हैं।

यदि आप आइटमाइज करते हैं, तो आप फॉर्म 1040 का उपयोग करेंगे, जिसे लंबे फॉर्म के रूप में भी जाना जाता है। वास्तव में, 1040 1040A से अधिक लंबा नहीं है; यह अभी भी केवल दो पृष्ठों का है। लेकिन यह आपको 1040 में जोड़े जाने वाले 11 संभावित अनुसूचियों में से एक को शामिल करने की अनुमति देता है। यहीं कंप्यूटर प्रोग्राम मददगार होते हैं यह पता लगाने में कि आपको कौन सी अनुसूचियाँ चाहिए, आपको उन्हें भरने में मदद करते हैं, और फिर नंबरों को 1040 में वापस डालते हैं।

अनुसूची A का उपयोग हम कटौतियों का अनुमान लगाने के लिए करते हैं। अन्य अनुसूचियाँ मुख्य रूप से आपको आय के अन्य स्रोतों का अनुमान लगाने में मदद करती हैं। उदाहरण के लिए, अनुसूची B ब्याज और लाभांश आय के लिए है, जबकि अनुसूची C आत्म-नियोजित आय का अनुमान लगाने के लिए उपयोग की जाती है। यदि आपके पास किरायेदारी संपत्ति है, तो आप अनुसूची E भरेंगे, और इसी तरह।

जब हमने अनुसूची A से कटौतियों का अनुमान लगाया है, तो हम उस राशि और हमारी छूट को समायोजित सकल आय से घटाते हैं। यह हमें हमारी कर योग्य आय देता है। प्रासंगिक कर श्रेणी वह प्रतिशत है जो आप उस अगले डॉलर पर कर के रूप में चुकाएंगे जो आप कमाते हैं। कार्य या ब्याज के माध्यम से कमाई गई किसी भी डॉलर पर इस दर से कर लगाया जाएगा।

कर क्रेडिट

कर कटौती आपके कर योग्य आय को कटौती के राशि से कम कर देती है। कर क्रेडिट वह सीधा कमी है जो आपको अपने बकाया करों की राशि में मिलती है। कर क्रेडिट सरकार द्वारा दिए गए बहुत मजबूत प्रोत्साहन होते हैं, क्योंकि कर क्रेडिट में मिला प्रत्येक डॉलर हमारे जेब में एक डॉलर के समान है।

अन्य कर क्रेडिट में लाइफटाइम लर्निंग क्रेडिट और शैक्षणिक खर्चों के लिए अमेरिकन अवसर क्रेडिट शामिल हैं। सेवर क्रेडिट, जिसे पहले रिटायरमेंट सेविंग्स योगदान क्रेडिट के नाम से जाना जाता था, मध्यम आय वाले श्रमिकों के लिए अच्छा हो सकता है।

एक और महत्वपूर्ण कर क्रेडिट जो निम्न-आय वाले श्रमिकों के लिए है, वह है अर्जित आय कर क्रेडिट, जो आपको प्रत्येक कमाए गए डॉलर पर क्रेडिट देता है। इसका विचार यह है कि यह आपको काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है, एक निश्चित आय स्तर तक, लगभग 15,000 से 25,000 डॉलर के लिए, जहाँ एक एकल माता-पिता के दो बच्चे होते हैं। इस राशि के बाद प्रत्येक कमाए गए डॉलर पर प्रोत्साहन कम होता है।

कर क्रेडिट रिफंडेबल या नॉनरिफंडेबल हो सकते हैं। रिफंडेबल का मतलब है कि सरकार आपको नकारात्मक कर का भुगतान करने की अनुमति देगी, जिसका अर्थ है कि सरकार आपको पैसे देगी। यदि आपका कर बिल कुछ नहीं है, तो आप नॉनरिफंडेबल कर क्रेडिट जैसे कि बाल देखभाल और रिटायरमेंट सेवर क्रेडिट का उपयोग नहीं कर सकते। इसे और जटिल बनाने के लिए, कुछ क्रेडिट आंशिक रूप से रिफंडेबल होते हैं। लेकिन एक कर कार्यक्रम यह आपके लिए समझा देगा।

करों का भुगतान
जब आप कर क्रेडिट घटा लेते हैं, तो आपको अंततः अपना कर बिल मिलेगा—या, यदि आपके पास रिफंडेबल क्रेडिट हैं, तो सरकार वास्तव में आपको पैसे दे सकती है। अधिकांश अमेरिकियों को करों का भुगतान नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि हर महीने आपके वेतन से कर काटा जाता है। लेकिन आप यह चुनते हैं कि हर महीने कितना पैसा काटा जाएगा।

यदि आपको लगता है कि आप लगातार एक बड़ा रिफंड प्राप्त कर रहे हैं, तो आप अपनी W-4 फॉर्म को बदल सकते हैं, जो आपके नियोक्ता को बताता है कि वेतन से कितना पैसा अलग रखा जाए। इसमें मदद लेना बेहतर हो सकता है, क्योंकि यदि आप पर्याप्त पैसा नहीं काटते हैं, तो आपको दंडित किया जाएगा। कई लोग रिफंड प्राप्त करने में कोई आपत्ति नहीं करते हैं क्योंकि यह एक मजबूर बचत उपकरण है, और जब ब्याज

दरें कम होती हैं, तो सरकार को अपना पैसा रखने देने में ज्यादा समझौता नहीं होता।

चूंकि अधिकांश श्रमिकों के पास उनके करों से ज्यादा पैसे काटे जाते हैं, उन्हें एक कर रिफंड मिलेगा। यदि आप अपना रिफंड सीधे जमा कराते हैं, तो पैसे के खाते में आने में लगभग एक से दो सप्ताह लगेंगे। यदि आपको एक मजबूर बचत उपकरण की आवश्यकता है, तो रिफंड खर्च करने की योजना पहले से बनाना एक अच्छा विचार हो सकता है।

अन्य घरों को अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है क्योंकि वे अपने नियोक्ता से प्राप्त वेतन के अलावा भी पैसे कमाते हैं। इस मामले में, आपको अपने कर बिल का अनुमान लगाना होगा और ब्याज शुल्क और अधिभार से बचने के लिए नियमित त्रैमासिक भुगतान करना होगा। यदि आपके पास किरायेदारी या अन्य स्वरोजगार का आय है, तो एक आसान समाधान यह है कि आप अपने प्राथमिक नियोक्ता से अपने वेतन से थोड़ा अधिक कटवाने के लिए W-4 फॉर्म का उपयोग करें।

एक बार जब आप अपना संघीय कर फॉर्म भर लेते हैं, तो आपके पास अधिकांश राज्यों के लिए राज्य कर फॉर्म भरने के लिए आवश्यक आंकड़े होंगे। एक कम समायोजित सकल आय होने का एक और लाभ यह है कि कई राज्य इस संख्या का उपयोग राज्य कर का अनुमान लगाने के लिए करते हैं। राज्य आय करों में बहुत भिन्नता होती है।

वेतनकर और संपत्ति कर

जबकि कर संघीय राजस्व का आधा हिस्सा बनाते हैं, वेतनकर लगभग एक तिहाई का हिस्सा बनाते हैं। वेतनकर मेडिकेयर और सामाजिक सुरक्षा के लिए निकाले जाते हैं। वेतनकर आयकर की तुलना में कम प्रगतिशील होते हैं क्योंकि सभी एक ही प्रतिशत का भुगतान करते हैं।

सामाजिक सुरक्षा के लिए, हम अपनी कुल वेतन आय का 6.2 प्रतिशत भुगतान करते हैं, और हमारा नियोक्ता भी यही करता है। इसलिए, 401(k) में पैसे डालने जैसी चीज़ें सामाजिक सुरक्षा में आपके योगदान को कम नहीं करेंगी। सामाजिक सुरक्षा कर वास्तव में तब समाप्त हो जाता है जब आपकी आय लगभग 120,000 डॉलर हो जाती है।

मेडिकेयर कर सभी आय पर 2.9 प्रतिशत होता है, जिसमें से आधा नियोक्ता द्वारा भुगतान किया जाता है। मेडिकेयर के लिए कोई आय सीमांकन नहीं है। वास्तव में, अगर आप विवाहित जोड़ों के लिए 250,000 डॉलर से अधिक कमाते हैं, तो आपको 0.9 प्रतिशत अतिरिक्त भुगतान करना होगा। वर्तमान में, मेडिकेयर सामाजिक सुरक्षा की तुलना में खराब स्थिति में है, इसलिए यदि भविष्य में यह संख्या बढ़ती है तो आश्चर्यचकित न हों।

वेतनकर को एक प्रकार की बाध्यकारी बचत के रूप में सोचें: सरकार आपके वेतन से सामाजिक सुरक्षा रिटायरमेंट बचत का कर काटती है, लेकिन बाद में जीवन में इसे वापस देती है। निम्न आय वाले व्यक्तियों को उनके सामाजिक सुरक्षा बचत पर उच्च रिटर्न मिलेगा, जबकि उच्च आय वाले व्यक्ति लगभग वही प्राप्त करेंगे जो उन्होंने डाला है। मेडिकेयर भी इसी तरह काम करता है।

हम जो अन्य महत्वपूर्ण कर चुकाते हैं वह संपत्ति कर है, जिसे हम या तो अपने बंधक कंपनी के माध्यम से चुकाते हैं या, जब हमने बंधक चुका दिया है, तो सीधे उस शहर को भुगतान करते हैं जिसमें हम रहते हैं। इसका मतलब है कि संपत्ति कर, विशेष रूप से उन जगहों पर जहां पुराने गृहस्वामी हैं जिनके पास कोई बंधक नहीं है, आयकर की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हैं। हम इन्हें अधिक ध्यान से देखते हैं, और जब ये बढ़ते हैं तो हम आमतौर पर शिकायत करते हैं। आयकर समय के साथ संपत्ति कर की तुलना में तेजी से बढ़ने की प्रवृत्ति रखते हैं।

विचार करने के लिए प्रश्न

ऊपर-लाइन कटौतियाँ इतनी मूल्यवान क्यों हैं?

एक कर कोड के कल्याणकारी परिणाम क्या हैं जिसमें कई कटौतियाँ शामिल हैं और जो अक्सर एक औसत करदाता के लिए समझना कठिन होता है?

रिटायरमेंट के लिए बचत

इस व्याख्यान का उद्देश्य सेवानिवृत्ति की बचत प्रक्रिया को स्पष्ट करना है। हम में से अधिकांश का सेवानिवृत्ति का विचार एक निश्चित उम्र में पहुँचकर अपनी नौकरी से दूर जाकर सुखद जीवन बिताने का है। लेकिन यह समझने के लिए कि हमें सेवानिवृत्ति के लिए क्यों बचत करनी चाहिए, यह महत्वपूर्ण है कि पहले यह सोचा जाए कि हम सेवानिवृत्त क्यों होना चाहते हैं, एक अच्छी सेवानिवृत्ति की उम्र क्या है, और जब हम सेवानिवृत्त हों तो हमें क्या करना चाहिए। इस व्याख्यान में, आप जानेंगे

कि सेवानिवृत्ति में आपको कितने पैसे की आवश्यकता होगी और अपने सेवानिवृत्ति लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कैसे निवेश करना है।

सेवानिवृत्ति
सेवानिवृत्ति वही है जो आप इसे बनाते हैं। हम इसे बहुत खराब बना सकते हैं यदि हम बहुत कम बचत करें या गलत तरीके से निवेश करें, या हम इसे बेहतर बना सकते हैं यदि हम सही मात्रा में बचत करें और समझदारी से निवेश करें। अच्छी खबर यह है कि यह उतना कठिन नहीं है जितना लगता है।

पहला कदम आपकी आय प्रतिस्थापन दर का निर्णय लेना है। दूसरे शब्दों में, आप सेवानिवृत्ति के बाद हर साल अपने सेवानिवृत्ति से पहले की आय का कितना हिस्सा खर्च करना चाहते हैं? आय प्रतिस्थापन दर सीधे जीवन चक्र के उपभोग समतलीकरण के सिद्धांत से आती है।

एक सरल सेवानिवृत्ति आय योजना हमारी जीवन स्तर को सेवानिवृत्ति के बाद बनाए रखेगी। हम में से अधिकांश हर महीने जो भी कमाते हैं, उसका 100 प्रतिशत खर्च नहीं करते। पहले, हमारी आय का एक हिस्सा सेवानिवृत्ति की बचत में जाता है। यदि हम हर महीने अपनी आय का 10 प्रतिशत 401(k) में बचाते हैं, तो यह वह पैसा है जो हमारी वेतन में कभी नहीं आता। हमारी प्रतिस्थापन दर अब 90 प्रतिशत हो गई है।

आपके पास कौन से अन्य खर्च हैं जो अब हैं लेकिन सेवानिवृत्ति में नहीं होंगे? एक बंधक पर विचार करें। अधिकांश नए सेवानिवृत्त, यहां तक कि अधिकांश पुराने बेबी बूमर्स, ने अपनी बंधक चुका दी है। यदि आप अब अपनी आय का 15 प्रतिशत बंधक पर खर्च कर रहे हैं, तो यह एक ऐसा खर्च है जो संभवतः आपकी सेवानिवृत्ति में नहीं होगा। गृहस्वामी बीमा और संपत्ति कर को शामिल न करें, क्योंकि आपसेवानिवृत्ति में भी उन्हें रखेंगे। 15 प्रतिशत बंधक भुगतान खोने के बाद, हमारी प्रतिस्थापन दर अब 75 प्रतिशत रह गई है।

आपके पास कार्यकाल के दौरान अन्य खर्च भी हो सकते हैं जो सेवानिवृत्ति में नहीं होंगे। आपको कपड़ों पर उतना खर्च नहीं करना पड़ेगा, और आप हर दिन काम पर commute नहीं करेंगे। आप आज अपने बच्चों पर भी

पैसे खर्च कर रहे होंगे, जो उम्मीद है कि आप सेवानिवृत्ति में खर्च नहीं करेंगे। एक स्पष्ट खर्च जो आपको नहीं होगा, वह है सामाजिक सुरक्षा और मेडिकेयर पेरोल कर, जो आपकी आय का लगभग आठ प्रतिशत है।

लेकिन कुछ खर्च सेवानिवृत्ति में बढ़ सकते हैं। आप अधिक यात्रा करना चाह सकते हैं, और बाद में आपकी स्वास्थ्य देखभाल की लागत भी बढ़ सकती है। आय प्रतिस्थापन दर के लिए एक अच्छा नियम लगभग 65 से 70 प्रतिशत आपके सेवानिवृत्ति से पहले की आय है—यदि यह अधिक है तो आप सेवानिवृत्ति में अपने कार्यकाल के दौरान से बेहतर जीवन जी रहे होंगे। जो श्रमिक एक अधिक संयमित आय पर जीवन यापन करते हैं, उन्हें अपने खर्च को समतल करने के लिए सेवानिवृत्ति के लिए उतना बचाने की आवश्यकता नहीं होती।

आपको कितने पैसे की आवश्यकता होगी?
वित्तीय विशेषज्ञों द्वारा यह अनुमान लगाने के लिए कुछ नियम हैं कि आपको कितनी बचत करनी चाहिए ताकि एक डॉलर की सेवानिवृत्ति आय उत्पन्न हो सके। लेकिन पहले आपको यह समझना होगा कि अधिकांश लोग सेवानिवृत्ति में दो मूल स्रोतों से धन प्राप्त करते हैं: निवेश और वार्षिकी।

यदि आप अपने निवेश से पैसे खर्च करने की योजना बना रहे हैं, तो कई वित्तीय सलाहकार चार प्रतिशत नियम पर आधारित योजनाएँ बनाने का सुझाव देते हैं, जो ऐतिहासिक निवेश वापसी डेटा का उपयोग करके एक सुरक्षित निकासी दर का अनुमान लगाता है। इन अध्ययनों के अनुसार, एक सेवानिवृत्त व्यक्ति हर साल अपने निवेश का लगभग चार प्रतिशत निकाल सकता है, मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किया गया, और यह सुनिश्चित कर सकता है कि 30 वर्षों के बाद उसके पास पैसे खत्म नहीं होंगे यदि वह 65 वर्ष की आयु में शुरू करता है।

गणित बदल जाता है यदि आप सेवानिवृत्त होने के लिए कुछ साल इंतजार करते हैं। प्रत्येक वर्ष जब आप सामाजिक सुरक्षा को टालते हैं, तो आपको एक बड़ा चेक मिलता है—प्रति वर्ष लगभग आठ प्रतिशत की वृद्धि। और बहुत से पेंशन के विपरीत, सामाजिक सुरक्षा का चेक हर साल मुद्रास्फीति के साथ बढ़ता है। इसे बाद में दावा करना एक बहुत

मूल्यवान सेवानिवृत्ति आय रणनीति है। यहां तक कि यदि आप पहले सेवानिवृत्त होते हैं, तो आप कुछ वर्षों तक अपनी बचत पर जी सकते हैं और फिर भी अधिक भुगतान प्राप्त करने के लिए जब आप बड़े हों, तो सामाजिक सुरक्षा का दावा कर सकते हैं।

इसके अलावा, एक साल बाद रिटायर होने पर आपकी अपेक्षित उम्र का एक साल कम होता है। क्योंकि आप काम न करने वाले वर्षों के खर्च को कवर करने के लिए बचत करते हैं, इसलिए आपको कम बचत करनी होगी। यदि आपने रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त बचत नहीं की है, तो आपकी सबसे अच्छी विकल्प शायद कुछ वर्षों तक इंतजार करना है। आप थोड़ा और बचत कर सकते हैं, और आपको बहुत कम की आवश्यकता होगी।

रिटायरमेंट में पर्याप्त फंड सुनिश्चित करने का एक अन्य विकल्प है एक प्राइवेट एन्यूटी खरीदना। एक निश्चित तात्कालिक एन्यूटी खरीदना आपके खुद के पेंशन या बड़े सामाजिक सुरक्षा चेक खरीदने के समान है। यह एक बीमा कंपनी की गारंटी है कि वह अब से लेकर आपकी मृत्यु तक हर महीने एक आय प्रदान करेगी।

अपने रिटायरमेंट धन के एक हिस्से का एन्यूटाइज करना रिटायरमेंट में स्थिर आय बनाने का सबसे आसान तरीका है। अधिकांश अर्थशास्त्री मानते हैं कि रिटायर होने वाले लोगों के लिए यह बेहतर होगा कि वे अपनी रिटायरमेंट बचत का एक बड़ा हिस्सा एन्यूटाइज करें बजाय हर साल बचत से पैसे निकालने के।

एन्यूटीज कुछ सबसे अधिक दुरुपयोग किए जाने वाले वित्तीय उत्पादों में से हैं। निश्चित एन्यूटी एक व्यवहारिक विकल्प हो सकते हैं, लेकिन परिवर्तनशील एन्यूटी में समस्याएँ होती हैं, जो ऐसे निवेश खाते हैं जो उन लोगों के लिए होते हैं जिन्होंने अन्य कर-सुरक्षित बचत विकल्पों का उपयोग समाप्त कर लिया है। बहुत कम वित्तीय विशेषज्ञ आत्मविश्वास से एक अच्छा परिवर्तनशील एन्यूटी उत्पाद चुन सकते हैं। केवल निश्चित एन्यूटी की तलाश करें और सुनिश्चित करें कि आपको प्रतिस्पर्धात्मक आय का उद्धरण मिले।

चाहे आप एन्यूटी खरीदें या चार प्रतिशत नियम का उपयोग करें, हर डॉलर के लिए जो आप रिटायरमेंट में अपने पेंशन और सामाजिक सुरक्षा के अलावा खर्च करना चाहते हैं, आपको 25 डॉलर बचाने की आवश्यकता है। यदि आप लगभग 70 वर्ष की आयु में रिटायर होते हैं, तो आप इसे शायद 20 डॉलर तक कम कर सकते हैं।

आपकी आय की जरूरतों का 25 गुना बचत करना सतर्कता है—कुछ लोग इसे बहुत सतर्कता कहेंगे। रिटायरमेंट खर्च के अध्ययन दिखाते हैं कि हम उम्र बढ़ने पर कम खर्च करने की प्रवृत्ति रखते हैं। हम रिटायरमेंट के पहले दशक के दौरान सबसे सक्रिय होते हैं। सामान्यतः, हमारे 70 के दशक के अंतिम वर्षों और 80 के दशक में खर्च में कमी आती है और केवल तभी बढ़ता है जब हम किसी नकारात्मक स्वास्थ्य घटना का अनुभव करते हैं।

कैसे निवेश करें

चाहे आप किसी कंपनी के लिए काम कर रहे हों या स्व-नियोजित हों, आपके पास 401(k) में निवेश करने का विकल्प है। 401(k) का सबसे अच्छा पहलू यह है कि आपको रिटायरमेंट तक निवेश आय पर कोई कर नहीं देना होगा। यह एक बड़ी बचत है—सरकार का अनुमान है कि वह हर साल कराधीन रिटायरमेंट योजनाओं से लगभग 60 बिलियन की राजस्व हानि करती है।

401(k) का बुरा पहलू यह है कि लोग इसका उपयोग कैसे करते हैं। पहला समस्या यह है कि अधिकांश कर्मचारी पर्याप्त बचत नहीं करते हैं। आश्चर्यजनक रूप से, कई अमेरिकी नियोक्ता मैच का लाभ नहीं उठाते हैं। एक मैच के साथ, कंपनी उसी राशि का योगदान करती है जो आप 401(k) में डालते हैं, आपकी आय के प्रतिशत तक। यह मुफ्त पैसा है—कोई शर्त नहीं।

यदि आप अधिकांश अमेरिकियों की तरह हैं, तो आपको अपने 401(k) में जाने वाली राशि बढ़ाने की आवश्यकता है। युवा या कम आय वाले श्रमिकों को शायद केवल पांच या छह प्रतिशत बचत करने की आवश्यकता हो, लेकिन अधिकांश मध्यवर्गीय श्रमिकों को बच्चों के स्वतंत्र होने और आवास खर्चों के घटने के बाद उस राशि से दोगुना या

अधिक बचत करनी चाहिए। सामान्यतः, आपकी योगदान दर समय के साथ बढ़नी चाहिए।

जब आप 401(k) में योगदान देने का निर्णय लेते हैं, तो आपको यह चुनना होगा कि कैसे निवेश करना है। डिफ़ॉल्ट निवेश आमतौर पर एक लक्षित तिथि फंड कहलाता है। इसे इसीलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें एक लक्षित रिटायरमेंट तिथि होती है। इस प्रकार का निवेश शेयरों और बांडों का विविध मिश्रण होता है, जो जब शेयरों का मूल्य ऊपर या नीचे जाता है, तो अपने आप संतुलित हो जाता है, और जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, यह बांडों का प्रतिशत बढ़ाता है ताकि आप रिटायरमेंट से ठीक पहले बाजार में गिरावट के प्रति उतने कमजोर न हों।

सबसे कम व्यय अनुपात वाले लक्षित तिथि फंड का चयन करें। और यदि आप ऐसे व्यक्ति हैं जो अपनी पोर्टफोलियो के पैसे खोने पर चिंता करते हैं, तो एक लक्षित तिथि चुनें जो इतनी दूर न हो। उदाहरण के लिए, 2020 का लक्षित तिथि फंड 2040 के लक्षित तिथि फंड की तुलना में अधिक बांड और कम शेयर रखेगा। जैसे-जैसे रिटायरमेंट नजदीक आता है, अपने शेयरों का प्रतिशत कम करें और बांडों का प्रतिशत बढ़ाएं। लक्षित तिथि फंड रिटायरमेंट पोर्टफोलियो चुनना आसान बनाते हैं; बस सुनिश्चित करें कि आप एक ऐसा चुनें जिसमें सबसे कम शुल्क हो।

निवेशों को करों से सुरक्षित रखने का एक और तरीका व्यक्तिगत रिटायरमेंट खाता (IRA) है। IRA और 401(k) के बीच का अंतर यह है कि आप एक IRA के माध्यम से निवेश करने का चयन कर सकते हैं जहाँ आपको पसंद हो—केवल अपने नियोक्ता द्वारा उपलब्ध विकल्पों में नहीं। एक और लाभ यह है कि आप अपने पिछले कामों से सभी 401(k) खातों को एकल रिटायरमेंट खाते में समेकित कर सकते हैं।

IRA खोलने से पहले, एक निवेश कंपनी चुनें जो कम शुल्क वाले निवेश विकल्प प्रदान करती हो। फिर, रिटायरमेंट बचत को IRA में स्थानांतरित करने के लिए एक रोलओवर फॉर्म भरें। सुनिश्चित करें कि आपको कोई मदद करने वाला मिले, और कभी भी 401(k) कंपनी को आपको चेक भेजने न कहें, क्योंकि आपको चेक की राशि पर कर लगेगा जैसे कि

आपने उसे निकाला हो। बस सीधे एक कर-शेल्टर्ड खाते से दूसरे में धन का स्थानांतरण करें।

रॉथ IRA के लाभ पीछे की ओर होते हैं; ये मुख्य रूप से भविष्य में होते हैं। पारंपरिक IRA के विपरीत, आप आज रॉथ में निवेश की गई राशि को अपने आय से घटाने का लाभ नहीं उठाते। इसलिए, आपका योगदान आज कर योग्य होता है। लेकिन जब आप पैसा निकालते हैं, तो आपको कोई कर नहीं देना होगा। पारंपरिक IRA या 401(k) से पैसे निकालने पर आपको आयकर देना होगा। गणितीय दृष्टि से, यदि आप रिटायरमेंट से पहले और बाद में समान संघीय आयकर देते हैं, तो यह समानता से काम करता है। दोनों प्रकार के IRA समय के साथ करों से सुरक्षित होते हैं।

किसी भी प्रकार के सुरक्षित रिटायरमेंट खाते में, आप 59 और आधे वर्ष की आयु से बिना दंड के पैसे निकाल सकते हैं। लेकिन पारंपरिक IRA या 401(k) के साथ, आपको 70 और आधे वर्ष की आयु में खाता से पैसे निकालना शुरू करना होगा। ऐसा इसलिए है ताकि सरकार सुनिश्चित कर सके कि आप अंततः पैसे पर कर देंगे। रिटायरमेंट खाते से निकालने के लिए आवश्यक राशि को आवश्यक न्यूनतम वितरण (RMD) कहा जाता है। यह आपकी कुल बचत का एक प्रतिशत होता है जो अपेक्षित दीर्घकालिकता पर आधारित होता है।

आप RMD पर आयकर देंगे। आप पैसे के साथ जो चाहें कर सकते हैं; आप इसे खर्च कर सकते हैं, या आप इसे फिर से एक निवेश खाते में डाल सकते हैं। लेकिन आपको आयकर देना होगा। रॉथ IRA के साथ, आपके पास कोई RMD नहीं होता। आप पैसे को जितना चाहें सुरक्षित रख सकते हैं, आप यह चुन सकते हैं कि कब और कितना निकालना है, और 59 और आधे वर्ष की आयु के बाद आप जो निकालते हैं उस पर आपको कर नहीं देना होगा।

यह रॉथ का एक बड़ा लाभ है। एक और यह है कि आप भविष्य के कर दरों में वृद्धि के खिलाफ सुरक्षित हैं। इसके अलावा, रॉथ IRA में आय सीमाएँ पारंपरिक IRA की तुलना में लगभग दोगुनी होती हैं, इसलिए ऐसे उच्च-मध्यम वर्ग के परिवार जो अब IRA में योगदान देने के लिए योग्य

नहीं हैं, वे रॉथ में पैसे डाल सकते हैं। आप पारंपरिक 401(k) पैसे को रॉथ में रोल कर सकते हैं, लेकिन आपको आज आयकर देना होगा।

प्रश्न विचार करने के लिए
सरकारी कर प्रोत्साहनों का रिटायरमेंट योजना पर जीवन चक्र बचत और खर्च पर क्या प्रभाव पड़ता है?

आपके अनुसार, निर्धारित लाभ से निर्धारित योगदान योजनाओं में परिवर्तन ने अमेरिका में रिटायरमेंट बचत की पर्याप्तता को कैसे बदला है? इस परिवर्तन ने रिटायरमेंट नीति के लक्ष्यों को कैसे प्रभावित किया है, और सिस्टम को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है?

जायदाद योजना के मूलभूत सिद्धांत

इस व्याख्यान में, आप संपत्ति योजना के मूलभूत सिद्धांतों के बारे में जानेंगे। कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों को जानना आवश्यक है ताकि यह

सुनिश्चित किया जा सके कि आपकी इच्छाएं आपकी मृत्यु के बाद पूरी हों और आपके उत्तराधिकारियों को समय और पैसे की बर्बादी से बचाया जा सके। विरासत छोड़ने का मुख्य उद्देश्य प्राप्तकर्ताओं को बेहतर स्थिति में लाना है, और आपकी थोड़ी सी योजना उन लोगों के लिए बड़े लाभ दे सकती है जिन्हें आप पीछे छोड़ते हैं।

वसीयतें

जिंदगी के दौरान, आप संपत्ति इकट्ठा करते हैं—वित्तीय संपत्तियां, ठोस संपत्तियां जैसे घर और अन्य संपत्तियां, और शायद यहां तक कि एक व्यापार भी। आप कुछ कर्ज भी लेते हैं, और आपके ऊपर उन लोगों की देखभाल करने का दायित्व होता है जो आप पर निर्भर करते हैं। जब आप मरते हैं, तो आपकी संपत्तियों और दायित्वों के साथ कुछ होना आवश्यक है। आपके मामलों को सुलझाने के लिए एक कानूनी प्रक्रिया जिसे प्रॉबेट कहा जाता है, मौजूद है।

जब तक आपकी संपत्तियां स्वचालित रूप से एक जीवित पति/पत्नी, अन्य लाभार्थी, या एक ट्रस्ट को स्थानांतरित नहीं की जातीं, आपकी संपत्ति को प्रॉबेट से गुजरना होगा। प्रॉबेट एक कानूनी प्रक्रिया है जो यह स्थापित करती है कि आपकी वसीयत वैध है, जिसके बाद अदालत आपकी संपत्तियों को आपके निर्दिष्ट लाभार्थियों को आपकी वसीयत में दिए गए निर्देशों के अनुसार स्थानांतरित करती है। यदि आप कोई वसीयत नहीं छोड़ते हैं, तो प्रॉबेट यह निर्धारित करेगा कि क्या किसे मिलेगा, जो लागू कानूनों के अनुसार होगा।

प्रॉबेट प्रक्रिया में आमतौर पर कम से कम नौ महीने लगते हैं, लेकिन यह संपत्ति की जटिलता के अनुसार कई वर्षों तक खींची जा सकती है। प्रॉबेट में, अदालत एक व्यक्तिगत प्रतिनिधि (यदि वसीयत में नियुक्त किया गया है तो तकनीकी रूप से इसे 'एक्ज़ेक्यूटर' कहा जाता है, या यदि अदालत द्वारा नियुक्त किया गया है तो 'प्रशासक') को कानूनी अधिकार देती है, जो आपकी वसीयत में बताए गए आपके इच्छाओं के अनुसार आपकी संपत्तियों के वितरण की देखरेख करेगा। यदि आपके पास कोई वसीयत नहीं है, तो आपके निकटतम रिश्तेदार आपके पैसे प्राप्त करते हैं—और ये रिश्तेदार किस प्रकार के हैं, यह उस राज्य के आधार पर भिन्न हो सकता है जहां आप रहते हैं।

व्यक्तिगत प्रतिनिधि, या एक्ज़ेक्यूटर, आमतौर पर अपनी सेवाओं के लिए संपत्ति का लगभग एक से पांच प्रतिशत शुल्क लेते हैं, हालांकि रिश्तेदार इसे मुफ्त में भी कर सकते हैं। आप एक वकील, या एक रिश्तेदार या पारिवारिक मित्र को चुन सकते हैं। एक्ज़ेक्यूटर होना एक कठिन और समय लेने वाला काम हो सकता है, इसलिए आपको किसी ऐसे व्यक्ति का चयन करना होगा जो इस प्रक्रिया में संपत्तियों को बेचने और लाभार्थियों को वितरित करने की क्षमता रखता हो।

एक्ज़ेक्यूटर को यह सुनिश्चित करने के लिए वसीयत में निर्धारित निर्देशों का पालन करना होता है कि आपकी इच्छाएं पूरी हों। कई बार इसमें कुछ कमी होती है, जिसके मामले में एक्ज़ेक्यूटर को राज्य के कानून की ओर देखना पड़ सकता है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि एक्ज़ेक्यूटर आपके उत्तराधिकारियों के साथ अच्छी तरह से मिलकर काम करे और विश्वसनीय हो। एक अच्छा विकल्प एक तीसरे पक्ष के पेशेवर को नामित करना है, जैसे कि एक वकील, जो तटस्थ हो और जिसके पास इस प्रक्रिया का अनुभव हो।

प्रॉबेट से गुजरने में भी कुछ लागतें जुड़ी होती हैं। प्रॉबेट में आपकी संपत्ति का ध्यान रखने वाले वकील को एक आधार शुल्क और व्यय का भुगतान किया जाता है। प्रत्येक राज्य का अपना शुल्क तालिका होती है। वकील संपत्ति को अतिरिक्त व्यय भी लगा सकते हैं, और यदि कोई वसीयत को चुनौती देता है, तो इससे अतिरिक्त व्यय भी जुड़ सकते हैं।

इंवेंट्री फाइल करना प्रॉबेट का एक हिस्सा है। एक इंवेंट्री मूल रूप से एक बैलेंस शीट है - जिसमें संपत्तियों की सूची, उनकी कीमत और किसी भी विशेष पहचान जैसे कि कार के लिए वाहन पहचान संख्या शामिल होती है। कई लोग चाहेंगे कि यह जानकारी सार्वजनिक न हो।

यह प्रक्रिया समय लेती है और महंगी भी हो सकती है। आप प्रॉबेट से बचने के लिए और क्या कारण हो सकते हैं? सभी राज्यों में, वसीयत को निपटाने के लिए आपको कोर्ट सिस्टम से गुजरना पड़ता है। यदि आपके पास कई राज्यों में अचल संपत्ति है, तो आपको प्रत्येक राज्य में प्रॉबेट से

गुजरना होगा। प्रॉबेट सार्वजनिक होता है, और कभी-कभी लोग नहीं चाहते कि सभी को पता चले कि उनके पास क्या है।

प्रॉबेट से बचने के कुछ विकल्प हैं। आप संपत्तियों का शीर्षक इस प्रकार कर सकते हैं कि वे केवल मृतक की स्वामित्व में न हों, या आप संपत्तियों को एक ट्रस्ट में स्थानांतरित कर सकते हैं। संपत्तियों का संयुक्त शीर्षक देना या वित्तीय खातों पर मृत्यु पर स्थानांतरण का प्रावधान बनाना बहुत आसान है, और यह सुनिश्चित करता है कि जब आप मरें, तो कोई और तुरंत संपत्ति तक पहुंच सके।

संयुक्त संपत्ति स्वामित्व का सबसे सामान्य प्रकार 'संयुक्त कर्ता के अधिकार के साथ संयुक्त संपत्ति' है। एक विवाहित जोड़े के सभी खातों को इस तरह से शीर्षक दिया जा सकता है, और किसी भी पति या पत्नी को प्रत्येक खाते तक पहुंच प्राप्त होगी। यह बहुत सहायक है क्योंकि यदि एक पति या पत्नी की मृत्यु हो जाती है, तो दूसरे को खर्चों के लिए खातों तक पहुंचने में कोई परेशानी नहीं होगी। इसके अलावा, सुनिश्चित करें कि आपके सभी निवेश और रिटायरमेंट खातों पर एक नामित लाभार्थी है ताकि प्रॉबेट के बाहर संपत्तियों का सुचारू रूप से हस्तांतरण हो सके।

संयुक्त संपत्ति के स्वामित्व के कुछ महत्वपूर्ण नुकसान हैं, जिसमें देनदारी और संपत्तियों पर नियंत्रण का नुकसान शामिल है। एक आसान समाधान यह है कि आप मृत्यु पर स्थानांतरण प्रावधान के साथ खाते स्थापित करें। उदाहरण के लिए, आप एक निवेश या बैंक खाता सेट कर सकते हैं जो आपकी मृत्यु पर आपके उत्तराधिकारियों को स्थानांतरित किया जाएगा। आप यह निर्दिष्ट करते हैं कि पैसे कौन प्राप्त करेगा, और धन को समान हिस्सों में बांट दिया जाएगा।

लिविंग ट्रस्ट्स
वसीयत का एक विकल्प लिविंग ट्रस्ट बनाना है, जो एक निगम के समान है क्योंकि यह एक स्वतंत्र इकाई है जिसमें आप संपत्तियां स्थानांतरित करते हैं। यह प्रॉबेट से बचता है, और आप संपत्ति के साथ क्या करना है इस पर बहुत विस्तृत निर्देश दे सकते हैं। ट्रस्ट कानूनी रूप से संपत्तियों का मालिक होता है, इसलिए आपको अपनी संपत्तियों का शीर्षक ट्रस्ट के नाम पर बदलना होगा।

वास्तव में, आप अपनी संपत्तियों को अपने खातों से निकालकर ट्रस्ट को स्वामित्व में स्थानांतरित कर रहे हैं। लेकिन आप ट्रस्ट के प्रशासक के रूप में खुद को नियुक्त करके अपनी संपत्तियों पर नियंत्रण बनाए रख सकते हैं - अर्थात्, ट्रस्ट का प्रशासक - या इस भूमिका को निभाने के लिए किसी प्रियजन को चुन सकते हैं। एक पुन: स्थापित ट्रस्ट में, आप ट्रस्ट की शर्तों को बदलने का निर्णय भी ले सकते हैं, जिसमें अपनी संपत्तियों को अपने नाम पर फिर से शीर्षक देने का अधिकार शामिल है। पुन: स्थापित ट्रस्ट वसीयत के लिए अच्छे विकल्प हैं और प्रॉबेट से बचते हैं लेकिन यदि आपकी मृत्यु के समय आपकी संपत्ति बड़ी है तो संपत्ति या विरासत कर से बच नहीं सकते।

कई लोगों ने जीवित ट्रस्ट के उपयोग की आलोचना की है क्योंकि इन्हें बनाना महंगा हो सकता है और कुछ मामलों में, ये संपत्तियों को वसीयत प्रक्रिया के माध्यम से हस्तांतरित करने से अधिक महंगे होते हैं। हालांकि, एक लाभ यह है कि इसमें सरलता होती है और एक ट्रस्टी का उपयोग किया जाता है जो दाता की इच्छाओं के अनुसार तुरंत उत्तराधिकारियों को पैसे दे सकता है। यदि आपने वसीयत में सब कुछ सावधानी से सूचीबद्ध किया है, तो यह वही काम कर सकता है। लेकिन अधिकांश लोग ऐसा नहीं करते हैं।

अमीर व्यक्तियों के पास अक्सर एक कॉर्पोरेट ट्रस्टी होता है जो एक शुल्क लेता है, जो आमतौर पर प्रबंधित संपत्तियों के प्रतिशत के रूप में होता है। जब तक जीवित साथी या उत्तराधिकारियों के पास व्यापक निवेश अनुभव नहीं होता, तब तक यह समझदारी हो सकती है कि संपत्तियों को एक ट्रस्टी के हाथों में रखा जाए जो मृत्यु से पहले और बाद में संपत्तियों का प्रबंधन करता है। लेकिन इसके लिए भी आवश्यक है कि लाभार्थियों को जब उन्हें कुछ पैसे की आवश्यकता हो तो अनुमति मांगनी पड़े।

ट्रस्ट का उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा सकता है कि पैसे संपत्ति से उन लोगों के पास जाएं जिन्हें आप योग्य मानते हैं। उदाहरण के लिए, जिसे क्यू-टिप ट्रस्ट कहा जाता है, वह आपके जीवित साथी को उसके जीवनकाल के दौरान एक आय स्रोत प्रदान करता है जबकि आपको

यह तय करने की अनुमति देता है कि आपके साथी की मृत्यु के बाद शेष धन कौन प्राप्त करेगा।

मृत्यु के बाद प्रभावी होने वाले ट्रस्ट, जिन्हें वसीयतनामा ट्रस्ट भी कहा जाता है, का उपयोग उन लोगों की देखभाल करने के लिए किया जा सकता है जो अन्यथा अपनी देखभाल नहीं कर सकते—और इसमें आप भी शामिल हैं। आप किसी को नियुक्त कर सकते हैं जो आपके behalf पर निर्णय ले सके अगर आपको वृद्धावस्था संबंधी डिमेंशिया हो जाए या अल्जाइमर हो जाए या आप अपनी देखभाल करने में असमर्थ हो जाएं।

आम तौर पर, संरक्षकता स्थापित करना एक लंबी कानूनी प्रक्रिया हो सकती है—और महंगी भी। लेकिन एक संरक्षकता समझौता इस समस्या से बच सकता है। अपने लिए संरक्षकता स्थापित करना आसान है: प्रत्येक राज्य में एक फॉर्म होता है जो आपको विशिष्ट परिस्थितियों में अपनी देखभाल की जिम्मेदारी किसी और को स्थानांतरित करने की अनुमति देता है। यदि आपके पास यह नहीं है, तो एक स्प्रिंगिंग पावर ऑफ अटॉर्नी दस्तावेज किसी को जिम्मेदारी संभालने में मदद कर सकता है।

नाबालिगों या विकलांग वयस्कों की संरक्षकता प्राप्त करना एक महंगी और लंबी प्रक्रिया है। आमतौर पर, जीवित माता-पिता को संरक्षक के रूप में नामित किया जाएगा, लेकिन आप अपनी वसीयत या ट्रस्ट दस्तावेज़ का उपयोग करके यह निर्दिष्ट कर सकते हैं कि आप अपने बच्चे की देखभाल के लिए किसे पसंद करते हैं। यदि आपके पास वसीयत नहीं है, तो यह अदालतों पर निर्भर करता है। यहां तक कि यदि आपके पास बड़े वित्तीय संपत्तियाँ नहीं हैं, तो आपको अपनी वसीयत तैयार करने पर विचार करना चाहिए ताकि आप अपनी मृत्यु से पहले अपने बच्चों की संरक्षकता का प्रावधान कर सकें।

संपत्ति कर

आजकल संघीय संपत्ति कर केवल बहुत धनी लोगों के लिए प्रासंगिक हैं, लेकिन कुछ राज्यों में छोटे संपत्तियों पर विरासत कर लगाया जाता है। संपत्ति कर का मूल उद्देश्य अमेरिका में ऐसे राजवंशों का निर्माण करने से रोकना था जहाँ धन पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होता है। सरकार आपके

धन को चैरिटी को देने में ठीक है, लेकिन यह जरूरी नहीं चाहती कि आप इसे अपने बच्चों को दें।

एक अस्थायी कर है जो कर योग्य संपत्ति के पहले मिलियन डॉलर पर क्रमिक रूप से लागू होता है। यह 18 प्रतिशत से शुरू होता है और जैसे-जैसे कर योग्य संपत्ति एक मिलियन डॉलर या उससे अधिक बढ़ती है, यह 40 प्रतिशत तक पहुंच जाता है।

संपत्ति तब तक कर योग्य नहीं होती जब तक आप अपनी एकीकृत क्रेडिट का उपयोग नहीं कर लेते, जो व्यावहारिक रूप से वह संपत्ति है जो कर-मुक्त स्थानांतरित हो सकती है। यह राशि अब लगभग 5.5 मिलियन डॉलर है और इसे लागू क्रेडिट राशि कहा जाता है। जब पहला साथी मर जाता है और अपनी लागू क्रेडिट राशि का पूरी तरह से उपयोग नहीं करता, तो संपत्ति का निष्पादक जीवित साथी को अप्रयुक्त छूट हस्तांतरित करने का विकल्प चुन सकता है।

कुछ बुनियादी संपत्ति कर न्यूनतमकरण रणनीतियाँ हैं जो अक्सर वित्तीय योजना प्रक्रिया में उपयोग की जाती हैं। सबसे आम उपहार कर छूट है। आप बिना उपहार कर रिटर्न दाखिल किए या उपहार कर चुकाए किसी को भी प्रति वर्ष 14,000 डॉलर दे सकते हैं। इसके अलावा, आप किसी के लिए चिकित्सा या शैक्षिक बिलों का भुगतान सीधे उन संस्थानों को कर सकते हैं जो ये सेवाएं प्रदान करते हैं, बिना यह आपके 14,000 डॉलर की सीमा में गिनते। आप चैरिटी को भी पैसे दे सकते हैं। जब भी संभव हो, सराहे गए प्रतिभूतियाँ दें और नकद नहीं।

उन्नत चिकित्सा निर्देश दस्तावेज़
संपत्ति योजना प्रक्रिया का अंतिम भाग उन दस्तावेजों को शामिल करता है जो दूसरों को निर्देश देते हैं कि यदि आप असमर्थ हो जाते हैं तो आपकी देखभाल कैसे की जाए। इस प्रकार के दस्तावेज़ भरना सबसे मुश्किल हो सकता है, लेकिन यह तर्कसंगत रूप से सबसे मूल्यवान कदम हो सकते हैं जिन्हें आप मरने के भावनात्मक और वित्तीय बोझ को कम करने के लिए उठा सकते हैं।

बाद के जीवन की देखभाल सरकार और उन व्यक्तियों के लिए बहुत महंगी होती है जिन्हें दीर्घकालिक देखभाल के लिए अपनी जेब से भुगतान करना पड़ता है। दूसरों को वह देखभाल प्रदान करने का विकल्प देना समझदारी है जो आप चाहते हैं। आप यह निर्देश अग्रिम चिकित्सा निर्देश दस्तावेजों के माध्यम से प्रदान कर सकते हैं। इसके तीन मूल प्रकार हैं।

पहला दस्तावेज़ स्वास्थ्य देखभाल प्रॉक्सी है, जिसे कभी-कभी स्वास्थ्य देखभाल के लिए सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी कहा जाता है, जो किसी अन्य व्यक्ति को आपकी ओर से स्वास्थ्य देखभाल निर्णय लेने का अधिकार देता है। स्वास्थ्य देखभाल प्रॉक्सी रखने वाले व्यक्ति को आपके समान अधिकार होते हैं—वे आपके चिकित्सा रिकॉर्ड को देख सकते हैं और यह चुन सकते हैं कि आपको कौन-सी प्रक्रियाएँ प्राप्त होंगी।

दूसरा दस्तावेज़ एक जीवित वसीयत है, जो स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को इच्छित चिकित्सा उपचार के बारे में निर्देश प्रदान करता है। जीवित वसीयत सामान्य या विशेष हो सकती हैं। कई फॉर्म उपलब्ध हैं जो स्पष्ट रूप से उन परिस्थितियों की सूची तैयार करते हैं जिनमें आप चाहेंगे कि आपकी देखभाल आपसे रोकी जाए।

तीसरा दस्तावेज़ सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी है। ये स्थायी या स्प्रिंगिंग हो सकते हैं। स्थायी पावर ऑफ अटॉर्नी किसी और को आपके वित्तीय मामलों में आपकी ओर से कार्य करने का अधिकार देता है, जैसे कि जब आप बीमार हों तो खातों का प्रबंधन करना, बीमा के लिए आवेदन करना, और जब आप असमर्थ हों तो कानूनी निर्णय लेना। स्प्रिंगिंग पावर ऑफ अटॉर्नी तब लागू हो सकता है जब आप असमर्थ हो जाएँ।

अग्रिम निर्देश फॉर्म राज्य के अनुसार भिन्न होते हैं, और अस्पताल देखभाल प्रदान करने से पहले एक प्रति की मांग करेंगे। इन्हें भरना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन आप इसे अपने प्रियजनों के लिए आसान बनाने के लिए करते हैं ताकि उन्हें आपकी ओर से कठिन निर्णय लेने के लिए भावनात्मक अपराधबोध का सामना न करना पड़े।

विचार करने के लिए प्रश्न

हम अपने संपत्तियों के स्वामित्व को पुनर्गठित करने की आवश्यकता क्यों महसूस कर सकते हैं ताकि प्रॉबेट से बचा जा सके, इसे स्पष्ट करें।

कई लोगों ने संयुक्त राज्य अमेरिका में संपत्ति कर की आलोचना की है। संपत्ति कर के पक्ष और विपक्ष में तर्क प्रस्तुत करें, और समझाएँ कि संपत्ति कर के अस्तित्व का दाताओं और संभावित प्राप्तकर्ताओं के लिए जीवन चक्र की बचत और खर्च के निर्णयों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

अपने वित्तीय योजना को तैयार करना

एक बार जब आप वित्तीय योजना की मूल बातें समझ लेते हैं, तो आप अपनी खुद की वित्तीय योजना बना सकते हैं। अनुसंधान से पता चला है कि अपनी वर्तमान वित्तीय स्थिति का आकलन करने और दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को बनाने की प्रक्रिया से गुजरना आपके वित्तीय व्यवहार पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है। यदि आप अपने वित्तीय लक्ष्यों तक पहुंचना चाहते हैं, तो आपको यह जानना होगा कि वहां कैसे पहुंचा जाए। और यही एक वित्तीय योजना का उद्देश्य है। इस व्याख्यान में, आप कुछ सरल चरणों के बारे में जानेंगे जो आपकी अनुकूलित वित्तीय योजना बनाने में मदद कर सकते हैं।

नकद प्रवाह विवरण
वित्तीय योजना बनाने का पहला कदम वित्तीय जानकारी इकट्ठा करना है। इस जानकारी का उपयोग तीन महत्वपूर्ण दस्तावेज़ बनाने के लिए किया जाता है: एक नकद प्रवाह विवरण, एक बजट, और एक बैलेंस शीट। नकद प्रवाह विवरण में आपकी आय और हर महीने होने वाले सभी नियमित निश्चित और परिवर्तनशील खर्चों को सूचीबद्ध किया जाता है। निश्चित खर्च महीने से महीने नहीं बदलते - उदाहरण के लिए, एक बंधक, छात्र ऋण भुगतान, या केबल बिल। परिवर्तनशील खर्चों में घर से बाहर का खाना, यात्रा, या कपड़े शामिल हो सकते हैं।

एक नकद प्रवाह विवरण बनाने के लिए, पिछले कुछ महीनों के बिल और आपके चेकिंग खाता विवरण को इकट्ठा करें और प्रत्येक श्रेणी पर आप कितना खर्च करते हैं, उसका अनुमान लगाएं। यदि आपके पास हर महीने अपने क्रेडिट कार्ड का भुगतान करने की अनुशासन है, तो क्रेडिट कार्ड का बिल खर्चों को ट्रैक करने का एक अच्छा तरीका हो सकता है।

एक बार जब आप अपने खर्चों, या नकद बहिर्वाह का अनुमान लगा लेते हैं, तो आपको कुछ वेतन पर्चियां एकत्र करने की आवश्यकता होती है जो आपके कैश इनफ्लो को दिखाती हैं। इसे सटीक रूप से करने के लिए,

अपनी कुल आय का उपयोग करें और आय और पेरोल करों को एक व्यय के रूप में शामिल करें, और साथ ही किसी भी पैसे को भी ध्यान में रखें जो आप वर्तमान में 401(k) में बचा रहे हैं। हालांकि यह बचत जैसा नहीं लगता, लेकिन एक सेवानिवृत्ति खाते में जमा किया गया पैसा आपकी शुद्ध संपत्ति को बढ़ा रहा है।

जब आप आय से खर्चों को घटाते हैं, तो आपको शुद्ध बचत या एक शुद्ध घाटा मिलेगा। घाटे को उधारी के माध्यम से वित्तपोषित किया जाता है, और बचत 401(k) या बचत जैसे खातों में जाती है और समय के साथ बढ़ती है।

उन लोगों के लिए जिन्हें बचत करने में कोई कठिनाई नहीं होती और जो जीवन चक्र में बाद में होते हैं, नकद प्रवाह विवरण आवश्यक नहीं हो सकता। लेकिन अगर आप अनुशासित हैं, तो नकद प्रवाह विवरण यह स्पष्ट रूप से बता सकता है कि आप कितना खर्च करते हैं और बचत करते हैं। लक्ष्य समय के साथ खर्च को समतल करना है, और एक नकद प्रवाह विवरण आपको यह बता सकता है कि आप औसत महीने या वर्ष में कितना पैसा खर्च करते हैं।

यदि आप अधिकांश लोगों की तरह हैं, तो आप आमतौर पर अपनी आय के करीब खर्च करते हैं। थोड़ा अधिक खर्च करें, और आप देखेंगे कि क्रेडिट कार्ड का बैलेंस बढ़ने लगता है; थोड़ा कम खर्च करें, और आप अपने चेकिंग खाता बैलेंस में वृद्धि देखेंगे। यदि आपका नकद प्रवाह विवरण सकारात्मक है लेकिन आप समय के साथ ऋण जमा कर रहे हैं, तो अपने आंकड़ों की जांच करें। नकद खर्चों और क्रेडिट कार्ड ब्याज जैसी चीज़ों को शामिल करना न भूलें।

नकद प्रवाह विवरण बजट की लचीलापन के बारे में जानकारी प्रदान करता है। यदि आप सेवानिवृत्ति के लिए पर्याप्त बचत नहीं कर रहे हैं, या यदि आपको क्रेडिट कार्ड ऋण चुकाने में कठिनाई हो रही है, तो आप खर्च कम करने के विकल्प देख पाएंगे। यही कारण है कि निश्चित और परिवर्तनशील खर्चों के बीच अंतर करना महत्वपूर्ण है। परिवर्तनशील खर्चों को निश्चित खर्चों की तुलना में अधिक आसानी से कम किया जा सकता है।

जब आप खर्च कम कर रहे होते हैं, तो एक अर्थशास्त्री मार्जिनल यूटिलिटी विधि का उपयोग करने का सुझाव देगा, जिसमें हम बजट में प्रत्येक आइटम पर खर्च करने से मिलने वाली खुशी की मात्रा की तुलना करते हैं और उन आइटमों को काटते हैं जो हमें कम पसंद हैं। लेकिन सच यह है कि हम अक्सर यह समझने में बहुत अच्छे नहीं होते कि हमें खर्च के कुछ रूपों से वास्तव में कितनी खुशी मिलती है। इसलिए, जब आप यह तय कर रहे हों कि क्या काटना है, तो अपने आप से ईमानदार रहें: क्या हर महीने इतनी धनराशि खर्च करना वास्तव में आपको इतना खुश करता है?

बजट

बजट भविष्य के लिए नकद प्रवाह विवरण है। एक बजट बनाने के लिए, नकद प्रवाह विवरण से शुरू करें और कल्पना करें कि आप अगले महीने अपने पैसे को कैसे खर्च करना चाहेंगे ताकि आप अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों को पूरा कर सकें। इसका मतलब यह भी है कि आपको यह जानने की आवश्यकता होगी कि ये दीर्घकालिक लक्ष्य क्या होंगे। विशिष्ट लक्ष्यों को बनाना वित्तीय योजना बनाने की प्रक्रिया का सबसे मूल्यवान परिणाम हो सकता है। यह आपको भविष्य के बारे में सोचने के लिए मजबूर करता है।

लक्ष्य जीवन के विभिन्न चरणों में अलग-अलग होंगे। अल्पकालिक लक्ष्यों में घर की डाउन पेमेंट के लिए बचत, छुट्टी पर जाना, या क्रेडिट कार्ड का कर्ज चुकाना शामिल हो सकते हैं। यदि आप अस्पष्ट लक्ष्यों का निर्धारण करते हैं, या नकारात्मक व्यवहार से बचने के लिए लक्ष्य बनाते हैं, तो आपकी सफलता की संभावना कम होती है, खासकर यदि आप अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए वर्तमान में आत्म-नियंत्रण पर निर्भर हैं। और सक्रिय बचत की तुलना में निष्क्रिय बचत कहीं अधिक सफल होती है, इसलिए रिटायरमेंट के लिए बचत करने या कर्ज चुकाने के लिए अपने वेतन या चेकिंग खाते से स्वचालित निकासी की व्यवस्था करें।

एक प्रभावी रणनीति यह है कि आप विशिष्ट दीर्घकालिक लक्ष्य के लिए उपयोग की जाने वाली बचत खातों का निर्माण करें। ढांचा एक

शक्तिशाली शक्ति है, और यदि आप उस खाते में पैसे को एक विशेष उद्देश्य के लिए ढालते हैं, तो आप उस खाते से कुछ और खरीदने के लिए कम संभावना से निकासी करेंगे। इसलिए, एक ऑनलाइन बैंक खोजें जो उचित ब्याज दर देता हो और नामित बचत खाते बनाएं। यह तय करें कि आप हर महीने अपने बजट में कितना समायोजित कर सकते हैं, और अपने वेतन मिलने के कुछ दिन बाद स्वचालित रूप से इसे निकालने की व्यवस्था करें।

एक बार जब आप अपने लक्ष्यों की पहचान कर लें, तो आपको बस यह अनुमान लगाने की आवश्यकता है कि आपको हर महीने कितनी बचत करनी है। आपको वहां पहुंचने के लिए निवेशों पर अपेक्षित रिटर्न की दर निकालनी होगी। भविष्य में, आपको स्टॉक्स और बांड पर पिछले की तुलना में कम रिटर्न देखने को मिल सकता है, इसलिए यथार्थवादी रहें।

समय के साथ, आप जीवन चक्र के माध्यम से आगे बढ़ेंगे और आपके लक्ष्य बदलेंगे। अप्रत्याशित चीजें होंगी जो आपकी वित्तीय स्थिति को प्रभावित करेंगी।

यह महत्वपूर्ण है कि आप अपनी योजना को फिर से देखें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आप सही दिशा में बढ़ रहे हैं।

बैलेंस शीट
अपने वित्तीय स्थिति का वर्तमान आंकलन करने के लिए, आपको एक बैलेंस शीट बनानी चाहिए। बैलेंस शीट बनाना संपत्ति योजना प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी हो सकता है, क्योंकि आपको अपनी सभी संपत्तियों और उनके मूल्य के साथ-साथ अपने कर्ज की पहचान करनी होगी।

एक बैलेंस शीट आमतौर पर एक खाता-बही होती है जिसमें सभी संपत्तियों को उनके वर्तमान नेट मार्केट मूल्य पर सूचीबद्ध किया जाता है, जो तीन श्रेणियों में वर्गीकृत होती हैं: मौद्रिक संपत्तियां जो अल्पकालिक खर्च की जरूरतों के लिए तरल की जा सकती हैं, निवेश संपत्तियां जिनका प्राथमिक उद्देश्य भविष्य के लक्ष्यों को फंड करना है,

और ठोस संपत्तियां (जैसे घर और कार)। ठोस संपत्तियों को कम समय में तरल करना अक्सर सबसे कठिन होता है और इन्हें बेचने के लिए उच्च लेन-देन लागत शामिल होती है।

बकाया राशि वे सभी कर्ज हैं जो वर्तमान में चुकाने हैं। इन्हें अक्सर अल्पकालिक बकाया और दीर्घकालिक बकाया के बीच विभाजित किया जाता है। अल्पकालिक बकाया में बकाया क्रेडिट कार्ड का कर्ज या अन्य उपभोक्ता ऋण शामिल होते हैं, जबकि दीर्घकालिक बकाया में बंधक, कार ऋण या छात्र ऋण शामिल होते हैं।

एक बार जब आप अपनी सभी संपत्तियों की सूची बना लें, तो कुल राशि की गणना करें। फिर, अपने बकाया जोड़ें और इस राशि को कुल संपत्तियों से घटाएं। यह संख्या आपकी शुद्ध संपत्ति है। अमेरिका में शुद्ध संपत्ति समान रूप से वितरित नहीं होती; इसे सांख्यिकीविदों द्वारा दाएँ झुके हुए कहा जाता है। बहुत से लोग जिनकी शुद्ध संपत्ति लगभग शून्य है और कुछ लोग जिनकी शुद्ध संपत्ति बहुत अधिक है।

आपकी बैलेंस शीट कई कारणों से उपयोगी होती है। सबसे पहले, यह आपके लक्ष्यों की ओर प्रगति को प्रदर्शित करने में मदद करती है। बैलेंस शीट में परिवर्तन उन बचत और उधारी निर्णयों को दर्शाना चाहिए जो आपने बजट बनाते समय किए हैं। यदि आप बचत लक्ष्यों की ओर नहीं बढ़ रहे हैं, तो आपको ट्रैक पर बने रहने के लिए बजट को समायोजित करने की आवश्यकता हो सकती है। बैलेंस शीट संभावित जोखिमों के लिए भी एक खिड़की प्रदान करती है। किसी संपत्ति के नुकसान से आपकी कुल संपत्ति पर कितना प्रभाव पड़ेगा?

निवेश नीति वक्तव्य
एक और मूल्यवान उपकरण जो वित्तीय योजनाकारों द्वारा उपयोग किया जाता है, वह है निवेश नीति वक्तव्य। निवेश नीति वक्तव्य बनाना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आपको अपने लक्ष्यों की पहचान करने और फिर प्रत्येक लक्ष्य के लिए उपयुक्त निवेश योजना बनाने के लिए मजबूर करता है। यह एक प्रतिबद्धता उपकरण के रूप में भी कार्य करता है, क्योंकि आप पहले से तय करते हैं कि आप कितनी जोखिम उठाने के लिए तैयार हैं। एक बार जब आप जोखिम स्वीकार करने का निर्णय ले

लेते हैं, तो यह बाजार में अपरिहार्य उतार-चढ़ाव को स्वीकार करना सरल बना देता है।

निवेश नीति विवरण का उपयोग करने का लाभ यह है कि यह निवेश निर्णय लेने में भावनाओं को दूर करता है। आप यह तय करते हैं कि आप कितना जोखिम ले सकते हैं जब आप तर्कसंगत स्थिति में होते हैं - लोग हमेशा भविष्य के बारे में सोचते समय अधिक तर्कसंगत होते हैं। फिर, जब बाजार गिरते हैं, तो आप मार्गदर्शन के लिए निवेश नीति विवरण की ओर देख सकते हैं। एक बुल मार्केट में जब आप अधिक जोखिम लेने के लिए प्रेरित हो सकते हैं, तो आप बस योजना का पालन करते हैं और अपने शेयरों से मिली लाभ राशि से अधिक बांड खरीदकर पोर्टफोलियो को संतुलित करते हैं।

वित्तीय योजनाकार
कई लोगों को वित्तीय योजना विकसित करने और सलाह प्राप्त करने के लिए एक योग्य वित्तीय योजनाकार से मिलने का लाभ मिल सकता है। बहुत से लोग ऐसे कई निर्णय लेते हैं जो खराब निवेश, महंगे और अनावश्यक वित्तीय उत्पादों, या कर प्रोत्साहनों का लाभ उठाने में विफलता के कारण हानि का कारण बनते हैं। वित्तीय रूप से समझदार निवेशक भी एक योजनाकार से लाभान्वित हो सकते हैं जो एक तर्कसंगत विचार-विमर्श का कार्य कर सकता है या वित्तीय उत्पादों और कर कानूनों में बदलाव के बारे में जानकारी प्रदान कर सकता है।

एक अच्छे वित्तीय योजनाकार का चयन करना आसान नहीं है। कई पेशों की तरह, जैसे कि कानून या चिकित्सा, योजनाकारों को राज्य द्वारा लाइसेंस प्राप्त नहीं होते हैं, और खुद को वित्तीय सलाहकार कहने के लिए कोई मानक शिक्षा या ज्ञान नहीं होते हैं।

जो लोग खुद को वित्तीय सलाहकार कहते हैं, उनमें कुछ बुनियादी भिन्नताएँ होती हैं। ब्रोकर डीलर्स के पंजीकृत प्रतिनिधि पंजीकृत निवेश सलाहकारों से भिन्न होते हैं। ब्रोकर वित्तीय उद्योग नियामक प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित होते हैं और उन्हें जिस फर्म के लिए वे काम करते हैं, उसके प्रति वफादारी का कर्तव्य होता है। उनका प्राथमिक काम वित्तीय प्रतिभूतियों की बिक्री का दलाल बनना है।

ब्रोकर आमतौर पर म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय उत्पादों की बिक्री पर कमीशन से मुआवजा प्राप्त करते हैं। कानून के अनुसार, ब्रोकर ऐसे सुझाव देते हैं जो उपयुक्तता मानक को पूरा करते हैं, जिसका मतलब है कि म्यूचुअल फंड ग्राहक के लिए उपयुक्त होना चाहिए। ब्रोकर मुख्य रूप से उन उत्पादों को बेचने के लिए प्रेरित होते हैं जिन पर उन्हें कमीशन मिलेगा। ब्रोकरों को अक्सर उच्च कमीशन प्राप्त करने के लिए उत्पादों को अधिक बार बेचने के लिए प्रोत्साहन होता है, बजाय इसके कि वे दीर्घकालिक रणनीति को प्रोत्साहित करें।

ब्रोकरों को सक्रिय निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए भी प्रोत्साहन होता है, क्योंकि वे अक्सर उच्च कमीशन का भुगतान करते हैं। इन[illegible] ब्रोकर चैनल म्यूचुअल फंड्स का प्रदर्शन सीधे चैनल म्यूचुअल फंड्स की तुलना में लगातार कमजोर होता है, यही कारण है कि कई वित्तीय अर्थशास्त्री यह सोचते हैं कि इतने सारे निवेशक इन्हें क्यों खरीदते हैं। इसका कारण यह है कि ये अक्सर निवेश सलाह के साथ पैक किए जाते हैं, जिसकी अधिकांश लोगों को आवश्यकता होती है।

पंजीकृत निवेश सलाहकारों का नियमन प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा किया जाता है और वे कानूनी रूप से विश्वसनीय होते हैं, जिसका अर्थ है कि उन्हें आपकी सर्वोत्तम हितों के अनुरूप सिफारिशें करनी चाहिए। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो आप उनके खिलाफ मुकदमा कर सकते हैं। इससे ऐसे सिफारिशें करने का प्रोत्साहन मिलता है जिन्हें अदालत में बचाया जा सके। पंजीकृत निवेश सलाहकार आमतौर पर प्रबंधन के तहत संपत्तियों के प्रतिशत के रूप में मुआवजा प्राप्त करते हैं।

आपको पंजीकृत निवेश सलाहकार से जो सिफारिशें मिलेंगी, वे ब्रोकर से अलग हो सकती हैं। पंजीकृत निवेश सलाहकार आमतौर पर पैसिव निवेश को प्राथमिकता देते हैं, उदाहरण के लिए, क्योंकि उन्हें सक्रिय निवेश की सिफारिश करने पर मुआवजा नहीं मिलता। पंजीकृत निवेश सलाहकार आमतौर पर समृद्ध ग्राहकों के साथ काम करना पसंद करते हैं। इस कारण से, कई पंजीकृत निवेश सलाहकार कई निवेशकों के लिए पहुंच से बाहर होते हैं।

लेकिन योग्य सलाहकार हैं जो एक वित्तीय योजना बनाने में मदद करने के लिए प्रति घंटा शुल्क लेते हैं। शुल्क-केवल योजनाकारों को खोजने के लिए जानकारी का एक अच्छा स्रोत राष्ट्रीय व्यक्तिगत वित्तीय सलाहकार संघ है। इसके अलावा, ऑनलाइन वित्तीय योजनाकारों की संख्या भी बढ़ रही है, जो एक वित्तीय योजना बनाने के लिए मासिक शुल्क या निश्चित शुल्क लेते हैं।

अंततः, वित्तीय योजना उद्योग में पेशेवरों के बीच कोई स्थायी प्रशिक्षण नहीं है। व्यापक वित्तीय ज्ञान का सबसे कठोर प्रमाणन प्रमाणित वित्तीय योजनाकार (CFP) का होता है। CFPs को वित्तीय योजना के विभिन्न विषयों पर लगभग 50 प्रतिशत पास दर के साथ 10 घंटे का परीक्षा पास करना होता है—सिर्फ निवेश नहीं। उन्हें निरंतर शिक्षा के आवश्यकताओं को भी पूरा करना होता है। यह प्रमाणन यह सुनिश्चित नहीं करता कि आपको शानदार सलाह मिलेगी, लेकिन यह बताता है कि सलाहकार के पास न्यूनतम स्तर का ज्ञान है और उसने नैतिक सलाह के मानक का पालन करने पर सहमति व्यक्त की है।

विचार करने के लिए प्रश्न

विशिष्ट लक्ष्यों की स्थापना और समय के साथ उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए योजना बनाने से बेहतर वित्तीय परिणाम कैसे मिल सकते हैं?

कई लोग एक वित्तीय सलाहकार का चयन करते हैं क्योंकि वह एक जान पहचान वाला व्यक्ति है या किसी मित्र द्वारा सिफारिश की गई है। यह विश्वास क्यों महत्वपूर्ण है?

यदि डॉक्टरों को चिकित्सा उपकरण निर्माताओं और फार्मास्युटिकल कंपनियों द्वारा भुगतान किया जाता, तो चिकित्सा पेशा कैसा दिखता?

धन्यवाद